● वर्ष-3
● अंक-210
रायपुर, शनिवार
13 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› अगर आप पूरा दिन खामोश रहें ....

लोकसभा की 94 सीटों के लिए अधिसूचना जारी

नयी दिल्ली. निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 94 सीटों पर चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी। आम चुनाव 2024 के लिए 16 मार्च को जारी कार्यक्रम के अनुसार तीसरे चरण में मतदान सात मई को कराये जाएंगे। भारत के राजपत्र में जारी अधिसूचना के अनुसार तीसरे चरण के चुनाव के लिए मतदान सात मई को करायें जायेंगे। अधिसूचना के अनुसार तीसरे चरण में 12 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 94 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों और मध्य प्रदेश में बैतूल संसदीय क्षेत्र के स्थगित चुनाव के लिए 7 मई, 2024 को मतदान

होगा। तीसरे चरण के चुनाव के लिए सभी सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया आज से शुरु हो गयी और नामांकन 19 अप्रैल तक कराए जा सकेंगे। पर्चों की जांच 20 तारीख को होगी और नाम 22 तारीख तक वापस लिए जा सकेंगे। मध्य प्रदेश के बैतूल (अजा) संसदीय क्षेत्र में स्थगित मतदान के लिए अलग से अधिसूचना भी शुक्रवार को जारी की गई। इस सीट के लिए दूसरे चरण में होने वाला चुनाव बहुजन समाज पार्टी के एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण स्थगित कर दिया गया था। तीसरे चरण में जिन सीटों के लिए मतदान कराया जाना है उनमें असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, गोवा, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

कुल सात चरणों में कराए जा रहे लोक सभा चुनाव की मतगणना चार जून को करायी जाएगी और चुनाव प्रक्रिया छह जून तक पूरी कर ली जाएगी।

न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगीः साय

● कांग्रेस की घोषणाओं पर मुख्यमंत्री ने किया कटाक्ष ● कांग्रेस के बहकावे में नहीं आएगी जनता

रायपुर/भैरमगढ़। कांग्रेसी जगह-जगह फार्म भरवा कर जनता को ठग रहे हैं कि उनकी सरकार बनी तो महिलाओं को हर महीने 8 हजार और साल में एक लाख देंगे। यह तो वो भी जानते हैं कि न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी।

बीजापुर में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए छत्तीसगढ़ के सीएम श्री साय ने कहा कि प्रदेश की जनता ने पहले ही छत्तीसगढ़ की सत्ता भाजपा को सौंप दी है और केंद्र में कांग्रेस के आने की कोई संभावना ही नहीं है। कांग्रेस को प्रत्याशी तक नहीं मिल रहे हैं। हर दिन कांग्रेसी अपनी पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। सब जानते हुए भी कांग्रेसी जनता को ठगने का नया पैंतरा ले कर आए हैं, जिसका जनता करारा जवाब देगी।

गोबर का पैसा खा गई कांग्रेस सरकार- श्री साय ने कहा कि कांग्रेसियों को इस बार खाता खोलने भी नहीं देना है। 2018 में अपने जनघोषणा पत्र में बड़ा-बड़ा वादा करके जनता का खूब वोट बटोरे, फिर उनको खूब धोखा दिया। उन्होंने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में हुए घोटाले के आरोपी आज जेल

की हवा खा रहे हैं। कभी गद्दे में सोने वाले आज जेल में नीचे सो रहे हैं, मच्छर से परेशान हैं। ये सब उनके किये की सजा उनको मिल रही है। अब प्रदेश में भाजपा की सुशासन की सरकार है।

आरक्षण कोई खत्म नहीं कर सकता- मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा का चुनाव आया तो कांग्रेसी फिर से जनता को ठग रहे हैं। डबल इंजन की सरकार आदिवासियों का आरक्षण खत्म कर देगी ये भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी कहा है कि आरक्षण कभी भी खत्म नहीं होगा। कोई भी ताकत आरक्षण को खत्म नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है तो अब वे आरक्षण खत्म होने का भ्रम फैला रहे हैं। सीएम साय ने जनता से अपील की कि कांग्रेसियों की बातों में नहीं आना है, उसको सबक सिखाना है और इस चुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलने देना है।

यह चुनाव मोदी जी का चुनाव है- श्री साय ने कहा कि विधानसभा चुनाव में आप सभी ने मोदी की गारंटी पर विश्वास करके भाजपा को जिताया और बस्तर क्षेत्र की 12 सीटों में से 8 सीटों में जीत दिलाई उसके लिए आप सभी का आभार ये चुनाव नरेंद्र मोदी जी का चुनाव है, जिन्होंने 10 साल प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा की. सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को मूलमंत्र मानकर गांव, गरीब मजदूर किसान सबकी सेवा किये, सबकी चिंता किये। मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया है। उनको तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आप सभी से आशीर्वाद मांगने आया हूँ।

16 अभ्यर्थियों ने लिये नामांकन फ़ार्म 14 ने अमानत राशि भी जमा की

रायपुर लोकसभा के लिए निर्वाचन की अधिसूचना जारी होते ही नामांकन प्रक्रिया शुरू

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए निर्वाचन की अधिसूचना आज सुबह 11 बजे जारी की गई। कलेक्टर एवं रिटर्निंग ऑफिसर डॉ गौरव सिंह द्वारा निर्वाचन की अधिसूचना जारी करते ही लोकसभा सदस्य निर्वाचन की नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है । आज पहले दिन ही क्षेत्र के 16 लोगों ने रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय पहुँचकर नामांकन फॉर्म लिये। इनमें से 14 लोगों ने निर्धारित अमानत राशि भी कार्यालय में जमा करा दी है। आज नामांकन फॉर्म लेने वाले लोगों में पाँच निर्दलीय अभ्यर्थियों सहित राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के प्रतिनिधि शामिल है। रायपुर लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने आज निर्दलीय श्री बोधन लाल फरीकार, श्री प्रवीण जैन, श्री रोहित कुमार पाटिल, श्री दिनेश ध्रुव, श्री राजेश ध्रुव ने नामांकन फॉर्म प्राप्त किए। इसी तरह राष्ट्रीय जन सभा पार्टी से श्री लखमु राम टंडन, सुदर समाज पार्टी के श्री पीला राम अनंत, भारतीय जनता पार्टी के श्री बृजमोहन अग्रवाल, कम्युनिस्ट पार्टी के श्री विश्वजीत हार्राडे, घूम सेना के श्री नीरज सैनी, भारतीय शक्ति पार्टी के श्री दयाशंकर निषाद, चेतन पार्टी निर्दलीय के श्री मनोज वर्मा, शक्ति सेना भारत देश की श्रीमती सविता बंजारे, अखिल भारतीय जन सेवा पार्टी के श्री रवि कुमार श्रीवास, इण्डियन नेशनल कांग्रेस के श्री तिलक सोनकर और राइट टू रिकॉल पार्टी के श्री अनिल कुमार महोबिया ने नामांकन फॉर्म प्राप्त किए है। श्री तिलक सोनकर और श्री दिनेश ध्रुव को छोड़कर बाँकी 14 अभ्यर्थियों ने आज निर्धारित अमानत राशि भी जमा कराई है।

19 अप्रैल तक लिये जाएँगे नामांकन- रिटर्निंग ऑफिसर और कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज सुबह 11 बजे रायपुर लोकसभा के निर्वाचन की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही रायपुर क्षेत्र के लोकसभा सदस्य के निर्वाचन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। अधिसूचना हिन्दी और अंग्रेज़ी दो भाषाओं में जारी की गई है और रिटर्निंग ऑफिसर तथा सभी सहायक रिटर्निंग ऑफ़िसर्स के कार्यालयों के सूचना पटल पर सार्वजनिक भी कर दी गई है। आज से ही निर्वाचन लड़ने के प्रत्याशियों का नामांकन भी शुरू हो गया है।निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशी 19 अप्रैल तक अपना नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर या सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष जमा करा सकेंगे।

भारत में विचारधारा की लड़ाई चल रहीः राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि आज भारत में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। एक तरफ पेरियार, सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता और समानता के विचार हैं, दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के विचार हैं। नरेंद्र मोदी कहते हैं- एक राष्ट्र, एक नेता, एक भाषा। तमिल भाषा किसी भी अन्य भारतीय भाषा से कम नहीं है। इस देश में कई अलग-अलग भाषाएँ और संस्कृतियाँ हैं और सभी हमारे लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। मुझे तमिलनाडु आना बहुत पसंद है। मैं तमिलनाडु के लोगों से प्यार करता हूं। मेरे लिए, तमिलनाडु के लोग, इसकी संस्कृति, इतिहास और भाषा सबसे महान शिक्षक हैं। जब भी मैं भारत को समझना चाहता हूं, मैं महान तमिल कवियों, आपके इतिहास, आपकी परंपराओं और शेष विश्व पर आपके प्रभाव को देखता हूं। यह मेरे लिए एक दर्पण की तरह काम करता है, जिसके माध्यम से मैं भारत को समझ सकता हूं। आपने बाकी देश को दिखाया है कि सामाजिक न्याय के रास्ते पर कैसे चलना है। और इसलिए हमने यहां से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की। मैं जब भी इस महान भूमि पर आता हूं, विनम्रता के साथ आता हूं, आपके अतीत और परंपराओं के प्रति सिर झुकाकर आता हूं। क्योंकि केवल एक चीज जो मेरे जैसा व्यक्ति कर सकता है वह है आपकी परंपराओं और इतिहास से सीखना। साथ ही, तमिल लोगों ने मुझ पर और मेरे परिवार पर हमेशा प्यार और स्नेह बरसाया है।

कांग्रेस की सोच ही विकास विरोधी, उन्होंने सीमावर्ती गांवों को आखिरी गांव माना, हम प्रथम मानते है

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी जोर-शोर से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। पीएम मोदी आज राजस्थान के बाड़मेर में चुनावी सभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि ये जनसैलाब, ये जनसमर्थन बताता है कि बाड़मेर की जनता कमल को भरपूर आशीर्वाद देने का संकल्प ले चुकी है। इस चुनाव में आपका एक-एक वोट विकसित भारत की नींव मजबूत करेगा। ये चुनाव दल का नहीं, देश का चुनाव है। इसलिए आज पूरा देश कह रहा है - 4 जून, 400 पार! उन्होंने कहा कि बाड़मेर हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्व. जसवंत सिंह जी का क्षेत्र है। यहां के लोगों ने हमेशा मुझे बोला है - मोदी जी आप देश के दुश्मनों को सबक सिखाओ, बाड़मेर जिताने की जिम्मेदारी हमारी। आप इस बार भी, पहले से ज्यादा वोटों से कमल को जिताएंगे, ये मेरा पक्का विश्वास है। मोदी ने कहा कि जिस राजस्थान के लोगों ने देश को अपने लहू से सींचा, उस राजस्थान को कांग्रेस ने पानी के लिए प्यासा रखा। जितने दिन राजस्थान में कांग्रेस सरकार रही, उसने जल जीवन मिशन में भी जमकर भ्रष्टाचार किया। कांग्रेस ने राजस्थान तक पानी लाने के लिए श्रेष्ठ परियोजना भी पूरी नहीं होने दी थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच ही विकास विरोधी है। ये लोग देश के सीमावर्ती गांवों को देश का आखिरी गांव कहते हैं। ये लोग सीमावर्ती जिलों को, गांवों को जान-बूझकर विकास से वंचित रखते थे। उन्होंने कहा कि हम सीमावर्ती इलाकों को, सीमावर्ती गांवों को आखिरी गांव नहीं, देश का प्रथम गांव मानते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे लिए देश की सीमाएं यहां पूरी नहीं होती, हमारे लिए यहां से देश शुरू होता है। आज अगर देश में 4 करोड़ गरीबों को पीएम आवास मिले हैं, तो मेरे बाड़मेर में भी पौने 2 लाख गरीबों को पक्के आवास का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश की आखिरी सीमा तक सड़कें और हाइवे बना रही है। हमने बाड़मेर में मेडिकल कॉलेज भी खोला है। आज सीमावर्ती बाड़मेर में 72,000 करोड़ रुपये लागत की रिफाइनरी शुरू होने जा रही है। आने वाले समय में इस इलाके में रोजगार के अवसर पैदा होंगे, युवाओं के लिए नए रास्ते बनेंगे। उन्होंने कहा कि यहां के एयरपोर्ट में भी पिछली सरकार ने जमकर रोड़े अटकाए थे।

प्रमुख समाचार

कानूनी प्रक्रिया से धर्म परिवर्तन के लिए लोग स्वतंत्रः हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि देश में कोई भी व्यक्ति धर्म बदलने के लिए स्वतंत्र है, बशर्ते कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया हो। कोर्ट ने कहा कि इसके लिए शपथ पत्र और समाचार पत्र में विज्ञापन दिया जाना जरूरी है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि धर्म परिवर्तन से कोई सार्वजनिक आपत्ति नहीं है। यह भी सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि कोई धोखाधड़ी या अवैध धर्म परिवर्तन नहीं है। साथ ही सभी सरकारी आईडी पर नया धर्म दिखाई देना चाहिए। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की पीठ ने की। याची वारिस अली ने कोर्ट में बताया है कि उसने शिकायतकर्ता की बेटी से शादी की है। जिससे उन्हें एक बेटी है। दोनों साथ रह रहे हैं। शिकायतकर्ता ने दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज मुकदमे को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में वाद दायर किया गया है। याची का कहना है कि उसने अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन किया है। राज्य सरकार के अधिवक्ता इन बातों के सत्यापन के लिए कोर्ट से समय मांगा है कि धर्म परिवर्तन शादी के लिए किया गयाथ

खुदरा महंगाई दर 10 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर मार्च में मुद्रास्फीति पिछले महीने के 5.0% की तुलना में 10 महीने के निचले स्तर 4.85% पर आ गई है। शुक्रवार को सरकार की ओर से यह आंकड़ा जारी किया गया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चला है कि मार्च में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति पिछले महीने (फरवरी 2024) के 5.09 प्रतिशत की तुलना में सालाना आधार पर 4.85 प्रतिशत हो गई। रॉयटर्स के एक सर्वेक्षण में महंगाई दर घटकर 4.91 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक उपभोक्ता के दृष्टिकोण से वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में परिवर्तन को मापता है। केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता बनाए रखने की अपनी भूमिका में इस आंकड़े का इस्तेमाल करता है। पूर्वानुमान से अधिक मजबूत सीपीआई रीडिंग आमतौर पर रुपये की मजबूती के लिए सहायक (बुलिश) होती है, जबकि पूर्वानुमान से कमजोर रीडिंग आमतौर पर रुपये के लिहाज से नकारात्मक (मंदी वाली) होती है।

बस्तर और बालोद में गरजेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

रायपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कल 13 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बस्तर एवं कांकेर लोकसभा क्षेत्र में आयोजित आमसभा के माध्यम से हुंकार भरेंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री जगदीश रामू रोहरा ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक रक्षा मंत्री श्री सिंह दिल्ली से सुबह 10.30बजे रवाना होंगे तथा दोपहर 12.30 बजे जगदलपुर स्थित माँ दंतेश्वरी विमानतल पहुँचेंगे। दोपहर 1.15 बजे बस्तर के भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप के लिए बरपुर रोड गीदम दंतेवाड़ा में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। दंतेवाड़ा में आयोजित सभा को संबोधित करने के पश्चात रक्षा मंत्री श्री सिंह कांकेर लोकसभा क्षेत्र के बालोद के सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आयोजित आमसभा में दोपहर 03.15 बजे कांकेर प्रत्याशी भोजराज नाग एवं छत्तीसगढ़ के सभी 11 लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत के लिए उत्साह का संचार करेंगे। बालोद में आयोजित सभा को संबोधित करने के पश्चात रक्षा मंत्री श्री सिंह शाम 04.40 बजे राजधानी रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुँचेंगे। वहां से शाम 04.50 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

14 अप्रैल को शाह खैरागढ़ में जनसभा को संबोधित करेंगे

खैरागढ़। लोकसभा चुनाव में प्रचार अभियान चरम पर है ऐसे में राष्ट्रीय नेताओं का छत्तीसगढ़ में लगातार दौरा हो रहा है इसी क्रम में देश के गृह मंत्री अमित शाह राजनांदगांव लोकसभा के खैरागढ़ में 14 अप्रैल को लोकसभा प्रत्याशी संतोष पांडे के पक्ष में प्रचार के लिए पहुंचने वाले हैं। जिसकी तैयारियां जोरों पर है शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह की जनसभा के लिए तैयारी का जायजा लेने प्रदेश भाजपा के नेतागण खैरागढ़ स्थित फतेह सिंह मैदान पहुंचे। जहां उन्होंने फतेह मैदान पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया व आवश्यक दिशा निर्देश दिये। तैयारियों की स्थिति देखने खैरागढ़ पहुंचे क्लस्टर प्रभारी राजेश मूणत,संभाग प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी,लोकसभा प्रभारी नारायण चंदेल व महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने तैयारियों का जायजा लेने के साथ ही खैरागढ़ के नेताओं से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी कोमल जंघेल एवं विक्रांत सिंह,जिला भाजपा अध्यक्ष घम्मन साहू,विधानसभा सहसंयोजक खम्मन ताम्रकार,टी के चंदेल, विकेश गुप्ता,रामाधार रजक,शशांक ताम्रकार, भावेश बैद, मंजीत सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन दशक की तपस्या का परिणाम है राम मंदिर का निर्माण

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण 30 साल की तपस्या और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने यहां दत्ताजी भाले स्मृति समिति कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा कि पूरा देश राम लला की प्रतिमा स्थापित होने से अभिभूत है। भागवत ने अपने भाषण में कहा, ''लोगों ने राम मंदिर निर्माण के लिए धन दिया। यह 30 साल के संघर्ष के बाद संभव हो पाया। हम 500 सालों से राम जन्मभूमि पर मंदिर चाहते थे। लोग चंदा देने को तैयार थे और पूरा देश मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के समय अभिभूत था।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''कई लोगों की तपस्या और समर्पण से यह प्राप्त हुआ।'' उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ साल में दुनियाभर में भारत का कद बढ़ा है और उसकी धरोहर तथा संस्कृति की स्वीकार्यता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में अच्छे बदलाव लाने का समय आ गया है। भागवत ने कहा, ''देश की प्रगति और विकास में बहुत परिश्रम लगा है। निस्वार्थ लोग परिणाम के बारे में सोचे बिना परिश्रम करते हैं। वे परिणाम चाहते हैं, भले ही वो उनके जीवनकाल में नहीं प्राप्त हो।

सीएपीएफ की कई कंपनियां तैनात

लोकसभा चुनाव के चलते भाजपा-कांग्रेस के बीच वाकयुद्ध तेज

रेनू तिवारी

अरुणाचल प्रदेश में 60 सदस्यीय विधानसभा है और सत्तारूढ़ भाजपा पहले ही 10 सीट निर्विरोध जीत चुकी है। असम में तीसरे चरण की गुवाहाटी समेत चार लोकसभा सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हो गई।

अरुणाचल प्रदेश- निर्वाचन आयोग अरुणाचल प्रदेश में चुनावों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 10 अतिरिक्त कंपनियां तैनात करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य की 50 विधानसभा सीटों और दो लोकसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा। अरुणाचल प्रदेश में 60 सदस्यीय विधानसभा है और सत्तारूढ़ भाजपा पहले ही 10 सीट निर्विरोध जीत चुकी है।

अरुणाचल प्रदेश में 19 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में 23 ऐसे उम्मीदवार हैं जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। एक नागरिक समाज संगठन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसके अलावा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर कटाक्ष करते हुए बुधवार को इसे 'घमंडिया' गठबंधन करार दिया, जो भ्रष्ट नेताओं से भरा हुआ है। नड्डा ने इससे पहले, 19 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश में एक साथ होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। उन्होंने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' पर भ्रष्ट नेताओं को शरण देने का भी आरोप लगाया।

असम- असम में तीसरे चरण की गुवाहाटी समेत चार लोकसभा सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हो गई। गुवाहाटी, बारपेटा, धुबरी और कोकराझार (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान तीसरे चरण के तहत सात मई को होगा। इसके अलावा कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय मंत्रियों के रिश्तेदारों समेत भाजपा से जुड़े हुए लोग राज्य में दिवालिया हो चुके चाय बागान खरीद रहे हैं और उन जमीनों पर कुछ और स्थापित करने के लिए उन्हें रातों-रात बेच रहे हैं। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गोगोई ने इसे ''चुनावी बॉण्ड से भी बड़ा घोटाला'' बताते हुए कहा कि चाय बागान मजदूरों का भविष्य अंधेरे में है और यह सिलसिला चलता रहा तो उनमें से हजारों लोगों के पास रोजगार का कोई अवसर नहीं रहेगा।

मणिपुर- मणिपुर के थौबल जिले के हिरोक गांव के पास शुक्रवार को सशस्त्र ग्रामीण स्वयंसेवकों एवं अज्ञात बंदूकधारियों के बीच गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने शुक्रवार तड़के हिरोक गांव की ओर गोलीबारी की, जिसके बाद गांव के स्वयंसेवकों ने जवाबी गोलीबारी की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए 14 अप्रैल को मणिपुर का दौरा कर सकते हैं। पार्टी की राज्य इकाई के एक नेता ने कहा, ''अमित शाह भाजपा के स्टार प्रचारक हैं और उनके 14 अप्रैल को एक रैली को संबोधित करने की संभावना है। उनकी यात्रा को लेकर तैयारियां जारी है।'' मणिपुर के कानून मंत्री और लोकसभा चुनाव में इनर मणिपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार टी. बसंत कुमार सिंह ने कहा है कि भाजपा एकजुट मणिपुर के लिए खड़ी है और राज्य में किसी विशेष समुदाय के लिए अलग प्रशासन नहीं हो सकता। सिंह ने दावा किया कि राज्य के चुनावी परिदृश्य में कांग्रेस तस्वीर में कहीं भी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा मणिपुर में ''आसानी'' से जीतेगी और लोग जानते हैं कि भाजपा ही शांति की ओर ले जाने का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आने वाली पीढ़ियों के लिए मणिपुर को बचाया है।

मेघालय- भारत निर्वाचन आयोग ने मेघालय की वॉयस ऑफ पीपुल्स पार्टी को उसके समर्थकों द्वारा आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन पर 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया है। पार्टी के समर्थकों पर सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की रैलियों के दौरान नारेबाजी कर उनके चुनाव अभियान को बाधित करने का आरोप है।

मिजोरम- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र ने भारत-म्यांमा सीमा पर बाड़ लगाने और मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) को समाप्त करने का फैसला किया है, क्योंकि सरकार देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। जयशंकर ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। फरवरी 2021 में सैन्य तख्तापलट के उपरांत म्यांमा से हजारों लोगों ने वहां से भागकर पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों, विशेषकर मिजोरम में शरण ली है।

हाथी प्रभावित इलाके में वोटिंग कराने की चुनौती

जशपुर। रायगढ़ लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले जशपुर में 7 मई को मतदान होना है। प्रशासन की तरफ से युद्ध स्तर पर मतदान की तैयारियां की जा रही है। लेकिन जशपुर जिला हाथी प्रभावित होने के कारण कुनकुरी विकासखंड के लोटापानी और अंबाचुंआ में मतदान में सुरक्षा को लेकर प्रशासन, वन विभाग और हाथी मित्र अलर्ट मोड पर हैं।

लोटापानी स्कूल में बना मतदान केंद्र- लोटापानी प्राथमिक स्कूल को 7 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए होने वाली वोटिंग के लिए मतदान केंद्र बनाए गए हैं। यहां 257 मतदाता है। लेकिन ये क्षेत्र पूरी तरह से जंगल से लगा हुआ हैं। आए दिन हाथी स्कूल के पास पहुंच जाते हैं। कुछ दिन पहले दो हाथी स्कूल के पास पहुंचे, स्कूल का बाउंड्रीवॉल तोड़ा और स्कूल परिसर में घूमते हुए आगे बढ़ गए। प्राथमिक स्कूल से ही लगा हुआ आंगनबाड़ी केंद्र भी हैं। जहां छोटे छोटे बच्चे पहुंचते हैं। स्कूल के स्टाफ ने बताया कि हाथी के आने का कोई समय नहीं हैं। अक्सर सुबह सुबह हाथी स्कूल के पास पहुंच जाते हैं। हाथी को लेकर काफी दहशत बनी रहती हैं।

प्रधानपाठक शाहीन नाज ने कहा लोटापानी बूथ हाथी प्रभावित होने के कारण असुरक्षित है। मतदान दल रात के

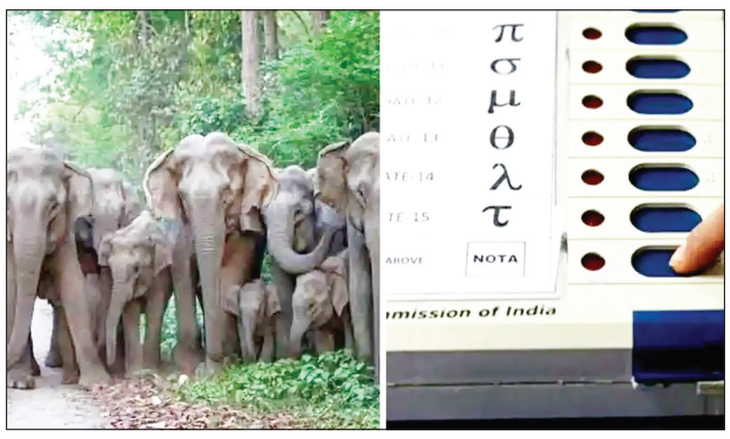

समय ठहरते हैं ऐसे में उन्हें खास सुरक्षा व्यवस्था देना जरूरी है। गुरुवार को भी दो हाथी प्राथमिक स्कूल के पास पहुंच गए थे।

कुनकुरी विकासखंड के अंबाचुंआ प्राथमिक स्कूल में भी 7 मई को होने वाले चुनाव के लिए मतदान केंद्र बनाया गया हैं। यहां कुल 394 मतदाता हैं। हाथियों के मामले में ये क्षेत्र काफी संवेदनशील माना जाता है। इस क्षेत्र में झारखंड और ओडिशा दोनों ही तरफ से हाथी आ धमकते हैं। वन विभाग को सूचना मिली है 30 से 35 हाथियों का दल अक्सर क्षेत्र में घूमता रहता हैं। बुधवार को भी वन विभाग को दो हाथियों के अंबाचुंआ स्कूल के आसपास दिखने के बारे में पता चला जिसके बाद टीम ने गश्ती बढ़ा दी हैं।

वन परिक्षेत्र अधिकारी एस के होता ने कहा हाथी का मूवमेंट अक्सर शाम को होता है। ऐसे समय में ग्रामीणों को वोटिंग के दिन शाम भी हो जाती है। ऐसे समय में जंगल से लगे मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था टाइट कर दी जाती है। ताकि मतदान दलों और ग्रामीणों को किसी तरह का नुकसान ना हो।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मागरेट मिंज ने कहा 30 से 35 हाथियों का झुंड अक्सर घूमता रहता हैं। हाथियों ने कई घरों को तोड़े हैं। कई लोगों को हाथी कुचल चुका है। लेकिन मतदान के दौरान वन विभाग और हाथी मित्र की तरफ से सुरक्षा मिलती है।

हाथियों की दहशत के बीच वोटिंग को लेकर प्रशासन की तैयारी- जशपुर कलेक्टर रवि मित्तल ने बताया कि हाथी प्रभावित बूथों पर प्रशासन और वन विभाग मिलकर काम कर रहा है। लोगों को ज्यादा से ज्यादा वोटिंग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हाथी दलों के जरिए हाथियों पर नजर रखी जा रही है। लोगों को आश्वस्त किया जा रहा है कि वह बिन डरे सुरक्षित माहौल में मतदान करें।

वन विभाग के अधिकारी जितेंद्र कुमार उपाध्याय ने बताया- जशपुर के 70 से 80 गांव हाथी प्रभावित क्षेत्र हैं। वन विभाग की तरफ से लोग जनजागरूक्ता अभियान चला रहे हैं। विधानसभा चुनाव की तर्ज पर लोकसभा चुनाव में भी काम किया जा रहा है। पुलिस विभाग और फॉरेस्ट मिलकर बूथ के 4 किलोमीटर के दायरे में 2 दिन पहले से तैनात रहते हैं। हाथी की लोकेशन देखकर डीएफओ को दिया जाता है। डीएफओ इसे एसपी और सुरक्षाकर्मियों को भेजते हैं जिसके बाद देखा जाता है कि हाथी और बूथ के बीच कितना अंतर हैं। हाथी के बारे में पता चलने पर हाथी मित्र दल और फॉरेस्ट विभाग की टीम हाथियों को जंगल की तरफ खदेड़ती है।

नक्सली अपने संगठन का मनोबल बढ़ाने के लिए बंद का करते रहते हैं आह्वान : सुंदरराज पी

■ **विगत तीन महीनों में 50 से अधिक नक्सलियों के मारे जाने के कारण लगातार बंद के आह्वान का जारी है सिलसिला**

जगदलपुर। नक्सल प्रभावित बस्तर लोकसभा सीट में पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को संपन्न होगा। यहां शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराना सुरक्षाबलों और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। लोकसभा चुनाव से पहले हुए मुठभेड़ों में जवानों ने कई दुर्दांत ईनामी नक्सलियों सहित 50 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है इसकी पुष्टि स्वयं नक्सली संगठन के केंद्रीय कमेटी के मध्य रीजनल ब्यूरो के प्रवक्ता प्रताप ने बीते दिन प्रेस नोट जारी कर पिछले 3 माह में पुलिस के साथ हुए अलग-अलग मुठभेड़ों में 50 नक्सलियों के मारे जाने की बात स्वीकार की है। इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने से बौखलाए नक्सलियों ने 15 अप्रैल को बस्तर, छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और ओडिशा में भी बंद का आह्वान किया है। वहीं पुलिस व फोर्स लगातार सर्चिंग कर रही है। ऐसे में देखा जाना बाकी है कि बस्तर में 15 अप्रैल को नक्सलियों द्वारा बुलाया गया बंद कितना सफल-असफल होता है।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने 50 नक्सलियों के मारे जाने के नक्सली संगठन के स्वीकोरोक्ति पर बताया कि 1 जनवरी 2024 से अब तक बस्तर संभाग में हुए अलग-अलग मुठभेड़ों में 48 से अधिक नक्सलियों के शव बरामद किया गया है। साथ ही अन्य मुठभेड़ों में शव बरामद नहीं किए जा

सके, लेकिन नक्सलियों ने मुठभेड़ में मौत की बात स्वीकार की है। जैसे टेकलगुड़ा और धर्मावराम के मुठभेड़ों में नक्सलियों के शव बरामद नहीं हुए थे। उन्होने कहा कि विगत तीन माह में हुए मुठभेड़ों में नक्सलियों को बड़ा नुकसान हुआ है, इससे नक्सलियों के कैडरों में काफी विपरीत असर देखने को मिल रहा है जिसके परिणाम स्वरूप बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं।

बस्तर आईजी ने बताया कि जब भी नक्सलियों के कमजोर पडऩे की बात उजागर होने लगता है, तब अपने संगठन का मनोबल बढ़ाने के लिए समय-समय पर बस्तर बंद करने का आव्हान करते हैं। इसी कड़ी में 15 अप्रेल को बंद का आह्वान किया गया है लेकिन अब नक्सलियों के बंद का समर्थन स्थानीय नागरिकों की ओर से नहीं किया जा रहा है। उन्होने कहा कि विगत तीन महीनों में 50 से अधिक नक्सलियों के मारे जाने के कारण नक्सली लगातार बस्तर बंद का आह्वान कर रहे हैं। नक्सल प्रभावित अंदरूनी इलाकों में सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है, ताकि नक्सलियों के नापाक मंसूबो को विफल कर आम नागरिकों की सुरक्षा की जाए। बस्तर आईजी ने बस्तरवासियों से अपील की है कि कोई भी नक्सलियों के बंद को समर्थन ना करें, सभी अपना काम करें, दुकानें खोलें, क्योंकि बस्तर पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए तैनात है।

चूहे और धूप से सरकार को करोड़ों का चूना

कोरिया। धान खरीदी केंद्रों में जमा धान अब सहकारी समितियां के लिए मुसीबत बन गया है। समिति केंद्रों में लगभग तीन लाख क्विंटल धान खुले में पड़ा है। यहां लगातार चूहों और मौसम से हो रहे नुकसान की भरपाई समिति केन्द्र भरने को मजबूर हैं।

चार फरवरी को छत्तीसगढ़ में धान खरीदी खत्म हुई थी। खरीदी बंद होने के लगभग 2 महीने के भीतर ही समिति केंद्रों से धान उठाव करना होता है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। खरीदी बंद होने को लगभग तीन महीने होने को लेकिन अब तक केंद्रों में धान खुले में रखा हुआ हैं। धूप, गर्मी, बेमौसम बारिश से एक तरफ धान को नुकसान हो रहा है तो दूसरी तरफ बोरियों में रखे धान के वजन में कमी भी आने लगी है। जिले के 22 केंद्रों में से अधिकांश में धान रखा है। खरीदी के समय केंद्र प्रभारी अधिकतम 17 प्रतिशत फसल में नमी की मात्रा के साथ खरीदी करते हैं। तेज धूप व गर्मी से नमी 17 प्रतिशत से घटकर 14 से 15 तक पहुंच जाती है। इससे प्रति बोरी 1 से डेढ़ किलो तक वजन में कमी आ जाती है। मौसम और चूहों के कारण हो रहे नुकसान से समिति प्रबंधक परेशान है। समिति प्रबंधकों का कहना है कि हर बोरी में लगभग 2 किलो वजन की कमी आ रही है। धान रखने के लिए दी गई बोरी का वजन आधा किलो रहता है लेकिन धान उठाते समय बोरी का वजन 650 ग्राम काट लिया जाता है। यानी प्रति बोरी 150 ग्राम का नुकसान केंद्र प्रभारी को होता है। समिति प्रबंधकों ने पहले भी शासन प्रशासन

को पत्र लिखकर धान उठाव करने की मांग की। लेकिन धान उठाव नहीं होने से नुकसान हो रहा है। जबकि नियमों के तहत खरीदी के 72 घंटे के अंदर धान का उठाव हो जाना चाहिए लेकिन धान उठाव नहीं होने से धान शॉर्टज की समस्या आ रही है।

समिति प्रबंधक अध्यक्ष अजय साहू ने कहा धान बर्बाद हो रहा है। गर्मी और बारिश दोनों से धान का नुकसान हो रहा है। चूहे और सूखत से बोरे में डेढ़ से 2 किलो वजन कम हो रहा है।

समिति प्रबंधक ने कहा धौराकुटरा समिति में 47820 क्विंटल धान खरीदा गया था। जिसमें से 37800 क्विंटल धान का उठाव किया गया हैं। इस समय 9928 क्विंटल धान समिति में बचा हैं। समय ज्यादा हो गया हैं। जिससे धान के वजन में कमी आ रही है। समिति को ज्यादा नुकसान हो रहा है।

जिला प्रशासन का कहना है कि ज्यादातर केंद्रों से धान का उठाव हो चुका हैं। करीब 27 प्रतिशत धान ही खुले में पड़ा है। लगातार शासन से बात करने के बाद अंतरराज्यीय डीओ कटना शुरू हो गया है। मिलर्स के जरिए धान उठाव में तेजी लाई जाएगी।

इलाहाबाद की 8 महिलाओं के गिरोह को सिविल लाइन पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ **शिव महापुराण कथा में महिलाओं के गहने चुराने पहुंची थी**

बिलासपुर। कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा की बिलासपुर में होने वाली शिव महापुराण कथा में महिलाओं के गहने चुराने के इरादे से उत्तरप्रदेश के इलाहाबाद के झुसी थाना इलाके के सिघरा से 8 महिलाओं का गैंग पहुंचा था। पं. मिश्रा के घायल हो जाने के कारण कार्यक्रम रद्द हो गया। इसके बाद महिलाएं शहर में घूम-घूमकर चोरियां करने लगीं। पुलिस ने इन 8 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिलाओं में बिंदु देवी (35 वर्ष), रीता देवी (40 वर्ष), पूजा देवी (30 वर्ष), प्रीति देवी (22 वर्ष), अनिता देवी (25 वर्ष), सविता देवी (21 वर्ष), शालू (19 वर्ष) और आरती कुमारी (25 वर्ष) शामिल हैं।

साकेत अपार्टमेंट के पास जयपाल टावर्स की एक महिला ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि दोपहर 1.15 बजे उसने अग्रसेन चौक से शेयर ऑटो पकड़ा। थोड़ा आगे काली साड़ी पहनी एक महिला और उसके कुछ साथी बस स्टैंड जाने के लिए ऑटो में सवार हुए। उनमें से एक ने उसके पैर को पंजे से दबाकर ध्यान भटकाया और दूसरे ने उल्टी करने का बहाना किया। उन्होंने ध्यान भटकाया और गले से 17 ग्राम वजनी सोने का चेन पार कर दिया।

जब वह ऑटो से उतरकर एक दुकान पहुंची तो उसे अपना चेन गायब होने का पता चला। इसी प्रकार चड्डा बाड़ी नेहरू नगर की एक महिला के साथ ही एक दूसरे ऑटो रिक्शा में पंजे से पैर दबाकर ध्यान भटकाने के बाद 22 ग्राम सोने का चेन चुरा लिया गया। उक्त घटनाओं की सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस को आशंका हुई कि बाहर से आया महिलाओं का कोई गिरोह इन घटनाओं को अंजाम दे रहा है। एक संदेही बिंदू को बस स्टैंड से हिरासत में लिया गया। उसके आसपास गिरोह की दूसरी महिलाएं भी थीं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे पं. प्रदीप मिश्रा के कार्यक्रम में महिलाओं के गहने चुराने की योजना बनाकर वे यूपी से यहां आई थीं। मगर, यहां आने पर उनको मालूम हुआ कि कार्यक्रम रद्द हो गया है। इसके बाद वे ठसाठस भरी ऑटो रिक्शा में सवार होकर महिलाओं के गहने चुराने के लिए रुक गई। एक दो दिन बाद वे वापस जाने वाली थीं, पर इस बीच पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

मिलेट और प्रोटीन युक्त ग्रेनोला बार के उपयोग से जशपुर में बनेगा एनर्जी बार कुकीज

जशपुरनगर। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान, कुंडली सोनीपत ने कृषि विभाग, जशपुर को माल्टेड फॉक्सटेल मिलेट और मसूर की दाल और प्रोटीन युक्त ग्रेनोला बार का उपयोग करके एनर्जी बार कुकीज निर्माण के लिए दो तकनीक का हस्तांतरण किया है।

किसी भी राष्ट्रीय संस्थान द्वारा इस तरह के उत्पाद तकनीकी का हस्तान्तरण जशपुर जिले को पहली बार किया गया है।

कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने इसे जशपुर के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए जिलेवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मिलेट और प्रोटीन युक्त ग्रेनोला बार के उपयोग से एनर्जी बार कुकीज निर्माण द्वारा न सिर्फ महिला स्व-सहायता समूहों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में यह बहुत महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगा। एनआईएफटीएम, कुंडली, सोनीपत द्वारा कृषि विभाग, जशपुर को यह तकनीक पांच वर्षों के लिए दी गई है।

जय जंगल फार्मर्स प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड के संस्थापक समर्थ जैन ने बताया कि किसी भी राष्ट्रीय संस्थान द्वारा जशपुर जिले को इस तरह के उत्पाद तकनीकी हस्तांतरण पहली बार किया गया है, हम इन उत्पादों में महुआ और मिलेट्स जोडने के लिए काम करेंगे, साथ ही आदिवासी महिला समूह की सदस्यों को ट्रेनिंग के लिए सोनीपत स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान भेजा जाएगा ताकि वे एनर्जी बार कुकीज बनाने की तकनीक को अच्छी तरह समझ सकें।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

एक लाख का ईनामी नक्सली व 2 फरार नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान एवं वारंटियों के विरूद्ध कार्यवाही में थाना फरसेगढ़ एवं छसबल 13/ई कंपनी की संयुक्त कार्यवाही में एमसीपी के दौरान सागमेटा से एक लाख का ईनामी डीएज़ेएमएस अध्यक्ष जोगी पूनेम पिता मासा राम पूनेम निवासी कोकेरगुटटा हाल ओडसनपल्ली थाना फरसेगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। एक अन्य मामले में थाना तोयनार एवं छसबल 19 वाहिनी की संयुक्त कार्यवाही में लम्बे समय से फरार दो नक्सलियों कामैया पिता राम किस्टू ग्राम मोरमेड़ थाना तोयनार एवं मंगलू गोड़ पिता गुज्जा गोड़ निवासी तुमनार थाना बीजापुर को गिरफ्तारकिया गया है। कामैया के विरूद्ध थाना तोयनार में 2 एवं मंगलू के विरूद्ध 1 स्थाई वांरट थाना में लंबित है। गिरफ्तार एक लाख का ईनामी नक्सली जोगी पूनेम संगठन में सक्रिय रूप से कार्यरत था एवं प्रतिबंधित नक्सली संगठन के लिए बैनर पोस्टर लगाने, क्षेत्र में आइईडी लगाने, ग्रामीणों को मीटिंग में शामिल करने, क्षेत्र के युवक-युवतियों को नक्सली प्रशिक्षण के लिये उत्प्रेरित करने जैसे कार्य करता था।

आग लगने से घर का सारा सामान जलकर राख

कोरबा। कोरबा शहर में आग लगने की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। गर्मी की शुरुआत होने के साथ ही आग लगने का जो दौर शुरु हुआ था वो अब भी जारी है। शुक्रवार की सुबह बुधवारी बस्ती स्थित एक मकान में आग लग गई। आग कैसे लगी इस बात का पता नहीं चल सका है। आग को बुझाने के लिए लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी,सूचना देने के करीब आधे घंट बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक लोगों ने अपने प्रयास से आग पर काबू पा लिया था। कोरबा के बुधवारी बस्ती में शुक्रवार की सुबह उस वक्त अफरा-तफरी की स्थिती निर्मित हो गई,जब कलेश्वरी सिदार नामक महिला के घर पर आग लग गई। आग कैसे और क्यों लगी इस बात का पता नहीं चल सका है। घर से धुआं उठता देख लोग हरकत में आए और दमकल विभाग को सूचित किया, लेकिन दमकल विभाग की टीम समय पर मौके पर नहीं पहुंची,लिहाजा लोगों ने अपने प्रयास से ही आग पर काबू पा लिया। करीब आधे घंटे तक मशक्कत करने के बाद आग को बुझाया जा सका।

चलती गाड़ी में शॉर्ट सर्किट से अचानक लगी आग

कोरबा। कोरबा में कटघोरा अंबिकापुर मार्ग पर लगातार हादसों का दौर जारी है। शुक्रवार की सुबह जेंजरा मुख्य मार्ग पर जहां एक चलती बोलेरो वाहन में शॉर्ट सर्किट के चलते भीषण आग लग गई। देखते ही देखते बोलेरो वाहन धू-धू कर जलने लगा। किसी तरह वाहन का चालक और उसका एक अन्य साथी ने खुद कर अपनी जान बचाई नहीं तो बड़ी घटना घट सकती थी। इस घटना के बाद देखते हैं देखते राहगीरों के भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना कटघोरा पुलिस और दमकल वाहन को दी गई। जहां दमकल वाहन के आने से पहले ही वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था।

कलेक्टर ने मतदाताओं को किया जागरूक

कोरबा। रायगढ़ जिले की सीमा से लगे कोरबा ब्लॉक के दूरस्थ एवं अंतिम छोर के ग्राम पंचायत अमलडीहा के आश्रित ग्राम बलसेंधा और मालीकछार में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत ने ग्रामीण मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप की गतिविधियां संचालित करने चयन किया था। आज स्वीप के कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने और दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों को मतदान हेतु प्रेरित करने कलेक्टर श्री वसंत लगभग डेढ़ किलोमीटर तक पगडंडियों तथा कच्चे रास्तों से होकर पैदल चले। कलेक्टर ने स्वीप अंतर्गत ग्रामीण मतदाताओं को मतदान के महत्व को बताते हुए उन्हें अपने पसंद के प्रत्याशियों को मत देने की अपील की। कलेक्टर ने कहा कि लोकतंत्र के निर्माण में सभी का मत महत्वपूर्ण होता है। हम सभी मतदान में जितनी अधिक संख्या में भागीदारी देंगे, हमारा लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। उन्होंने मतदाताओं को किसी प्रकार के प्रलोभन से दूर रहकर मतदान करने की अपील की।

मधुमक्खियों के हमले से 12 लोग घायल

सूरजपुर। दशगात्र कार्यक्रम के दौरान उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब नहाने तालाब गए लोगों पर मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया।

मधुमक्खियों के हमले 12 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को जिला चिकित्सालय सूरजपुर में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज जारी है। यह घटना सूरजपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के बड़कापारा की है। मिली जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में नाबालिग सहित 12 लोग घायल हुए हैं। वहीं एक बुजुर्ग की हालत नाजुक है। उनका भी इलाज जारी है। बता दें कि कुछ दिन पहले भी अंतिम संस्कार करने के लिए पहुंचे लोगों पर मुक्तिधाम में मधुमक्खियों ने हमला कर दिया था। इस दौरान लोगों ने पानी में कूदकर अपनी जान बचाई थी।

बस्तर में पिछले दो दशकों के मुकाबले हिंसा घटी

■ **मार्क्स के दर्शन पर भारी पड़ रही 'सास-बहू की साजिश', खामोशी से हुई एक 'सांस्कृतिक क्रांति'**

जगदलपुर। भले ही नक्सली वारदातें अब भी सामने आती रहती हों, मगर बस्तर में पिछले दो दशकों के मुकाबले हिंसा घटी है। सख्त सुरक्षा उपायों के समानांतर खामोशी से घटी 'सांस्कृतिक क्रांति' ने भी इलाके में नक्सली हिंसा कम करने में अहम भूमिका निभाई है। भीतरी इलाकों में घूमते हुए इस तथ्य को गहराई से महसूस किया जा सकता है।

जिला मुख्यालय जगदलपुर देश के किसी भी आम शहर जैसा ही लगता है। औसत से बेहतर सड़कें, उन पर दौड़ती छोटी-बड़ी तमाम गाड़ियां, विभिन्न शोरूमों में मौजूद ब्रांडेड कपड़े और दूसरे जरूरत के सामान इसे भारत के नक्शे का एक आम

शहर बनाते हैं, हालांकि जिला मुख्यालय से 30-40 किलोमीटर आगे सुकमा और बीजापुर जैसे उन इलाकों, जिन्हें नक्सल प्रभावित कहा जाता है, आगे बढ़िए तो भी हालात बहुत भिन्न नहीं है।

जिले में हो रहे सामाजिक बदलावों पर नजर रखने वाले महेश लूनिया कहते हैं, 20-25 साल पहले इलाके में आए टीवी और मोबाइल ने सब बदल दिया है। सास-बहू की साजिश रंग ला चुकी है। इलाके की लड़कियों को एकता कपूर के सीरियलों का ऐसा चस्का लगा कि नक्सलियों की वर्ग संघर्ष की बात बेमानी लगने लगी। घर में भात न हो तो चलेगा, टीवी-मोबाइल जरूर चाहिए। कस्बों में गली-गली कुकुरमुत्ते की तरह उगे ब्यूटी पार्लर उनकी इस बात की तस्दीक करते हैं।

नक्सल प्रभावित इन इलाकों के लिए विपन्नता का जो अक्स दूर बैठकर जेहन में उभरता है, तस्वीर उससे अलग है। हर हाथ में मोबाइल, बहुतायत में दोपहिया वाहन और घरों में टीवी सामान्य बात है। सामान्य से रेस्त्रां के मीनू कार्ड में अगर आपको वर्जिन मोजैटो, किवी डिलाइट और लैमन सरप्राइज जैसी डिश दिख जाएं तो आश्चर्य करने की जरूरत नहीं है। लोगों की स्थानीय बोली हावी जरूर है, मगर मानसिकता किसी भी आम कस्बाई नागरिक से भिन्न नहीं।

आदर्शवादी नहीं रहे नक्सली

पत्रकार देव सरन तिवारी नक्सली हिंसा कम होने का एक और कारण गिनाते हैं। वह कहते हैं, सर्वहारा क्रांति की बात करने वाले नक्सली अब इतने आदर्शवादी नहीं रह गए हैं। उन्हें पता है कि अफसरशाही उनका डर दिखाकर सरकार को किस कदर लूट रही है। दुनिया को भले लगे कि मदारी, भालू को पाल रहा है, मगर हकीकत में मदारी को पता होता है कि भालू उसे पाल रहा है। अगर कहीं यह बात भालू को समझ आ जाए तो मदारी की दुकान बंद होना तय है। यही बस्तर में हुआ है। नक्सलियों को अफसरों की कारगुजारियां समझ में आ गई हैं। अब वह सरकारी इमदाद में अपना हिस्सा मांगने लगे हैं। मजबूरी में अफसरों को अपनी लूट कम करनी पड़ी है, जिसके नतीजे में सरकारी योजनाओं का लाभ गरीबों तक पहुंचा है।

पंडरिया के तालाब में मरी मिली सैकड़ों मछलियां, मचा हड़कंप

कबीरधाम। पंडरिया के तालाबों का पानी प्रदूषित होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ी गई है। तालाब की सैकड़ों मछलियां मरने लगी हैं। मछलियों की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने तालाब का पानी उपयोग करना बंद कर दिया है। गर्मी के दिनों में वैसे ही पानी की किल्लत रहती है। ऐसे में तालाब के प्रदूषित होने से लोगों की समस्या और बढ़ गई है।

पंडरिया नगर के दुर्जाबान्द तालाब और बांधा तालाब के आसपास बस्ती है। जिसमें रहने वाले लोगों के घरों से निकलने वाला सेप्टिक टैंक और बाथरूम का गंदा पानी तालाब में जाता है। इस वजह से तालाब का पानी प्रदूषित हो गया है। अब स्थिति यह है कि तालाब की मछलियां मरने लगी हैं। गुरुवार को बड़ी संख्या में मछली मर कर तालाब के पानी की सतह पर आने लगी। यह देखकर स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। लोग तालाब के पानी का उपयोग करने से डर रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया, पहले शहर में आठ से ज्यादा तालाब था। नगर के लोग नहाने, कपड़े धोने और जानवरों को पानी पिलाने के लिए इन तालाबों के पानी का उपयोग करते थे। काफी मात्रा में तालाब होने से शहर का जल स्तर भी बेहतर था। लेकिन स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के चलते तालाब एक-एक कर सूख रहे हैं। अब शहर में सिर्फ दो ही तालाब बचे हुए है।

स्थानीय निवासी ने कहा प्रदूषित होने से तालाब का पानी उपयोग करना संभव नहीं है। प्रशासन जल्द ही तालाब को बचाने कोई पहल नहीं करेगा तो बहुत जल्द यह तालाब भी अपनी अस्तित्व खो देगा। फिर नगर में एक भी तालाब नहीं बचेगा।

वार्डवासियों की शिकायत पर पंडरिया नगर पालिका के सीएमओ शुक्रवार को मौके पर पहुंचे। पंडरिया नगर पालिका सीएमओ कोमल ठाकुर ने बताया, तालाब में मछली मरने की सूचना पर अपनी टीम के साथ मौके पर गया था। पता चला कि तालाब के आसपास रहने वाले लोग अपने मकान का गंदा पानी तालाब में गिरा रहे हैं। इस वजह से तालाब गंदा हुआ है और मछली मरने लगी है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में बनी अंग्रेजी शराब की छत्तीसगढ़ में सप्लाई, साढ़े 14 लाख का वाइन जब्त

रायपुर। रायपुर जिले के खमतराई थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चारपहिया गाड़ी में एक व्यक्ति अपने वाहन में अवैध रूप से शराब लेकर खमतराई की ओर जा रहा है। इस पर पुलिस ने आरोपी की खोजबीन कर वाहन की पतासाजी करते हुए व्यक्ति को भनपुरी बस स्टैंड पास पकड़ा गया। कार में सवार व्यक्ति ने अपना नाम जितेन्दर पाल सिंह बताया। इस दौरान पुलिस ने चारपहिया वाहन की तलाशी ली। कार की तलाशी लेने पर वाहन में अंग्रेजी शराब पाया गया। शराब परिवहन बिक्री करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग की गई। इस पर शराब तस्कर के पास कोई दस्तावेज नहीं था। मौके पर आरोपी जितेन्दर पाल सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दस पेटी पंजाब राज्य से निर्मित अंग्रेजी शराब जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी से शराब के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी ने शराब को पंजाब से लाना बताया। पुलिस के पूछताछ में आरोपी ने शराब को दुर्ग जिला के अमलेश्वर स्थित एक दुकान में भंडारण करके रखा हुआ था। साथ ही अलग-अलग जगहों पर अवैध रूप से सप्लाई करता था। वहीं खमतराई पुलिस और अमलेश्वर पुलिस की ओर से आरोपी के बताए गए अड्डे पर जाकर छापेमारी की। साथ ही वहां से पुलिस ने 22 पेटी अंग्रेजी शराब की बोतल जब्त किया है।

776 करोड़ के शराब घोटाले के आरोप में पूर्व आईपीएस अधिकारी बिहार से गिरफ्तार

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में छत्तीसगढ़ की एसीबी टीम ने पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है। वह जनवरी महीने से फरार चल रहे थे। छत्तीसगढ़ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बिहार पुलिस की मदद से गोपालगंज के भोरे थाना क्षेत्र के सिसई गांव में छापेमारी की। इसके बाद पूर्व आईपीएस अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। गोपालगंज के एसपी स्वर्ण प्रभात ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी प्रकाश पति त्रिपाठी के पुत्र अरुणपति त्रिपाठी छत्तीसगढ़ में अबकारी विभाग के पूर्व विशेष सचिव रह चुके हैं। उनपर नौकरी में रहते हुए 776 करोड़ का शराब घोटाला करने का आरोप लगा है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि छत्तीसगढ़ में अबकारी विभाग के पूर्व विशेष सचिव रहे अरुण पति त्रिपाठी पर शराब घोटाला का मामला दर्ज है।

एक कॉम्पलेक्स के 12 दुकानों का टुटा ताला, सभी के गल्ले से नगदी लेकर फरार

रायपुर। राजधानी रायपुर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहा है। चोर सूने मकान, कॉम्प्लेक्स और दुकानों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे ही एक शातिर चोर ने पगारिया कॉम्पलेक्स स्थित 12 दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। आरोपी आदतन चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले भी कई प्रकरणों में जेल जा चुका है। प्रार्थी अमर परचानी ने थाना देवेन्द्र नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह पगारिया कॉम्पलेक्स पंडरी में प्रिंटर्स का दुकान है। दुकान को रात में बंद करके घर चले गए। वहीं सुबह दुकान आकर देखा तो दुकान का ताला टुटा हुआ था। साथ ही गल्ला में रखे नगदी रकम भी गायब था। ऐसे ही शातिर चोर ने 12 दुकानों के ताला तोड़कर नगदी रकम लेकर फरार हो गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी की खोजबीन की। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले गए। इस दौरान आरोपी के संबंध में पुलिस को सूचना मिली। राजातालाब नई बस्ती निवासी ईजहान खान जो पहले भी चोरी के प्रकरणों में जेल जा चुका है। साथ ही उसे घटना स्थल के आसपास देर रात्रि संदिग्ध हालत में देखा गया था। पुलिस ने ईजहान खान की पतासाजी कर उसे पकड़ा। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने चोरी की घटना को अंजाम देना बताया। इस पर आरोपी ईजहान खान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की नगदी रकम 7 हजार 330 रुपये जब्त किया गया। आरोपी ईजहान खान आदतन चोर है।

दादा नकुल देव के दिखाए गए मार्ग पर चलकर हमें जनसेवा करना है : साय

■ **नकुल देव ढीढी जी की 110वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री**

महासमुंद। गुरु घासीदास जयंती की शुरुआत करने वाले, पृथक छत्तीसगढ़ राज्य के लिए प्रथम सत्याग्रह करने वाले दादा नकुल देव ढीढी जी की 110वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। महासमुंद के तुमगांव में आयोजित कार्यक्रम में श्री साय ने दादा नकुल देव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि दी।

अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती की शुरुआत करने वाले दादा नकुलदेव ढीढी जी की जयंती पर उनको सादर नमन, विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। उन्होंने कहा कि एक छोटे से गांव के रहने वाले दादा नकुल देव ने समाजसेवा और लोकहित के लिए अपना जीवन समर्पित किया। समाज को निस्स्वार्थ भाव से अपने 150 एकड़ जमीन को दान कर दिया। ऐसे व्यक्ति बहुत विरले ही मिलते हैं। उनके बताए मार्गों पर चलकर हम सबको समाजसेवा करना है, उनकी जयंती मनाने की यही सार्थकता है।

मुख्यमंत्री ने बाबा घासीदास को नमन करते हुए कहा कि बाबा घासीदास 18वीं सदी के महान संत थे। एक समय जब देश में छुआछूत और भेदभाव चरम पर था, उस समय बाबा गुरु घासीदास का जन्म हुआ, जिन्होंने मनखे-मनखे एक समान का संदेश देते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों और बुराइयों को मिटाने का महती काम किया। ऊंच-नीच, भेदभाव को खत्म किया। उन्होंने कहा कि 18 दिसंबर को हम सब जो बाबा जी की जयंती मनाते हैं, उनकी शुरुआत दादा नकुल देव ढीढी ने की थी। आज छत्तीसगढ़ के 3 करोड़ लोग बाबा के संदेशों को आत्मसात कर आगे बढ़ रहे हैं।

श्री साय ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ खनिज सम्पदा, वन सम्पदा से परिपूर्ण है। यहाँ की धरती-माटी उपजाऊ है, यहाँ के किसान मेहनती हैं। इसलिए हम सब मिलकर विकसित छत्तीसगढ़ बनाएँगे। आज जो मुझे ये बड़ा दायित्व मिला है, उसका अच्छे से निर्वहन करूँ। ये आशीर्वाद बाबा गुरु घासीदास जी, दादा नकुलदेव ढीढी जी से लेने आया हूँ और आप सभी से सहयोग मांगने आया हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मात्र 3 महीने में ही हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के सभी प्रमुख वादे को प्रमुखता से पूरा किया है। किसान और महिलाओं के लिए हमारी सरकार ने अच्छे काम किये। मोदी जी की सोच है कि 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना है। अपने 10 वर्षों के शासनकाल में उन्होंने भारत की आर्थिक स्थिति को सुधारते हुए 11वें स्थान से 5वें स्थान पर लाया है। इसलिए विकसित भारत बनाने में हमारे छत्तीसगढ़ का भी पूरा सहयोग हो, इसकी मांग मैं आप सभी से करता हूँ। कार्यक्रम में मंत्री दयालदास बघेल, मंत्री टंकराम वर्मा, लोकसभा प्रत्याशी रूपकुमारी चौधरी, विधायक पुरंदर मिश्रा एवं योगेश्वर राजू सिन्हा, सांसद चुन्नीलाल साहू, पूर्व विधायक पूनम चंद्राकर, संजय ढीढी एवं विमल चोपड़ा, भाजपा नेत्री सरला कोसरिया, राशि महिलांग, त्रिभुवन महिलांग, वीरेंद्र कुमार ढीढी सहित अन्य पदाधिकारी और समाज जन उपस्थित थे।

राधिका खेरा ने मंत्री केदार कश्यप को दी च्यवनप्राश खाने की सलाह

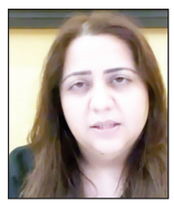

रायपुर। मंत्री केदार कश्यप के कांग्रेस पर लगाए गए गंभीर आरोपों पर पार्टी प्रवक्ता राधिका खेरा ने पलटवार करते हुए उन्हें च्यवनप्राश खाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि केदार कश्यप अपनी पार्टी का इतिहास और वर्तमान दोनों भूल रहे हैं। वो भूल रहे हैं कि राष्ट्रवाद की आड़ में बीजेपी देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रही है।

कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेरा ने वीडियो संदेश के जरिए कहा कि केदार कश्यप को याद दिला दूं बीजेपी ने 1999 में मसूद अहजर को छोड़ने का काम करने इनकी पार्टी ने किया। जिसने आगे जाकर इतना पड़ा आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद बनाया जिसने मुंबई अटैक किया। वे ये भी भूल रहे हैं इनके आईटी सेल के सदस्य ध्रुव सक्सेना के साथ 11 लोग और पकड़े गए जो आईएसआई के लिए काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2017 में इनकी पार्टी के असम के बड़े नेता निरंजन भोजई उसके एनआईओ कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई, क्योंकि हजार करोड़ से ज्यादा रकम आतंकी संगठन को देने का काम किया। इसके अलावा पुलवामा अटैक में इस्तेमाल किए गए 300 किलो आरडीएक्स हमारे देश में आया, उस पर आज तक कोई जांच नहीं की। दरअसल, केदार कश्यप ने बस्तर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा के बयानों के आधार पर कांग्रेस पर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि इससे पार्टी का वास्तविक चेहरा सामने आ गया है। कांग्रेस प्रत्याशी के ऊलजलूल बयानों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कांग्रेस नेता पाकिस्तानियों के साथ और खालिस्तानियों के साथ खड़े नजर आते हैं। इनके नेता नक्सलियों के साथ भी खड़े नजर आते हैं। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस की राज्यसभा सांसद नक्सलियों को अपना भाई बताती हैं, तो वहीं इनके दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह नक्सलियों से समर्थन देने की अपील करते हैं। इसके अलावा ऐसे कई उदाहरण हैं जो यह साबित करने के लिए काफी हैं कि कांग्रेसियों के संबंध संदेहात्मक हैं और इसलिए इनके बयान से किसी साजिश का अंदेशा होता है।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट का बस्तर दौरा

राहुल गांधी के कार्यक्रम की तैयारियों का लेंगे जायजा

रायपुर/जगदलपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट शुक्रवार से दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। पायलट दोनों दिन जगदलपुर और बस्तर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान प्रभारी लाल बहादुर शास्त्री मैदान का निरीक्षण करेंगे। साथ ही पहले चरण के मतदान के लिए चुनावी प्रचार की समीक्षा के साथ ही राहुल गांधी के दौरे को लेकर की गई तैयारियों का जायजा लेंगे।

माना जा रहा है कि पीसीसी प्रभारी राहुल गांधी की सभा को सफल बनाने दो दिनों तक केवल बस्तर में ही रहेंगे। इस दौरान वे राहुल की सभा की तैयारियों की मॉनिटरिंग तो करेंगे साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात के अलावा कई समाजों के प्रमुखों के साथ बैठक भी करेंगे। प्रभारी बनने के बाद पायलट का यह पहला बस्तर दौरा रहेगा। इसे लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है।

बताया जा रहा है राहुल गांधी की सभा वाले दिन वे बस्तर विधानसभा में आयोजित सभा में शामिल होंगे। इसके अलावा कार्यकर्ताओं से मुलाकात और बैठकें जगदलपुर में ही आयोजित होंगी। इधर राहुल गांधी के बस्तर दौरे में उनकी सभा के साथ-साथ आदिवासी समाज प्रमुखों से मुलाकात की प्लानिंग की जा रही है। इसके लिए एक ब्लू प्रिंट तैयार किया गया है। कांग्रेसी कोशिश कर रहे हैं कि आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों की मुलाकात राहुल से सीधे हो जाए और राहुल उनसे वन टू वन चर्चा भी कर लें।

राहुल सामाजिक न्याय के पक्षधर, भाजपा के राज में आर्थिक असमानता बढ़ी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी सामाजिक न्याय के पक्षधर है, हर वर्ग के साथ न्याय की बात करते है। भाजपा सिर्फ कुछ पूंजीपतियों की चिंता करती है। भाजपा के राज में आर्थिक असमानता बढ़ी है। आरक्षित वर्गों को उनके अधिकार से वंचित रखा गया है। आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी मूलत आरक्षण विरोधी है, अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और महिला विरोधी है। भाजपा के फोकस में केवल अपने चंद पूंजीपति मित्रों का मुनाफा है, जब-जब भाजपा की सरकार आती है शोषित, पीड़ित, वंचित और पिछड़ों का हक छीनने का काम करती है। एक तरफ जहां केंद्र की मोदी सरकार ने वन अधिकार अधिनियम में संशोधित करके स्थानीय आदिवासियों को जल जंगल जमीन के अधिकार से वंचित किया है वहीं अपने मित्रों के लाभ के लिए देश में पहली बार कमर्शियल माइनिंग शुरू करवाई, अति महत्वपूर्ण जैव विविधता के क्षेत्रों में नो गो एरिया को संकुचित करके माइनिंग की अनुमति दी है। भाजपा और मोदी सरकार की प्राथमिकताओ में ना जनता है, ना ही पर्यावरण। छत्तीसगढ़ में 76 प्रतिशत आरक्षण विधेयक, जिसमें आदिवासी समाज के लिए 32 प्रतिशत और ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान जो छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने किया था, उसे राज भवन में बंधक बनाने का काम भाजपा के इशारे पर किया गया है। भारतीय जनता पार्टी के नेता बताएं कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी और पिछड़ा वर्ग के लोगों से आखिर किस बात का बदला ले रही है मोदी सरकार?

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि सामाजिक न्याय कांग्रेस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का वादा है कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर सामाजिक रूप से वंचित लोगों के लिए देशभर में हिस्सेदारी न्याय योजना लागू की जाएगी। मोदी के कुशासन में जो असमानताए बढ़ी है। विगत दस वर्षो के मोदी राज में जो उपेक्षा और प्रताड़ना पिछड़ी, वंचित, पीड़ित और शोषित वर्गों ने भोगा है, देश में कांग्रेस की सरकार आने के बाद उसका अंत होगा। राष्ट्रव्यापी आर्थिक सामाजिक जाति जनगणना कराया जाएगा, जिसके माध्यम से जाती, उपजातियां और उनकी आर्थिक सामाजिक स्थिति का पता लगाया जाएगा। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर उनकी स्थिति और आवश्यकता के अनुरूप सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। न केवल अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को भी बिना भेदभाव के अवसर मिलेंगे। महिला आरक्षण को लेकर जो उड़ेंगे केंद्र की मोदी सरकार ने दुर्भावना पूर्वक लगाए हैं वह भी खत्म किया जाएगा देश में नियमित जनगणना की परंपरा फिर से शुरू होगी।

रामदास अठावले ने शायराना अंदाज में किया राहुल पर हमला

■ **बोले- जिनको देश के लोकसभा चुनाव का नहीं है मालूम, उनका नाम है राहुल**

रायपुर। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने आज राजधानी रायपुर में प्रेसवार्ता की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने शायराना अंदाज में कहा कि जिनको देश के लोकसभा चुनाव का नहीं है मालूम, उनका नाम है राहुल। जहां की जनता उखाड़ कर फेंक दी कांग्रेस का जड़, उसका नाम है छत्तीसगढ़।

रामदास आठवले ने छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों पर बीजेपी के पूर्ण समर्थन की घोषणा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आरोप लगाती है कि ईडी से कार्रवाई करवाई जाती है। जेल भेज रहे हैं। मैं बता दूंज्नरेंद्र मोदी किसी को जेल में नहीं रखते। वो बहुत ही ताकतवर नेता है। 28 पार्टियां उनका विरोध कर रही। मेरी पार्टी नरेन्द्र मोदी के साथ है। भीमराव आम्बेडकर की विचारधारा वाली मेरी पार्टी भाजपा के साथ है। ये कहते हैं लोकतंत्र खतरे में है, बल्कि कांग्रेस धोखे में है। 370 को हटाकर भारत को अखंड भारत बनाने का काम किया। अनेक योजनाओं से जनता को फायदा मिल रहा है।

रामदास अठावले ने राहुल गांधी से सवाल करते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं, लेकिन बात भारत तोड़ने की कहां करते हो? पूरे देश की जनता का आशीर्वाद नरेन्द्र मोदी के साथ है। राहुल गांधी कभी देश का प्रधानमंत्री नहीं बन सकते हैं। सभी पार्टी के नेता प्रधानमंत्री बनने का सपना देखते हैं, लेकिन हर कोई बन थोड़ी जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी का नारा है, अबकी बार 400 पार, फिर बनेगी मोदी सरकार।

कवासी जीतेगा और मोदी मारेगा, कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा के बयान पर रामदास आठवले ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। न ही नरेंद्र मोदी मारेगा और न कवासी लखमा जीतेगा-देश मोदी के साथ है।

भूपेश इसलिए सांसद बनेंगे, ताकि प्रधानमंत्री मोदी का सिर फोड़ सके : विजय शर्मा

रायपुर। लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश में एसीबी और ईओडब्ल्यू की छापेमारी को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में चुनाव से पहले भी कार्रवाइयां हुई हैं। यह उनके रूटीन का काम है। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता पूछना चाहती है, आप सांसद इसलिए बनेंगे ताकि नरेंद्र मोदी का सिर फोड़ सके।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खुद के नाम पर एफआईआर है। यह किस तरह राजनीति से प्रेरित हो सकता है। शराब घोटाले में फर्जी होलोग्राम की जानकारी सामने आई। महादेव एप, कोयला घोटाला सब जनता के सामने हैं। ऐसे में एसीबी और ईओडब्ल्यू की कार्रवाई कैसे गलत हो सकती है। राजनांदगांव में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के प्रचार को लेकर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा, जनता पूछना चाहती है आप सांसद इसलिए बनेंगे ताकि नरेंद्र मोदी का सिर फोड़ सके। इन्हें गांव-गांव में विरोध का सामना करना पड़ रहा है। टीएस सिंहदेव के तीन सीटों पर कांग्रेस कमजोर वाले बयान पर विजय शर्मा ने कहा कि इन्हें दृष्टिकोण स्पष्ट रखना चाहिए। जनता का विश्वास मोदी के साथ है। उनके नेता अपने बिगड़े बोल के कारण जनता का विश्वास खो दिए। छत्तीसगढ़ में तीसरे चरण के चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया आज शुरू हो रही है। नामांकन को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि तीसरे चरण के नामांकन के लिए बीजेपी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। सभी सीटों पर सीएम विष्णुदेव साय नामांकन में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ आएंगे और हमारे राष्ट्रीय नेताओं का भी दौरा होगा। वहीं लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी कल प्रदेश दौरे पर आएंगे। इसको लेकर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हम शक्ति की उपासना करते हैं, वे शक्ति से लड़ने वाले हैं। हमारे और उनके बीच यही द्वंद है। राहुल गांधी मां दंतेश्वरी की धरती पर आ रहे हैं। उन्हें इस बात का एहसास हो जाएगा, शक्ति से लड़ने की बात कहना पागलपन हैं।

अंधेरे में डूबी रायपुर की सेजबहार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी

■ **गुस्साये लोगों ने निकाली मशाल रैली**

रायपुर। रायपुर स्थित सेजबहार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी किसी न किसी वजह से हमेशा विवादों में रहती है। एक बार फिर यहां पर कुछ ऐसा ही देखने को मिला है। दरअसल, इस कॉलोनी में एक महीने से स्ट्रीट लाइट और मेन रोड लाइट बंद है। इसके विरोध में कॉलोनीवासियों ने मशाल रैली निकाली। युवाओं ने बीती रात को मशाल रैली निकाली। रैली के दौरान रहवासियों को अंधेरे में रखना बंद करो, बिजली बिल का बकाया 84 लाख रुपये भुगतान करो के नारे लगाये गये। रैली में हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों और कालोनी के रखरखाव का काम देख रहे समिति के पदाधिकारियों के साथ बिजली कंपनी का ध्यान आकृष्ट कराया गया।

एक महीने से सेजबहार हाउसिंग बोर्ड कालोनी अंधेरे में डूबी हुई है। इससे कॉलोनीवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कालोनी में करीब 14 सौ स्वतंत्र मकान हैं। शाम 6 बजे के बाद अंधेरा होने घर से महिलाएं और बच्चे रोड पर निकलने से परहेज कर रहे हैं। रोड पर अंधेरा होने के कारण असामाजिकतत्वों और आवारा पशुओं का डर बना हुआ है। आए दिन अंधेरे में रोड एक्सीडेंट हो रहे हैं। स्ट्रीट लाइट न होने की वजह से चोरी का डर बना हुआ है। बीते सप्ताह बारिश हो जाने के कारण सांप बिच्छू से परेशानी हो रही है। हालात ये हैं कि शहर के मोहल्लों और कई कॉलोनियों और चौराहों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। इससे रात के समय में रहवासियों को काफी परेशानी हो रही है।

इसके अलावा पैदल यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। स्ट्रीट लाइट के अभाव में रात के समय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय में लोग सड़कों पर भ्रमण करने के लिए भी निकलते हैं। इसके अलावा सड़कों पर अंधेरा होने से अनहोनी घटनाओं का अंदेशा बना हुआ है। बकाया बिल जमा नहीं होने के कारण बिजली कंपनी ने कालोनी का एक कनेक्शन काट दिया है। स्ट्रीट लाइट नहीं जलने की वजह से कालोनी के लोग करीब एक महीने से अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। बिजली कंपनी कंपनी का कालोनी पर करीब 84 लाख रुपए बकाया है। तय समय पर भुगतान नहीं मिलने पर कंपनी के अधिकारियों ने कनेक्शन काट दिया। इसकी वजह से कालोनी का एक हिस्सा अंधेरे में डूबा हुआ है।

समिति पर मनमानी का आरोप

युवाओं ने सेजबहार जनकल्याण समिति पर मनमानी करने का भी आरोप लगाया है। आरोप है कि साफ-सफाई का काम छोड़कर समिति के पदाधिकारी, रहवासियों से बदसलूकी, विवाद कर झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हैं। विरोध करने वालों के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत करते हैं। पिछले दिनों ही विवाद का मामला थाने पहुंचा था, पुलिस ने एकपक्षीय कार्रवाई की।

मशाल रैली में ये हुए शामिल

मशाल रैली में राहुल ठाकुर, दीपक नायडू, रोशन, रोहित, मुकेश, जगत, रोहित, नयन, चंदन समेत बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से राहुल प्रियंका, तो भाजपा से राजनाथ, अमित शाह संभालेंगे चुनावी कमान

रायपुर । छत्तीसगढ़ में शनिवार का दिन छत्तीसगढ़ के लिए काफी खास रहने वाला है। शनिवार 13 अप्रैल को कांग्रेस बस्तर लोकसभा सीट को साधने के लिए राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा की बड़ी सभा करवाएगी ।बस्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस के कद्दावर नेता कवासी लखमा चुनावी मैदान में हैं। कवासी लखमा को जिताने और सभा को सफल बनाने के लिए बस्तर संभाग के सभी विधायकों समेत कांग्रेस पदाधिकारियों ने युद्ध स्तर पर तैयारी की है।

वहीं दूसरी ओर बीजेपी भी अपने स्टार प्रचारकों के जरिए छत्तीसगढ़ में भीड़ जुटा रही है ।शनिवार 13 अप्रैल को ही बीजेपी के स्टार प्रचारक और केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह छत्तीसगढ़ के दो लोकसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। राजनाथ सिंह दंतेवाड़ा और बालोद जिले में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। जहां राजनाथ बस्तर के बीजेपी प्रत्याशी महेश कश्यप और कांकेर प्रत्याशी भोजराज नाग के पक्ष में प्रचार करेंगे।

हाईप्रोफाइल सीट में अमित शाह भरेंगे हुंकार- इसके बाद 14 अप्रैल को गृहमंत्री अमित शाह भी छत्तीसगढ़ के सबसे हाईप्रोफाइल सीट राजनांदगांव में प्रचार करेंगे। गृहमंत्री अमित शाह बीजेपी प्रत्याशी संतोष पाण्डेय के पक्ष में बड़ी चुनावी रैली करेंगे। इधर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी लगातार बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में धुआंधार प्रचार में जुटे हैं। सीएम विष्णुदेव साय गरियाबंद और राजिम के बाद महासमुंद के तुमगांव और बस्तर के बीजापुर में प्रचार कर रहे हैं।

आपको बता दें जहां कांग्रेस केंद्र सरकार की नाकामियों और झूठे वादों को लेकर जनता के बीच जा रही है ।वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के दौरान हुए घोटाले को लेकर जनता के बीच जाकर अपने पक्ष में वोट मांग रही है। छत्तीसगढ़ में 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होगा। ऐसे में देखना ये होगा कि कांग्रेस और बीजेपी के स्टार प्रचारक अपनी रैलियों से कितना असर जनता पर डाल सकते हैं।

नोटा : वोट की बर्बादी या लोकतंत्र की मजबूती

संदीप अग्रवाल

आमतौर पर यह समझा जाता है कि ईवीएम मशीन पर नोटा का बटन दबाना अपना वोट बर्बाद करने जैसा है। लेकिन क्या सचमुच ऐसा ही है? क्या नोटा एक कीमती वोट की बर्बादी है या फिर यह लोकतंत्र की मजबूती का बड़ा जरिया साबित हो सकता है? नोटा को हम इस तरह से समझ सकते हैं कि किसी सवाल का जवाब देते समय इनमें से कोई नहीं का विकल्प आप तब चुनते हैं, जब आप यह मान चुके होते हैं कि उपलब्ध विकल्पों में से कोई उत्तर सही नहीं है। चुनावों में यही काम नोटा करता है। हालांकि बहुत सारे लोगों के मन में यह सवाल उठ सकता है कि जब हमारे सामने वोट न देने का विकल्प खुला है तो इस विकल्प को चुनने के लिए मतदान केंद्र तक जाने, वहाँ लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करने की जहमत उठाने की क्या जरूरत है? आखिर देश के करीब एक तिहाई मतदाता मतदान बूथ तक कहां जाते हैं? लेकिन, वोट न डालने वालों और नोटा चुनने के लिए मतदान केंद्रों पर जाने वालों में काफी फर्क होता है। जो मतदान स्थल तक जाते ही नहीं उनके भीतर नापसंदगी, गैरजिम्मेदारी, आलस्य, व्यस्तता, अरुचि जैसी बहुत सारी वजह हो सकती हैं, लेकिन नोटा बटन दबानेवालों के पीछे एक ही वजह हो सकती है कि वो अपने चुनाव क्षेत्र में खड़े किसी भी उम्मीदवार को चुने जाने योग्य नहीं मानता है। इसलिए समय निकालकर नोटा बटन दबाने जाता है। वोट न डालना राजनीति से आपके मोहभंग का भी परिचायक है, जबकि नोटा को चुनना बताता है कि आपको राजनीति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पूरा विश्वास है, मगर आपके सामने जो उम्मीदवार खड़े किए गए हैं, उनमें से किसी पर आपको विश्वास नहीं है। नोटा बेशक भारत में एक दशक पहले ही पेश हुआ है, लेकिन यह हमारे यहाँ लोकतंत्र के आगमन से पहले से अस्तित्व में है। नोटा दुनिया के कई देशों में अलग-अलग नामों से चलन में है। स्वीडन में बीसवीं सदी के आरंभ से ही खाली मतपत्र जमा करने को प्रोटेस्ट वोट के रूप माना जाता था। 70 के दशक में लोकतांत्रिक होने की प्रकिया में स्पेन ने भी ब्लैंक वोट को नोटा के रूप में अपनाया। वर्ष 2008 में बांग्लादेश ने नो वोट का विकल्प पेश कर दिया था। यूक्रेन में यह वर्ष 2010 में अगेंस्ट ऑल के नाम से पेश किया गया। रूस और बेलारूस में भी यह इसी नाम से वर्ष 2013 में लाया गया। पाकिस्तान और भारत में यह आया वर्ष 2013 में, नाम था नोटा। नेपाल में यह नन ऑफ द कैंडिडेट्स के नाम से प्रचलित है। इनके अलावा और भी कई देश हो सकते हैं, जिन्होंने पिछले एक-दो दशकों में लोकतंत्र को जवाबदेह बनाने और चुनाव सुधार के उद्देश्य से नोटा को अपनाया होगा। भारत में नोटा को चुनाव विकल्पों में शामिल कराने में पीयूसीएल (पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज) जैसे संगठनों की काफी बड़ी भूमिका रही है। पीयूसीएल ने वर्ष 2004 में चुनावों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने और मतदाता की गोपनीयता की रक्षा के लिए नोटा लाए जाने की माँग के साथ एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। इसके आधार पर कोर्ट ने वर्ष 2013 के अपने एक ऐतिहासिक फैसले में चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि वह ईवीएम और बैलेट पेपर पर मतदाताओं के समक्ष नोटा को एक विकल्प के रूप में शामिल करे ताकि उन्हें नेगेटिव वोटिंग का अधिकार मिल सके। दिलचस्प बात यह है कि यह फैसला देने वाली पीठ में शामिल जजों ने इसे संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति के अधिकार का एक अंग माना था। सामाजिक संगठनों के समर्थन और सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने नोटा का रास्ता साफ कर दिया और भारतीय चुनाव आयोग ने वर्ष 2014 के आम चुनावों में इसे लागू कर दिया। सिद्धांततः नोटा की ताकत यह है कि यह मतदाता को ज्यादा बुरे और कम बुरे उम्मीदवारों में से किसी एक को चुनने की मजबूरी से मुक्ति के साथ साथ किसी को भी न चुनने की शक्ति प्रदान करता है। लागू होने के दस साल के भीतर ही नोटा बटन दबानेवालों की संख्या में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2014 में नोटा को 1.08% वोट मिले थे, लेकिन, वर्ष 2019 में स्थिति में नोटा को कुल वोट का 1.06% प्रतिशत प्राप्त हुआ। इनको अगर आंकड़ों में देखें तो 2014 में कुल 60 लाख वोट नोटा को मिले वहीं 2019 में कुल वोट बढ़ने के कारण यह संख्या बढकर 65 लाख हो गई। यानी इतनी बड़ी संख्या में वोटरों ने किसी भी उम्मीदवार को इस योग्य नहीं माना कि उसे वोट देने लायक समझ सके। नोटा के तहत प्रावधान है कि किसी चुनाव क्षेत्र में अगर नोटा को सबसे ज्यादा वोट शेयर मिलता है तो वहाँ दोबारा चुनाव आयोजित किए जाएगा।

यूपी का चुनावी घमासान

प्रणय विक्रम सिंह

लोक सभा चुनावों की घोषणा ने उत्तर प्रदेश के सियासी तापमान को एकाएक बढ़ा दिया है। यहां की हर गली, हर कूचा, हर चौराहा, हर चौपाल राजनीतिक गुफ्तगू से आबाद है। पूरा देश सबसे अधिक लोक सभा सीटों वाले यूपी की तरफ निहार रहा है। सबके जेहन में एक ही सवाल है कि दिल्ली का रास्ता बनाने वाला उत्तर प्रदेश किसको अपना साथी बनाएगा? अंत्योदय बनाम परिवारोदय, दंगा बनाम चंगा, एक जनपद-एक उत्पाद बनाम एक जनपद-एक माफिया, जाति बनाम जागृति, अपराधीकरण बनाम आधुनिकीकरण, विकास बनाम विनाश, संतुष्टिकरण बनाम तुष्टिकरण और लोक-कल्याण बनाम अपना-कल्याण की इस जंग में आखिर अवध का मन, पूर्वांचल की आशा, बुंदेलखण्ड की अपेक्षा और पश्चिमांचल की अभिलाषा किस सियासी जमात को अपना हमकदम बनाएगी?

कोई 'पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक' की पतवार के सहारे अपनी सियासी नैया पार कराने की तैयारी में है, तो कोई स्वंयभू 'बहुजन मिशन' के कोरस में खुद को पुनः स्थापित करने की फिराक में है। फैसला जनता को करना है। तो आइए समझते हैं कि आखिर जनता किन मुद्दों के आधार पर अपने मत का निर्णय करती है। सामान्यतः आमजन आस्था, अस्मिता, आजीविका और अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सुविधा, सुरक्षा, संभावना को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक दल अथवा अपने नुमाइंदे का चुनाव करता है। कभी-कभी ये सभी बिंदु जातीय गोलबंदी के किले में कैद होकर 'प्रभावहीन' भी हो जाते हैं। अतः चुनाव के समय का वातावरण भी मत निर्माण में महत्वपूर्ण कारक सिद्ध होता है।

जनता-जनार्दन की इन सभी मानकों और कसौटियों पर डबल इंजन सरकार अन्य दलों से काफी आगे है। सात वर्ष पूर्व का बीमारू राज्य आज योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में देश का ग्रोथ इंजन बन गया है और यह वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। अभी हाल ही में संपन्न हुई ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 (जीबीसी) में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर उतरा है। अगर अबतक हुए सभी चार जीबीसी की बात करें तो ये आंकड़ा तकरीबन 16 लाख करोड़ रुपए पहुंचता है। ये 'निवेश राशि' देश और दुनिया में राज्य के प्रति बदले परसेप्शन की गवाही है। दीगर है, किसी भी स्थान पर निवेशक तभी आते हैं जब वहां सुरक्षा, सुविधा और समृद्धि की संभावना होती है। उत्तर प्रदेश में हुआ भारी निवेश द्योतक है कि यहां सभी कुछ प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। उद्योगों के लगने से लाखों रोजगारों का सृजन हुआ है। अकेले जीबीसी 4.0 से 34 लाख से अधिक रोजगार के अवसर निर्मित हो रहे हैं। यही नहीं बीते सात साल में सात लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है और निजी सेक्टर तथा स्वरोजगार के माध्यम से एक करोड़ से अधिक रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है। यही कारण है कि 2016-17 में प्रदेश की जीएसडीपी 12.75 लाख करोड़ रुपए थी, जबकि साल 2024-25 की जीएसडीपी 25 लाख करोड़ रुपए हो चुकी है। योगी सरकार की गति, शक्ति और सुमति के कारण प्रगति पथ पर तीव्रता से गतिशील यूपी का इंफ्रास्ट्रक्चर बेहद मजबूत और विश्व स्तरीय हो रहा है। 06 क्रियाशील और 07 निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे, 15 क्रियाशील एयरपोर्ट उसकी एक बानगी है। 1947 से लेकर 2017 तक महज 12 मेडिकल कॉलेज से काम चलाने वाले 'बीमारू' राज्य में 35 सरकारी मेडिकल कॉलेज, 31 निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज और दो एम्स 'स्वस्थ उत्तर प्रदेश' की संकल्पना को साकार कर रहे हैं। बेसिक शिक्षा के विद्यालयों में हुए कायाकल्प की कहानी हर गांव और मोहल्ले में सुनी जा सकती है। दंगा प्रदेश के नाम से कुख्यात राज्य में पिछले सात साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। हां, 194 से अधिक अपराधी जरूर ढेर हो गए। इतना ही नहीं कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये 24,743 से अधिक अपराधियों को सजा भी दिलायी गई। अपराधियों की 124 अरब, 4 करोड़ 18 लाख, 52 हजार रुपए से अधिक की अवैधानिक चल-अचल संपत्तियां जब्त हुईं।

यही कारण है सुरक्षा और सुविधा के बढ़ते ग्राफ के कारण यूपी में विगत एक साल में 44 करोड़ से अधिक पर्यटक आए, जो अबतक का रिकॉर्ड है। अब बात आस्था की। अयोध्या में बने नव्य-भव्य-दिव्य राम मंदिर की गूंज से हर घर राममय है। आलम तो ये है कि कभी कारसेवकों पर गोली चलवाने वाले और राम को काल्पनिक बताने वाले सियासी दल आज 'प्रभु राम तो सबके हैं' का बयान देकर खुद को भी रामभक्त साबित करने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। ये परिवर्तन उनके मन में आस्था के नव-प्रज्वलित दीपक के कारण नहीं बल्कि राम मंदिर निर्माण के कारण बहुसंख्यक समाज के मन में बीजेपी के प्रति उपजे समर्थन और सम्मान के भाव के चलते हुआ है। विपक्ष समझ चुका है कि राम कण-कण के साथ जन-जन के मन में भी विराजमान हैं। जब मन में राम बैठे हों तो 'मत' की 'गति' स्वतः समझी जा सकती है। डबल इंजन सरकार की कुछ योजनाओं ने समाज को सीधे प्राणवायु प्रदान की है। ऐसा परिवर्तन लाई हैं कि पीढ़ियों की हसरतें पूरी हो गईं हैं।

05 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड, 55 लाख से अधिक लोगों को निःशुल्क पक्का आवास, 15 करोड़ों लोगों को हर माह भरपूर मुफ्त अनाज, हर तीसरे महीने 03 करोड़ से अधिक किसानों को सम्मान निधि की सौगात, 10 करोड़ से अधिक लोगों को लाभान्वित करते 03 करोड़ परिवारों को निःशुल्क इज्जत घर, 1.75 करोड़ से अधिक परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन जैसे अनेक लाभों से आच्छादित करोड़ों नागरिक स्वयं में एक वर्ग बन गए हैं। इसे 'लाभार्थी वर्ग' कहते हैं। छद्म सामाजिक न्याय के रंग से रंगे जातीय किले अब अभेद्य नहीं रहे। 'लाभार्थी वर्ग' की शक्तिशाली बारूद से इनकी दीवारें हिलने लगी हैं। प्रदेश के करोड़ों वंचित, दलित, निर्धन समुदायों में व्याप्त यह 'लाभार्थी वर्ग' प्रत्येक लोक सभा क्षेत्र में बहुसंख्यक है। हर गांव, हर मोहल्ले, हर गली में यह वर्ग निवास करता है। ये करोड़ों लाभार्थी जन सभी राजनीतिक दर्शनों की नुमाइंदगी करते हैं। यद्यपि विपक्ष इससे इंकार करता है। अतः सवाल उठता है कि उत्तर प्रदेश की ये अथाह लाभार्थी मानव संपदा क्या उस श्रेणी के अंतर्गत नहीं आती जिसके उत्थान के लिए लोहिया ने सप्त क्रांति का आह्वान किया था? क्या प्रदेश के करोड़ों लोगों को पोषित कर रही डबल इंजन सरकार की लोक कल्याणकारी और निर्माणकारी योजनाओं से कांशीराम के बहुजन उत्थान मिशन को आकार नहीं मिल रहा है? आजीविका, आसरा, अस्मिता, आस्था और अर्थव्यवस्था के संरक्षण और संवर्धन की गारंटी बने योगी के उत्तर प्रदेश में क्या जय प्रकाश नारायण की 'संपूर्ण क्रांति' का दर्शन साकार नहीं हो रहा है? दरअसल इन सवालों ने समूचे विपक्ष को बेचैन कर रखा है। 'अबकी बार 400 पार' का नारा लगाती एनडीए की झोली में यूपी रिकॉर्ड सीटें डालने जा रही है, विपक्ष भी इस बात को जानता है।

अब बात विपक्ष की। सामाजिक न्याय का मुखौटा लगाकर जातीय गोलबंदी के बंकर बनाता विपक्ष भाजपा के विजय रथ को रोकने में ही असमर्थ दिखाई पड़ रहा है, हराने का तो जिक्र ही पाप है। भाजपा के द्वारा संचालित समाज के सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक उन्नयन के कार्यों के प्रति अपने विरोध को विपक्ष जनता की अदालत में सही ठहरा पाने में असफल सिद्ध हुआ है। विरोध की रस्म अदायगी करते विपक्ष के पास उत्तर नहीं है कि प्रदेश में 13 एक्सप्रेस-वे क्यों नहीं बनने चाहिए? इससे लोकतंत्र को क्या हानि है। विपक्ष जनता को नहीं समझा पा रहा है कि एक जनपद-एक मेडिकल कॉलेज लक्ष्य के अंतर्गत 35 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना क्यों गलत है? दर्जनों इनामी बदमाशों और माफियाओं का दमन क्यों नहीं होना चाहिए था?

काशी विश्वनाथ धाम का कायाकल्प क्यों नहीं करना चाहिए था? अयोध्या में निर्मित नव्य भव्य दिव्य राम मंदिर से आमजन क्यों ना अपनी भावनाएं जोड़े? किसानों के खातों में आ रही सम्मान राशि क्यों ठीक नहीं है? 05 लाख रुपए तक मुफ्त चिकित्सा सुविधा देते आयुष्मान कार्ड से लोकतंत्र की हत्या कैसे हो रही है? ऐसे सैकड़ों बिंदु हैं जो जनता की रेटिंग में तो सुपरहिट हैं लेकिन विपक्ष उनसे बहुत दुःखी है। इसलिए जनता के मन में विपक्ष की रेटिंग 'डाउन' है। दरअसल यूपी में समूचा विपक्ष जनता के मन की बात को समझ ही नहीं पा रहा है। सोशल मीडिया की रील्स में कैद मुद्दाविहीन विपक्ष की रीयल धरातल पर प्रभावहीन उपस्थिति उसे लोकसभा 2024 के चुनाव में प्रचंड पराजय की तरफ ले जाती दिखाई पड़ रही है। विपक्ष को यह समझना होगा कि परिवारवाद, जातिवाद और अलगाववाद के जहरीले जल से लोकतंत्र के मंदिर में आचमन नहीं किया जाता है। मोदी जनता के 'मन की बात' को समझते हैं। सरकार की योजनाओं से आमजन को सीधे जोड़ने में विश्वास करते हैं। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' उसका प्रमाण है। इस यात्रा के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार खुद पहुंच रही है, उसे 'मोदी की गारंटी' से जोड़ रही है। देश के सपनों, संकल्पों और भरोसे से आमजन को जोड़ने में सफल हुई यह यात्रा लोक सभा चुनाव के लिए भाजपा का 'अश्वमेघ घोड़ा' बन चुकी है। 'भारत जोड़ो यात्रा' की नाटकीयता से मनोरंजित नागरिक 'मोदी की गारंटी' से जुड़कर भाजपा की राह को आसान कर रहे हैं। विदित हो कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 80 लोक सभा सीटें हैं। हर सीट पर चुनाव भाजपा बनाम अन्य है। प्रदेश के आधारभूत ढांचे को मिल रही विश्वस्तरीय मजबूती से विकास-प्रिय वर्ग और युवाओं के मन में भाजपा की निर्माणकारी छवि दिनानुदिन मजबूत हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के वाराणसी से पुनः प्रत्याशी होने से भी प्रदेश वासियों का विश्वास पार्टी पर और अधिक मजबूत हुआ है। 'फिर एक बार मोदी सरकार' के नारे से आमजन का भावनात्मक जुड़ाव स्पष्ट दिखाई पड़ता है। ये तो प्रथम दृष्टया दिखाई पड़ने वाली स्थिति है। इसके साथ ही सुभासपा, रालोद, निषाद पार्टी और अपना दल आदि से गठबंधन से विभिन्न स्थानीय समीकरणों को साधने में भी भाजपा सफल हुई है। यह बात तो स्पष्ट है कि यूपी में 'मोदी की गारंटी' और 'योगी की लोकनिष्ठा' पर आमजन का पूरा भरोसा है। यही कारण है कि फिर एक बार यूपी का सियासी आसमान केसरिया होने जा रहा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-55)

गतांक से आगे...

शीघ्र ही श्रेष्ठ प्रजाति की मुक्ता के समान निर्मल विद्या प्रविष्ट होती है। जिनके मन में वैराग्य भाव है, ऐसे ज्ञानियों द्वारा अपने अनुभवजन्य ज्ञान से यह अभिव्यक्त किया गया है कि द्रष्टा को दृश्य के माध्यम से जो निश्चयात्मिका सुखानुभूति होती है, वह आत्मतत्त्व से प्रकट हुआ स्पन्दन है, जिसकी हम उत्तम रीति से उपासना करते हैं। वासनात्मक चिन्तन के साथ द्रष्टा, दृश्य और दर्शन इन तीनों का परित्याग करके प्रकाशमान आत्मा के हम उपासक हैं। अस्ति नास्ति के बीच विद्यमान प्रकाशों के भी प्रकाशक सनातन आत्मा के हम उपासक हैं।

हमारे हृदय में वह आत्मतत्त्व महेश्वर के रूप में विद्यमान है। जो पुरुष इस आत्मा को त्यागकर अन्य वस्तु की प्राप्ति हेतु यत्नशील हैं, वे अपने हाथ में स्थित कौस्तुभमणि को छोड़कर अन्य रत्न की अभिलाषा करते हैं। इन्द्र द्वारा वज्र से पर्वतों को तहस-नहस करने की तरह इन्द्रियरूपी शत्रु-चाहे बलवान् हों या कमजोर, उन्हें विवेकरूपी दण्डप्रहार से बारम्बार प्रताड़ित करना चाहिए।

संसाररूपी रात्रि के दुःस्वप्नरूप और सर्वथा शून्यवत् इस शरीररूपी भ्रम में जो भी कुछ मायाजाल का प्रसार देखा है, वह सभी पवित्रता से परे है। बाल्यकाल में अज्ञानता से ग्रसित रहा, युवाकाल में वनिता (स्त्री) के द्वारा आहत किया गया और अब अन्तिम अवस्था में यह अधम मनुष्य स्त्री-पुत्रादि की चिन्ता में आर्त्त (दुःखी) होकर आखिर अपना क्या उपकार कर सकता है? सत् के मूर्द्धा (सिर) पर असत् का बोलबाला है। रमणीकता के ऊपर कुरूपता चढ़ी हुई है। सुखों के ऊपर दुःख प्रतिष्ठित हैं। ऐसी स्थिति में मैं किस एक का अवलम्बन प्राप्त करूँ? जिनके निमेष एवं उन्मेष से इस संसार का विनाश एवं उत्पत्ति निश्चित है।

क्रमशः ...

जलियांवाला बाग हत्याकांड

सुखी भारती

13 अप्रैल 1919 का काला दिन, इतिहास के माथे का वह बदनुमा दाग है, जो किसी भी तरह साफ नहीं हो सकता। जब-जब भारत वंश इस दिन के बारे में पढ़ेगा तो उसके सामने वह मंज़र कौंध जाएगा जिसमें लाखों ही मासूम बिना किसी कसूर के, पलों में ही गोलियों से भून दिए गए। जब सारा देश वैसाखी की खुशियां मनाने में, भंगड़ा डालने, मेले देखने में मशरूफ था। किसी को याद भी नहीं था कि आज उन्हें गुलामी एक और कभी न मिटने वाला दर्द देने वाली है। क्योंकि उस समय सैंकड़ों की संख्या में निहत्थे, हिंदु-सिख, मुसलमानों पर करूर शासक जनरल डायर ने बिना किसी कसूर के गोलियों की बरसात कर दी। जिसमें बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं, माताएँ, बहनें

मौत के गाल में समा गये। जहाँ तक कि 6 महीनों का मासूम भी इस वीभत्सता का शिकार होने से न बच पाया।

यह घटना हमें बताती है कि गुलाम होना कितना पीड़ादायक है। चाहे इस घटना को हुए 102 साल बीत चुके हैं परंतु इसका दर्द आज भी उतना ही तकलीफदेह है। क्योंकि गुलामी ने हमें कई ऐसे जख्म दिए हैं जो सदा ही रिसते रहेंगे। और देश की आज़ादी के अंदोलन पर जिस घटना का सबसे ज्यादा असर हुआ वह 'ज़लियांवाला बाग का नरसंहार' ही था। इस हत्याकाण्ड ने हमारे देश के इतिहास की सारी धराओं को ही बदलकर रख दिया। इस घिनौने हत्याकाण्ड के पीछे ब्रिटिश सरकार का काला कानून 'रोल्ट एक्ट' था। जिसका पूरे देश में विरोध हो रहा था। यह कानून देश की आज़ादी के लिए चल रहे अंदोलनों को बंद करवाने के लिए बनाया गया था। ब्रिटेन सरकार किसी भी तरह से आज़ादी अंदोलन को रोकना चाहती थी। इसलिए प्रशासन को अंदोलन एवं अंदोलनकारियों को रोकने के लिए ज्यादा से ज्यादा अधिकार प्रदान किए हुए थे। इसके तहत अंग्रेज़ सरकार पिक की आज़ादी पर भी रोक लगा सकती थी, अंदोलन के मुख्य नेताओं को बिना मुकद्मा दर्ज किए जेल में डाल सकते थे, लोगों को बिना वारंट के गिरफ्तार कर सकते थे।

यह साफ था कि रोल्ट एकट नामक काले कानून का विरोध होना ही होना था। क्योंकि इसके विरोध में पूरा देश एक साथ खड़ा था। पूरे देश में लोगों ने जगह-जगह इसके खिलापफ गिरफ्तारियां दी। बढ़ रहे अंदोलन को देखते हुए ब्रिटिश हुकूमत ने बहुत ही सख्त कदम उठाया। पंजाब के बड़े लीडर डॉ. सत्या पाल व सैपूफदीन किचलू को अमृतसर के डिपटी कमिश्नर ने बिना किसी मंज़ूरी के नज़रबंद कर लिया। इसके विरोध् में देश की जनता ने एक शांतिपूर्ण मार्च निकाला। पुलिस ने मार्च में इकट्ठा हुई भीड़ को रोकने का प्रयास किया एवं रोकने में कामयाब न होने पर पुलिस ने आगे बढ़ रही भीड़ पर गोलियां चला दी, जिसमें कई लोग मारे गए। इस गिरफ्तारी के रोष में एवं पहले हुए हत्याकाण्ड बारे चर्चा करने हेतु 13 अप्रैल 1919 को वैसाखी वाले दिन अमृतसर के ज़लियांवाला बाग में एक कान्फ्रेंरेंस बुलाई गई। इस कान्फ्रेंरेंस में डॉ. सत्यापाल व सैपूफदीन किचलू की रिहाई एवं काले कानून के विरोध् में चर्चा की जानी थी।

नागरिकता चुनावी मुद्दा बनता नहीं दिख रहा

उमेश चतुर्वेदी

जिस कानून के चलते तकरीबन पूरा उत्तर भारत महीनों तक धरना और प्रदर्शनों का गवाह बना रहा, जिसके विरोध की आड़ में देश की राजधानी दिल्ली में दंगे हुए, क्या वह अब चुनावी मुद्दा नहीं रहा? यह सवाल नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के संदर्भ में उठ रहा है। लेकिन मौजूदा चुनावी दौर में इस कानून की खुले तौर पर कहीं चर्चा सुनाई नहीं दे रही है।

संसद की मंजूरी के बाद जिस अल्पसंख्यक वर्ग ने इस कानून का विरोध किया था, हो सकता है कि उस समुदाय के बीच अब भी इसे लेकर कुछ सवाल हों, लेकिन हर तरफ चुप्पी है। अगर कहीं इसकी थोड़ी-बहुत चर्चा है भी, तो वह पश्चिम बंगाल और केरल जैसे ही राज्य हैं, जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है और वामपंथी दलों का असर है। दिलचस्प यह है कि आचार संहिता लागू होने के दो दिन पहले यानी 14 मार्च को ही अमित शाह कह चुके हैं कि किसी भी हालत में सीएए वापस नहीं लिया जाएगा।

चुनाव के मुद्दे मोटे तौर पर दो तरह से बनते हैं। एक तो किसी मुद्दे, विषय या कानून को लेकर जनता के बीच गहरा असंतोष हो, जिसकी बुनियाद पर वोटों की फसल काटने के लिए विपक्षी दल उसे हवा दे रहे हों या फिर किसी

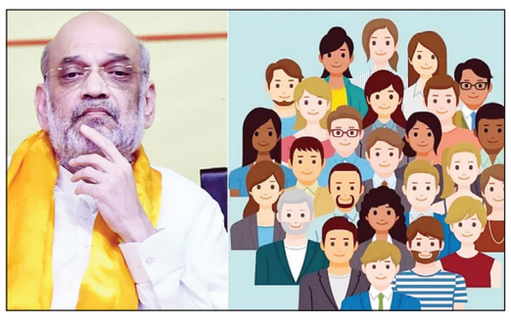

नीति के जरिये सरकार कोई बड़ी कामयाबी हासिल कर चुकी हो या सरकार के किसी फैसले के चलते सकारात्मक बदलाव आया हो। नाकामियों और असंतोष को जहां विपक्षी खेमा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश करता है, वहीं सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों और कामयाबियों को चुनावी मैदान में लोकमत संग्रह का जरिया बनाता है। सत्ताधारी भाजपा प्रत्याशी स्थानीय स्तर पर भले ही सीएए को उपलब्धि बता रहे हों, लेकिन केंद्रीय स्तर पर भाजपा अभी तक इसे चुनावी मुद्दा बनाते नहीं दिख रही है। वैसे भी भाजपा ने अभी अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी नहीं किया है, लेकिन कांग्रेस 'न्याय पत्र' नाम से अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी कर चुकी है। लेकिन उसके घोषणा पत्र में इस पर चुप्पी साध ली गई है।

दिसंबर, 2019 में जब संसद के दोनों सदनों ने नागरिकता संशोधन विधेयक को मंजूरी दी थी, तब कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और एआईएमआईएम ने कड़ा विरोध जताया था। वामपंथी दल और राष्ट्रीय जनता दल भी इसके विरोध में थे। मुस्लिम संगठन भी इसके विरोध में सड़कों पर उतर आए थे। पीएफआई जैसे संगठन इस कानून के विरोध में देश विरोधी षड्यंत्र रचने में पीछे नहीं रहे। दिल्ली का शाहीन बाग इलाका तो इस कानून के विरोध प्रदर्शन का प्रतीक बन गया। देश भर में, विशेषकर मुस्लिम बहुल इलाकों में जबर्दस्त विरोध-प्रदर्शन हुए। उस समय लगता था कि यह विरोध-प्रदर्शन और धरना अंतहीन रहेगा। लेकिन इस बीच कोरोना महामारी आ गई और शाहीन बाग का धरना खत्म हुआ। लेकिन पूर्वी दिल्ली का इलाका दंगे की आग में धधक उठा था।

इस कानून के पारित होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को राष्ट्रीय स्तर पर एक खास वर्ग ने निशाना बनाया। इस कानून के लिए अमित शाह विशेष रूप से निशाने पर रहे, क्योंकि इस कानून को पारित कराने में उनकी ही भूमिका प्रमुख रही। भाजपा की पार्टी लाइन पर इस कानून में संशोधन करने की उन्होंने हिम्मत दिखाई। विरोध प्रदर्शनों के जरिये विपक्षी खेमे और कानून विरोधियों ने सरकार को झुकाने की खूब कोशिश की, लेकिन सरकार ने कानून वापस नहीं लिया। दरअसर अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम समुदाय में यह भ्रम फैला कि अगर यह कानून पारित हुआ, तो उनकी नागरिकता चली जाएगी, जबकि सरकार इससे बार-बार इन्कार करती रही।

इन्हीं वजहों से माना जा रहा था कि चुनाव के दौरान यह कानून कम से कम विपक्षी खेमे के जरिये मुद्दा जरूर बनेगा। लेकिन कांग्रेस ने एक तरह से इस मसले को कम से कम चुनावों तक के लिए टाल दिया है। हालांकि माकपा अपनी ओर से लोकसभा चुनाव में इसे मुद्दा बनाने की कोशिश जरूर कर रही है। उसने अपने चुनाव घोषणा पत्र में भी इस कानून को हटाने का वादा किया है। इसके अलावा, कांग्रेस की चुप्पी पर माकपा भी सवाल उठा रही है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने तो इसको लेकर कांग्रेस को खरी-खोटी सुनाई है। सीएए का चुनावी मुद्दा न बनने पर क्या यह मान लिया जाना चाहिए कि इस कानून को लेकर जो भ्रम और अविश्वास की स्थिति एक खास वर्ग में थी, वह छंट चुकी है? इसका जवाब तो चुनाव नतीजों के बाद ही यह पता चल पाएगा, लेकिन फिलहाल हालात ऐसे ही लग रहे हैं।

आज का इतिहास

1960 फ्रांस सहारा मरुस्थल में परमाणु बम का परीक्षण करने वाला चौथा देश बना।
1970 चन्द्रमा की यात्रा पर रवाना हुए अमेरिकी अंतरिक्ष यान अपोलो 13 के ईंधन टैंक में विस्फोट हुआ।
1986 एक गैर-संबंधित सरोगेट मां से पैदा हुए पहला बच्चा पैदा हुआ।
1992 सबसे लंबी 2 अपराजित बेसबॉल टीमों को पूरा करने के लिए (न्यूयॉर्क यांकीस 5-0 बनाम टोरंटो ब्लू जैस 6-0); 5-2 से जीत के लिए यैंकी 9 वें स्थान पर 3 अंक है।
1993 Theater 3 MEN IN A HORSE ', लिसेयुम थिएटर न्यूयॉर्क सिटी में खुलता है। यह 40 प्रदर्शनों के लिए था।
1997 कोर्ट थिएटर न्यूयॉर्क सिटी में डी अमेरिकन डॉटर 'खुलता है। यह 88 प्रदर्शनों के लिए था।
1997 गोल्फ में, इक्कीस वर्षीय टाइगर वुड्स 1997 के अमेरिकी मास्टर्स जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए, उन्होंने टूर्नामेंट के सबसे कम चार-गोल स्कोर (270 स्ट्रोक, 18 अंडर पार) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।
1997 अमेरिका के गोल्फ़ खिलाड़ी एल्ड्रिक टाइगर वुड्स 21 साल की उम्र में यूएस मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।
2004 एन्टीगुआ में ब्रायन लारा ने इंग्लैंड के विरुद्ध खेलते हुए 400 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली।
2009 1980 के बाद से देश की सबसे भीषण आग, पोलैंड के कामिएनपोमॉर्स्की में एक बेघर छात्रावास में आग लगने से तेईस लोगों की मौत हो गई।
2011 तोहोकू भूकंप और सुनामी के कारण टोयोटा को कई पौधों को बंद करना पड़ा। इससे कमी हो गई।
2013 बीजिंग, चीन में, एक सात वर्षीय लड़की को इन्फ्लुएंजा ए वायरस के उपप्रकार एच7एन9 बर्ड फ्लू को पकड़ने वाले देश के पहले व्यक्ति के रूप में पुष्टि की गई है।
2013 चीन के लोगों का गणराज्य और अमेरिकी कोरियाई प्रायद्वीप में परमाणु हथियारों को खत्म करने की दिशा में सहमत हैं।

आम आदमी पार्टी के आदर्श शिक्षा मॉडल की स्थिति चिन्तनीय

ललित गर्ग

देश ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने अपने शिक्षा मॉडल को अनुकरणीय बताया एवं अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि के रूप में बहुप्रचारित किया लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय में इसकी पोल खुल गयी। न्यायालय ने दिल्ली की स्कूलों की स्थिति अत्यंत चिन्तनीय, दुखद एवं अपर्याप्त बताते हुए दिल्ली के शिक्षा सचिव को फटकार लगायी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता एनजीओ 'सोशल ज्यूरिस्ट, ए सिविल राइट्स ग्रुप' का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील अशोक अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत इस विषयक एक तीखी रिपोर्ट पर संज्ञान, सुनवाई एवं जांच में पाया कि इन स्कूलों में कई विसंगतियों हैं जैसे टूटी हुई डेस्क, कक्षाओं की गंभीर कमी, पीने के स्वच्छ पानी का अभाव, अपर्याप्त किताबें और लेखन सामग्री। कई स्कूलें टिन बिल्डिंग में चल रही है एक स्कूल में 1,800 लड़कियां और 1,800 लड़के डबल शिफ्ट में पढ़ते हैं। कुछ कक्षाओं में दो-दो कक्षाओं के छात्र एक साथ बैठकर पढ़ते हैं। जब शिक्षा सचिव ने बदहाली की पुष्टि की तो जस्टिस मनमोहन ने कहा कि आपकी इसी लापरवाही की वजह से तिहाड़ जेल में समस्या और भीड़ दोनों बढ़ी है। तिहाड़ जेल में दस हजार कैदियों की क्षमता है, लेकिन वहां 23 हजार हैं। वजह अशिक्षा एवं दूषित शिक्षा है जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य को बर्बाद हो रहा है। केजरीवाल सरकार ने शराब घोटाला ही नहीं, शिक्षा घोटाला भी किया है।

केजरीवाल सरकार ने अपनी उपलब्धियों के नाम पर दो उपक्रम प्रमुखता से गिनाये हैं एक शिक्षा एवं दूसरा मौहल्ला क्लीनिक। दिल्ली के सरकारी स्कूलों की दशा एवं दिशा न केवल बिगड़ी है, बल्कि रसातन में चली गयी है। मौहल्ला क्लीनिकों की स्थिति भी दयनीय है। दिल्ली से शुरु हुई उन्नत शिक्षा की पहल को देश के अन्य प्रांतों ही नहीं, बल्कि दुनिया के अनुकरणीय बताने वाले केजरीवाल ने शिक्षा के बुनियाद क्षेत्र को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया। शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र को राजनीतिक नजरिये से देखना एवं उन्नत इंसानों को गढ़ने की इस प्रयोगशाला से खिलवाड़ करना, शर्मनाक घटनाक्रम है। आप की सरकार ने साल 2015 से साल 2024 के बीच 'शिक्षा सबसे पहले या एजूकेशन फ़र्स्ट' जैसा आकर्षक नारा देकर दिल्ली सरकार द्वारा संचालित स्कूलों में नई जान फूंकने के नाम पर दिखावा किया। कुछ स्कूलों को अत्याधुनिक बनाकर दिल्ली की समस्त स्कूलों का कायाकल्प करने की बात करने वाली केजरीवाल सरकार ने करोड़ों रूपये विज्ञापनों पर खर्च किये।

आप सरकार ने शिक्षा मंत्रालय संभाले उनके नायब/उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में शिक्षा के लिए अधिकतम राशि का आवंटन किया, शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण की नई तकनीक और विद्यार्थियों के वास्ते नए पाठ्यक्रम लागू किए तथा स्कूलों का दम तोड़ता बुनियादी ढांचा सुधारने के लिए जी खोल कर धन मुहैया कराया। लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय में प्रस्तुत हुई दिल्ली की स्कूलों की दर्दनाक स्थितियां बताती है कि वह सरकारी खजाना अगर स्कूलों में खर्च होता तो स्कूलों की यह दुर्दशा देखने को नहीं मिलती। स्पष्ट है स्कूलों के नाम पर आवंटित बजट में बड़ा घोटाला हुआ है, उसकी स्वतंत्र जांच होनी ही चाहिए। दिल्ली उच्च न्यायालय में ही एक अन्य याचिका में यह तथ्य भी सामने आया कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में पढ़ने

वाले छह लाख से ज्यादा बच्चों को शिक्षा के अधिकार कानून के तहत मिलने वाली सुविधाएं जैसे यूनिफॉर्म, शिक्षण सामग्री इत्यादि नहीं मिल पा रही हैं। याचिका में कहा गया है कि राइट ऑफ चिल्ड्रन टू फ्री एंड कंपल्सरी एजुकेशन एक्ट, दिल्ली राइट ऑफ चिल्ड्रन टू फ्री एंड कंपल्सरी रुल्स और दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट के नियमों के मुताबिक बच्चों को शिक्षण सत्र के शुरू में ही उन्हें स्कूल यूनिफॉर्म, शिक्षण सामग्री इत्यादि सुविधाएं मिलनी चाहिए। याचिका में कहा गया है दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले 2,69,488 छात्र और दिल्ली नगर निगम में पढ़ने वाले 3,83,203 छात्र शिक्षा के अधिकार कानून के तहत मिलने वाले वैधानिक सुविधाओं से वंचित हैं। याचिका में 14 नवंबर 2023 के ऑडिट मेमो का जिक्र किया गया है जिसमें कहा गया है कि 2016-17 से शिक्षण सत्र से दिल्ली नगर निगम के छात्रों को वैधानिक वित्तीय सुविधा नहीं दी जाती हैं। विडम्बना देखिये दुनिया के लिये आदर्श मॉडल के रूप में दिल्ली की सरकारी स्कूलों को प्रचारित करने वाली स्कूलों की स्थिति कितनी खतरनाक हैं। स्कूल में एक ही कमरे को साइंस लैब, आर्ट रूम और लाइब्रेरी के तौर पर प्रयोग किया जा रहा है। एक कक्षा में 70 से 80 बच्चे हैं। दोनों पालियों में लगभग 4 हजार छात्र-छात्राएं यहां पढ़ते हैं। स्कूल में कुल 15 कमरे हैं, लेकिन अधिकारिक तौर पर 7 साल पहले इस स्कूल को असुरक्षित घोषित किया गया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस शिक्षा मॉडल की जिसका डंका वे दिन रात बजाते हैं। यहां तक कि न्यूयार्क टाइम्स में भी दिल्ली के शिक्षा मॉडल की तारीफों के पुल बांधते हुए लेख लिखे जाते हैं। उस शिक्षा मॉडल का यथार्थ बहुत भद्दा एवं खौफनाक है। शिक्षा के नाम पर एक बदनुमा दाग है। जिसकी झलक प्रजा फाउंडेशन एनजीओ की व्हाइट पेपर रिपोर्ट में मिलती है। यह रिपोर्ट केजरीवाल के दावे को मुंह चिढ़ा रही है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अरविंद केजरीवाल के सत्ता में आने के बाद से दिल्ली के सरकारी स्कूल में ड्रॉप आउट रेट बढ़ गया। साल 2014-15 में सरकारी स्कूल में ड्रॉप आउट रेट जहां 2.9 प्रतिशत था, दो साल के भीतर 2016-17 तक आते आते ड्रॉप आउट रेट 3.4 प्रतिशत हो गया। दिल्ली ईकोनॉमिक सर्वे 2021-22 में दिए गए आकड़े मुख्यमंत्री के प्रचारतंत्र से वादा खिलाफी कर रहे हैं। ये आंकड़े सरकार पर सवाल उठाते हुए बता रहे हैं कि अगर शिक्षा व्यवस्था सुधर रही है तो साल दर साल सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या घट क्यों रही है। ईकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक 2014-15 में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 15.42 लाख थी जो घटते-घटते 2017-18 में 14.81 लाख रह गई।

नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को लेकर जो रिपोर्ट जारी किया उसमें स्कूलों में प्रिंसिपल की कमी, ड्रॉप आउट, छात्र-शिक्षक अनुपात जैसी समस्या सामने उभर कर आई। इस रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के छात्रों में सीखने की क्षमता राष्ट्रीय औसत से कम है। सरकारी स्कूल में दाखिले के विपरीत प्राइवेट स्कूल में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में लगातार वृद्धि आई है। साल 2014-15 में दिल्ली के प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 13.47 लाख थी जो 2020-21 में बढ़ कर 17.82 लाख हो गई। यानी 2014-15 से लेकर 2020-21 तक 6 साल के अंतराल में दिल्ली के प्राइवेट स्कूल में दाखिला लेने वाले बच्चों की संख्या में जहां 4 लाख 85 की वृद्धि हुई, वहीं सरकारी स्कूल में दाखिला लेने वाले बच्चों की संख्या में महज 78 हजार की वृद्धि हुई। आप की 2020 के विधानसभा चुनाव में फिर से लगातार जबरदस्त जीत में सरकारी विद्यालय प्रणाली में सुधार के झूठे एवं भ्रामक दावों का ज़बरदस्त हाथ है, लेकिन अब इसकी सच्चाई धीरे-धीरे परत-दर-परत खुलने लगी है। आजादी का अमृत काल में दिल्ली की सरकारी स्कूलों का गिरता शिक्षा स्तर एवं बुनियादी सुविधाओं का अभाव आप सरकार पर एक बदनुमा दाग है, एक बड़ी नाकामी का द्योतक है। प्रश्न है कि किसे फिक्र है हमारी शिक्षा की? प्रश्न यह भी है कि झूठे प्रचार एवं दावों के बल पर आप सरकार कब तक दिल्ली की भोली-भाली जनता को गुमराह करती रहेगी? स्कूली शिक्षा में 'क्रांति' लाने के आप के दावे बच्चों के भविष्य से कब तक खिलवाड करते रहेंगे?

बिजनौर सीट में त्रिकोणीय मुकाबले ने बढ़ाई उम्मीदवारों की धड़कनें

अजय कुमार

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का जिला बिजनौर अपने भीतर काफी पुरानी विरासत सजोये हुए हैं। बिजनौर लोकसभा सीट पर इस बार सियासी समीकरण काफी बदले हुए हैं। यह वही सीट है जिससे बसपा सुप्रीमो मायावती और कांग्रेस की मीरा कुमार पहली बार संसद पहुंचीं। यह वही सीट है, जिस पर मायावती, रामविलास पासवान और जयाप्रदा को हार का स्वाद चखना पड़ा था। इस सीट पर लोकसभा चुनाव पर पांच बार कांग्रेस को तो चार बार भाजपा का कब्जा रहा। रालोद ने दो बार व सपा तथा बसपा ने एक-एक बार इस सीट पर परचम लहराया। 2011 की जनगणना के अनुसार, बिजनौर की आबादी लगभग 36 लाख थी। जनगणना के अनुसार, बिजनौर में 55.18 फीसदी हिंदू और 44.04 फीसदी मुस्लिम रहते हैं। बिजनौर लोकसभा क्षेत्र में कुल पांच विधानसभा सीटें शामिल हैं। ये सीटें हैं पुरकाजी, मीरापुर, बिजनौर, चांदपुर और हस्तिनापुर। वर्ष 1985 में हुआ उपचुनाव सबसे अधिक यादगार रहा, जिसमें तीन दिग्गज मैदान में उतरे। इसी चुनाव में कांग्रेस की मीरा कुमार पहली बार यहां से सांसद चुनी गईं। उन्होंने लोकदल प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान को हराया। बसपा सुप्रीमो मायावती निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ीं और वह तीसरे नंबर पर रहीं थीं। 1989 में हुए लोकसभा चुनाव में मायावती का सितारा बुलंद हुआ। वह जीतीं और पहली बार लोकसभा पहुंचीं। वर्ष 1991 में फिर से मायावती को हार का मुंह देखना पड़ा। भाजपा के मंगलराम प्रेमी ने उन्हें पराजित किया। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बीएसपी उम्मीदवार मूलक नागर की जीत हुई थी, इस चुनाव में बीएसपी ने उनका टिकट काट लिया है उनकी जगह हाल ही में आरएलडी छोड़कर बीएसपी में शामिल हुए विजेंद्र सिंह को टिकट दिया है। बसपा प्रत्याशी विजेंद्र सिंह ने कहा कि हम आरोप प्रत्यारोप की राजनीति पर विश्वास नहीं करते, ना ही हम बदले की राजनीति में विश्वास करते हैं। युवाओं को हम हिंदू मुस्लिम की राजनीति में नहीं झोंकना चाहते। हमारे बुजुर्ग कहते थे- तू हिंदू ना बनेगा ना मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है इंसान बनेगा। वहीं सपा प्रत्याशी दीपक सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का शुक्रिया, बात रही टिकट काटने की, उनका फ़ैसला है। उनका सम्मान करता हूं। सपा प्रत्याशी दीपक सैनी के पिता समाजवादी पार्टी के मौजूदा विधायक हैं। हमने उनसे पूछा कि बीजेपी परिवारवाद पर चोट करती है, आप खुद विधायक पुत्र हैं और सांसदी का टिकट मिल गया। पिताजी विधायक हैं इसका मतलब ये नहीं की हम में क़ाबिलियत नहीं हैं, काबिल हैं। आरएलडी-बीजेपी गठबंधन के तहत आरएलडी के खाते गई बिजनौर सीट पर जयंत चौधरी ने चंदन चौहान पर भरोसा जताया है। जमीन पर आरएलडी और बीजेपी के कैडर मिलकर चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं, पोस्टर से लेकर नारों तक दोनों पार्टियां एकजुट होकर मैदान में डटी हुई हैं। आरएलडी उम्मीदवार चंदन चौहान कहते हैं कि जनता के वही मुद्दे हैं। विकसित भारत में क्या भूमिका बिजनौर की रहेगी, क्या भूमिका यूपी में रहेगी। आने वाले समय में बेहतर बदलाव और शांति सुरक्षा के साथ पूरा यूपी तरक्क़ी करे ये भूमिका सुनिश्चित करेंगे।

भाजपा ने अपने गले में सांप बांध लिया

अजय सेतिया

भारतीय जनता पार्टी ने भोजपुरी गायक पवन सिंह को बंगाल की आसनसोल सीट से टिकट दिया था। पहले तो उन्होंने खुशी मनाई, लेकिन 24 घंटे बाद ही आसनसोल से चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया। इसका कारण यह था कि तृणमूल कांग्रेस ने उनके फूहड़ भोजपुरी गाने वायरल कर दिए थे, खासकर वे गाने जो बंगाली औरतों पर गाए गए थे। उसी पवन सिंह ने अब बिहार की काराकाट सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान करके भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भाजपा ने यह सीट समझौते में उपेन्द्र कुशवाहा को दी हुई है, जिन्हें वह उस समय जेडीयू से तोड़ कर अपने साथ लाई थी, जब नीतीश कुमार इंडी एलायंस में थे, और मोदी को सत्ता से बाहर करने के सपने संजो रहे थे।

उपेन्द्र कुशवाहा उस समय भी भाजपा के लिए महत्वपूर्ण थे, और अब भी हैं, क्योंकि उपेन्द्र कुशवाहा के साथ ही नीतीश कुमार की लव कुश की जोड़ी बनी थी। आसनसोल से चुनाव लड़ने से इंकार करने के बाद पवन सिंह दिल्ली आए और जेपी नड्डा से मिले थे। उस मीटिंग में पवन सिंह ने बिहार की आरा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी। जबकि भाजपा ने उनके नाम पर विचार करने के बजाए वहां से अपने पुराने उम्मीदवार आरके सिंह को ही टिकट दिया है। हालांकि भाजपा का काडर आरके सिंह से खुश नहीं है, क्योंकि यूपीए के कार्यकाल में गृह सचिव रहते हुए हिन्दू आतंकवाद का नाम उन्होंने ही दिया था। भाजपा चाहती थी कि पवन सिंह आसनसोल से ही चुनाव लड़ें, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार शत्रुध्न सिन्हा के मुकाबले वह सशक्त उम्मीदवार थे। जैसे 2019 में भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने पटना से कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ रहे शत्रुघ्न सिन्हा को बुरी तरह हरा दिया था, वैसे ही आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस टिकट पर उपचुनाव जीते शत्रुघ्न सिन्हा को पवन सिंह बड़ी आसानी से हरा सकते थे।

लेकिन जब वह नहीं माने तो भाजपा ने 10 अप्रेल को वहां से एस.एस. आहलुवालिया को टिकट दे दिया, जो पिछली बार बंगाल की बर्धवान-दुर्गापुर सीट से और 2014 में दार्जिलिंग सीट से चुनाव जीते थे। आहलुवालिया के नाम

की घोषणा होने के दो घंटे बाद ही पवन सिंह ने आरा के बगल की काराकोट सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। अब इसे भले ही उपेन्द्र कुशवाहा के लिए खतरे के तौर पर देखा जा रहा हो, लेकिन सच यह है कि भाजपा ने अपने गले में खुद ही सांप बाँध लिया है। पवन सिंह का निर्दलीय चुनाव लड़ना बिहार-झारखंड की कई सीटों पर भाजपा को भारी पड़ सकता है। जिन जगहों पर भोजपुरी भाषाई लोगों की अच्छी संख्या है, उन सीटों पर पवन सिंह का फैक्टर काम कर सकता है। काराकाट के बगल में आरा, सारण सीट पर भाजपा को नुकसान हो सकता है। इसी तरह झारखंड में धनबाद और जमशेदपुर जैसी सीटों पर भी पवन सिंह के विद्रोह का असर एनडीए उम्मीदवारों पर पड़ेगा। इन दोनों ही सीटों पर भोजपुरी और राजपूत वोटरों की अच्छी खासी संख्या है। राजनीतिक गलियारों में एक चर्चा यह भी है कि पवन सिंह ने लालू यादव के साथ मिलकर भाजपा के साथ खेल कर दिया है। पवन सिंह की लालू यादव परिवार से नजदीकी पहले से रही है। ऐसे में भाजपा को आँख कान खोल कर चलना चाहिए था।

एक चर्चा यह भी है कि भाजपा ने कुशवाहा समाज में पकड़ बनाने के लिए ही सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। वह सम्राट चौधरी के रास्ते के सारे कांटे हटाना चाहती है। लेकिन यह चर्चा इसलिए विश्वसनीय नहीं लगती क्योंकि भाजपा उपेन्द्र कुशवाहा को हरा कर न सिर्फ एनडीए की ही एक सीट कम करेगी, बल्कि बिहार झारखंड की अपनी कम से कम चार पांच सीटों को संकट में डालेगी। उपेन्द्र कुशवाहा भाजपा के लिए कम महत्वपूर्ण नहीं है। भाजपा अगर 2025 के विधानसभा चुनावों में अपनी सरकार बनाना चाहती है, तो उसे छोटी छोटी जातियों के नेताओं को अपने पाले में लाना होगा। उन्हें अपने पाले से भगा कर भाजपा अपनी सरकार नहीं बना सकती। तीन सीटों की मांग कर रहे उपेंद्र कुशवाहा मुश्किल से काराकाट की एक सीट पर सहमत हुए थे। शुरुआत में तो यहाँ तक चर्चा थी कि नीतीश कुमार के एनडीए में वापस आ जाने से वह असहज हैं, और भाजपा का साथ छोड़कर लालू यादव के साथ जाने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने एनडीए के भीतर ही हालात से समझौता कर लिया था।

2008 में हुए परिसीमन के बाद काराकाट सीट अस्तित्व में आई थी, 2009 में भाजपा और जेडीयू मिल कर चुनाव लडे थे और इस सीट पर जेडीयू के महाबली कुशवाहा जीते थे, लेकिन 2014 में अपनी पार्टी बना कर उपेन्द्र कुशवाहा ने महाबली कुशवाहा को हरा दिया था। 2019 में महाबली कुशवाहा ने उपेन्द्र कुशवाहा को हरा दिया था। काराकाट सीट पर सबसे ज्यादा लगभग 3 लाख यादव वोटर हैं, लगभग डेढ़ लाख मुस्लिम, कुशवाहा और कुर्मी मिलाकर ढाई लाख वोटर हैं। राजपूत जाति के भी लगभग 2 लाख वोटर हैं। पिछले तीनों ही चुनावों में कुशवाहा उम्मीदवार ही जीतते रहे हैं। इंडी एलायंस ने बंटवारे में यह सीट सीपीआई एमएल को दी है, जिसने कुशवाहा समाज के राजा राम सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

पवन सिंह की एंट्री से राजपूतों और यादवों की उनके पक्ष में गोलबंदी होने की पूरी संभावना है। क्योंकि आरजेडी का उम्मीदवार नहीं है, इसलिए यादव और मुस्लिम वोटरों का रुझान पवन सिंह की तरफ हो सकता है। यानी दो-दो कुशवाहा उम्मीदवारों के सामने राजपूत, यादव और मुस्लिम पवन सिंह के पक्ष में गोलबंद हो सकते हैं। पवन सिंह के प्रशंसक सभी जातियों और वर्गों में पाए जाते हैं। उनके स्टेज शो में बिहार के गांवों में हजारों की भीड़ उमड़ती है।

राहुल गांधी की कांग्रेस में प्रचार के लिए भारी मांग

हरीश गुप्ता

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी का भले ही भाजपा द्वारा रोज-रोज उपहास किया जा रहा हो और भगवा पार्टी की सोशल मीडिया सेना उन्हें हर चीज के लिए ट्रोल करती हो, लेकिन अगर उनके राजनीतिक मामलों और कार्यालय का प्रबंधन करने वालों की मानें तो राहुल गांधी की अपनी पार्टी में भारी मांग बनी हुई है। ऐसा कहा जाता है कि पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार चाहते हैं कि राहुल गांधी उनके निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार करें, हालांकि अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी वाड्रा की मांग भी उतनी ही अधिक है लेकिन वह कभी यात्रा नहीं करती हैं।

जबकि राहुल गांधी करते ही रहते हैं। जो भी हो, राहुल गांधी की मांग सबसे ज्यादा है। राहुल गांधी के एक सहयोगी हाल ही में तब भड़क गए जब एक कांग्रेस नेता ने उनसे गांधी परिवार के वंशज के साथ उनकी एक मिनट की मुलाकात की व्यवस्था नहीं करने पर सवाल उठाया। वरिष्ठ नेता दिल्ली से थे और एक महीने से अधिक समय से राहुल गांधी से मिलने की कोशिश कर रहे थे।

सहयोगी ने उन्हें दो टूक बताया कि 700 से अधिक पार्टी नेता 'आर.जी.' से मिलने का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव प्रचार और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों में बेहद व्यस्त हैं। राहुल गांधी के बेहद व्यस्त कार्यक्रम का अंदाजा हाल ही में तब लगा जब कांग्रेस के मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया कि मिलिंद देवड़ा ने उनसे फोन पर बात की थी। दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट पर शिवसेना (यूबीटी) द्वारा दावा करने पर अपनी चिंताओं को लेकर राहुल गांधी से बात करने की इच्छा जताई थी। पार्टी के कई नेता इस बात से हैरान थे कि देवड़ा सीधे तौर पर राहुल से संवाद नहीं कर सके, जबकि वह उनके काफी करीबी माने जाते थे। भाजपा नेतृत्व को विशेष रूप से केरल में कई ईसाई बहुल लोकसभा क्षेत्रों में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आउटरीच कार्यक्रम के तहत कई कदम उठाए हैं और अपने आवास पर उनके धार्मिक नेताओं की मेजबानी की है, लेकिन समस्या बनी हुई है। कार्डिनल इस बात से

नाखुश थे कि लंबे समय से चली आ रही परंपरा की अनदेखी करते हुए पिछले कई वर्षों के दौरान पोप फ्रांसिस को आमंत्रित नहीं किया गया था। हालांकि सरकार ने बताया कि निमंत्रण भेजे जाने के बाद एक पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समय-सीमा पर काम किया जा रहा है। ईसाई इस बात से भी नाखुश हैं कि उनके समुदाय के एक भी सदस्य को 75 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से किसी में भी कुलपति के रूप में नियुक्त नहीं किया गया है। सौभाग्य से, केरल के प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने उन्हें बताया कि शिक्षा मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके समुदाय के दो वीसी नियुक्त किए गए थे।

वे शिकायत कर रहे हैं कि अल्पसंख्यकों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्थापित राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग (एनसीएमईआई) वर्षों से चार की निर्धारित संख्या के मुकाबले सिर्फ एक सदस्य के साथ चल रहा है। अर्ध-न्यायिक निकाय अल्पसंख्यकों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उनके द्वारा स्थापित संस्थानों को अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र प्रदान करता है। पिछले आठ वर्षों से आयोग में कोई ईसाई सदस्य नहीं है। शाहिद अख्तर वर्तमान में आयोग के एकमात्र सदस्य हैं। सामान्य तौर पर ईसाई समुदाय और विशेष रूप से कैथोलिक चर्च हजारों शैक्षणिक संस्थान चलाते हैं। अकेले कैथोलिक चर्च के 50,000 संस्थान हैं जिनमें 6 करोड़ छात्र हैं।

मीडिया के पसंदीदा, आकर्षक, विनम्र और टेलीविजन समाचार चैनलों के स्थायी चेहरे राघव चड्ढा एक महीने से अधिक समय से परिदृश्य से गायब हैं। वह अपनी अभिनेत्री पत्नी परिणीति चोपड़ा के साथ कथित तौर पर आंख की सर्जरी के लिए लंदन गए थे। हालांकि इस जोड़े ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में आयोजित इंडिया फोरम 2024 और कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया था। बताया गया है कि वह अपनी आंख का इलाज करा रहे हैं जबकि उनकी पत्नी को इस महीने की शुरुआत में मुंबई हवाई अड्डे पर उतरते देखा गया था। चर्चा है कि चड्ढा भारत लौटने में देरी कर रहे हैं क्योंकि ईडी दिल्ली जल बोर्ड की चल रही जांच में उनका नाम ले सकती है। 2 करोड़ रुपए के रिश्वत मामले में ईडी पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। हालांकि इसमें चड्ढा के नाम का जिक्र नहीं है। लेकिन ईडी एक पूरक आरोप पत्र दायर करने की योजना बना रही है और उन्हें पूछताछ के लिए बुला सकती है। पिछले कुछ दिनों से राघव चड्ढा संपर्क क्षेत्र से बाहर हैं और परिणीति चोपड़ा भी मीडिया को दूर रख रही हैं। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि परिणीति चोपड़ा की बहन प्रियंका चोपड़ा, जो सत्ता के करीब मानी जाती हैं, मेल-मिलाप कराने की भूमिका निभा सकती हैं। एक लंबा इंतजार और भयावह सन्नाटा है!

भाजपा ने वरुण गांधी को टिकट क्यों नहीं दिया और उनकी मां मेनका को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए क्यों चुना? यह सवाल भाजपा आलाकमान के करीबी लोगों को भी परेशान करता रहता है। कई लोग कहते हैं कि 2021 में मोदी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने के बाद वरुण गांधी को अपने सार्वजनिक बयानों की कीमत चुकानी पड़ी। हालांकि इस मुद्दे पर उनके और भाजपा प्रमुख जे.पी. नड्डा के बीच कुछ बैठकें हुईं। ऐसा कहा जाता है कि वरुण गांधी का नाम राज्यमंत्री पद के लिए रखा गया था, लेकिन उन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें स्वतंत्र प्रभार वाला राज्यमंत्री बनाने पर विचार किया जाए ताकि वह अपनी क्षमता साबित कर सकें।

बता दें कि 2019 में मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान ही उनकी मां मेनका गांधी कैबिनेट से बाहर हो गई थीं। तब से, मेनका गांधी ने चुप्पी साध रखी थी और पार्टी का जो भी काम उन्हें सौंपा गया था, वह करती रहीं। लेकिन युवा फायर ब्रांड नेता होने के नाते वरुण गांधी नाराजगी दिखाते रहे। यह भी पता चला है। हालांकि यह अपुष्ट है कि वरुण गांधी से परोक्ष रूप से पूछा गया था कि क्या वह कांग्रेस से जुड़े गांधी परिवार के किसी सदस्य के खिलाफ चुनाव लड़ने के इच्छुक होंगे। कहा जाता है कि वरुण अनिच्छुक दिखे, हालांकि उन्होंने मना नहीं किया। टिकट कटने के बाद वरुण गांधी ने चुप्पी साध रखी है, सिवाय इसके कि उन्होंने पीलीभीत के लोगों को एक हार्दिक पत्र लिखकर कहा है कि उनके दरवाजे हमेशा उनके लिए खुले रहेंगे।

चुनाव के दौरान नीति निर्माण और इससे उपजे कुछ प्रश्न

ए के भट्टाचार्य

वर्ष 2024 अफसरशाहों के लिए अलग कैसे है? इस वर्ष की हकीकत यह है कि जो लोग चुनावी काम में नहीं लगे हैं वे जून 2024 में लगने वाली नई सरकार के क्रियान्वयन के लिए कार्य योजना बनाने में लगे हैं। यह कोई साधारण कार्य योजना नहीं है। इसमें ऐसे उपाय और नीतियां शामिल हैं जिन्हें नई सरकार को अपनाना चाहिए और जिन पर अगले पांच वर्ष के दौरान काम करना चाहिए। इतना ही नहीं। इस योजना में ऐसे कदम भी शामिल हो सकते हैं जिन्हें सरकार को अपने नए कार्यकाल के पहले 100 दिन में उठाना चाहिए। 100 दिन क्यों? शायद 100 दिन की समय सीमा का अर्थ है उस गति और ध्यान केंद्रित करने की भावना भरना जिसके साथ नई निर्वाचित सरकार इन निर्णयों का क्रियान्वयन करेगी। या फिर शायद विचार यह है कि वैसा उत्साह पैदा किया जाए जैसा तीन दशक पहले पी वी नरसिंह राव के 100 दिन के नीतिगत कदमों ने जगाया था। ऐसा भी नहीं है कि अफसरशाह आम चुनाव के बाद इस गति से काम नहीं करते। उदाहरण के लिए 2009 में अफसरशाहों ने कड़ी मेहनत करके सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी सत्यम को वित्तीय धोखाधड़ी से उबारा था। कंपनी के मालिकों ने उसी वर्ष जनवरी में धोखाधड़ी की बात स्वीकार की थी। वित्त मंत्रालय और कंपनी मामलों के मंत्रालय के अफसरशाहों ने कई रातों तक जाग-जागकर पेशेवरों की एक स्वतंत्र समिति की सहायता की थी ताकि वित्तीय संकट से जूझ रही कंपनी के लिए खरीदार तलाश किया जा सके। इस समय ऐसी कोई परिस्थिति नहीं थी जो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को 2024 में ऐसी तेजी के लिए विवश करे। अफसरशाहों के बीच इस हड़बड़ी की वजह दूसरी है। मोदी ने पहले ही मतदाताओं से कह दिया है कि वे नई सरकार के गठन के शुरुआती कुछ दिनों में ही भ्रष्टाचार विरोधी कदमों के लिए तैयार रहें। ऐसी भी खबरें हैं कि मोदी सरकार इस योजना को इसलिए सामने रख रही है ताकि हर किसी को नई सरकार के दृष्टिकोण का पता चल जाए और यह भी कि वह भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने की दिशा में कौन से प्रयास कर रही है। कुछ खबरों में अधोसंरचना निर्माण पर नए सिरे से जोर देने की बात की जा रही है जबकि अन्य कह रही हैं कि कुछ वर्ष पहले संसद द्वारा पास चार श्रम संहिताओं सहित आर्थिक नीति संबंधी सुधारों को अंजाम दिया जाएगा। ऐसा लगता है कि वित्त मंत्रालय ने चुनाव के बाद पेश किए जाने वाले पूर्ण बजट की तैयारी शुरू कर दी है। रिजर्व बैंक को भी मोदी सलाह दे चुके हैं कि वह अगले कुछ सप्ताह के लिए आंतरिक चर्चा करे क्योंकि नई सरकार बनने के बाद कुछ कदम जल्दी उठाए जाएंगे। ये पहल अस्वाभाविक क्यों लग रही हैं? वे इसलिए अस्वाभाविक लग रही हैं क्योंकि अतीत में किसी सरकार ने चुनाव के पहले अगले कार्यकाल की नीतियां नहीं बनाईं। मोदी ने भी 2019 के आम चुनाव के पहले ऐसा नहीं किया था। जून 2024 में भाजपानीत सरकार बनेगी यह तो विपक्षी दल भी मानते नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि सरकार 2024-25 की कार्य योजना चुनाव से पहले ही बना रही है। इन पहलों से दो तरह के प्रश्न उत्पन्न होते हैं। पहली तरह के प्रश्न उस परंपरा के बारे में हैं जिनका पालन सरकार को करना चाहिए। यही परंपरा है जो सरकार को एक सरकार को पांच साल के कार्यकाल में पांच पूर्णकालिक बजट प्रस्तुत करने की इजाजत देती है। यही वजह है कि गत फरवरी में वित्त मंत्री ने पूर्ण नहीं अंतरिम बजट पेश किया। दूसरी तरह के सवाल इस बात से संबद्ध हैं कि चुनाव आयोग को अफसरशाहों द्वारा ऐसी नीतियों को तैयार किए जाने को किस तरह देखना चाहिए? यहां अहम सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग द्वारा चुनावों की तारीख घोषित करने के बाद सरकार की प्रकृति में कोई बदलाव आता है। एक बार आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद क्या सरकार को अगले पांच वर्ष की नीतियां बनाने में सक्रिय भागीदारी करने से रोका जाना चाहिए और यह काम नई सरकार पर छोड़ दिया जाना चाहिए?

गर्मी में स्किन पर लगाएं रोजमेरी और मिंट का फेस पैक, दमकने लगेगी आपकी स्किन

गर्मी का मौसम शुरू होते ही स्किन की परेशानियां भी शुरू हो जाती हैं।

अमूमन इस मौसम में पसीना, ऑयल से लेकर एक्ने, और स्किन में जलन जैसी कई तरह की परेशानियां होती हैं।

यह देखने में आता है कि समर में स्किन की केयर करने के लिए लोग तरह-तरह के ब्यूटी ट्रीटमेंट्स या ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। जबकि आप नेचुरल तरीके से भी अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं। मसलन, इस मौसम में अपनी स्किन को कूलिंग इफेक्ट देने व उसे ग्लोइंग बनाने के लिए फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप रोजमेरी और मिंट की मदद से फेस पैक बनाते हैं तो इससे आपकी स्किन को बहुत अधिक फायदा मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको गर्मी के मौसम के लिए रोजमेरी और मिंट की मदद से बनने वाले कुछ फेस पैक के बारे में बता रहे हैं-

बनाएं रोज़मेरी मिंट क्लींजिंग फेस पैक गर्मी में स्किन को डीप क्लीन करने के लिए आप इस फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री

- 1 बड़ा चम्मच सूखी रोजमेरी
- 1 बड़ा चम्मच सूखे पुदीने की पत्तियां (बारीक पाउडर में कुचली हुई)
- 1 बड़ा चम्मच ओटमील
- आवश्यकतानुसार गुलाब जल

फेस पैक बनाने का तरीका

- सबसे पहले एक बाउल में क्रश की हुई सूखी रोजमेरी, पुदीने की पत्तियां और ओटमील मिक्स करें।
- अब इसमें थोड़ा गुलाब जल मिलाएं, ताकि एक स्मूथ पेस्ट बन जाएं।
- अब तैयार पैक को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं और सर्कुलर मोशन में धीरे-धीरे मालिश करें।
- इसे 15-20 मिनट तक लगा रहने दें।
- अंत में, गुनगुने पानी से धो लें और थपथपा कर सुखा लें।

रोज़मेरी-मिंट हाइड्रेटिंग फेस पैक

गर्मी में लगातार पसीना आने के कारण स्किन को अतिरिक्त हाइड्रेशन की जरूरत होती है। ऐसे में यह फेस पैक इस्तेमाल किया जा सकता है।

आवश्यक सामग्री

- 2 बड़े चम्मच रोजमेरी
- 2 बड़े चम्मच पुदीने की पत्तियां
- 1 बड़ा चम्मच शहद
- 1 बड़ा चम्मच सादा दही

इस्तेमाल का तरीका

- सबसे पहले रोजमेरी और पुदीने की पत्तियों को एक साथ पीसकर बारीक पेस्ट बना लें।
- अब इस पेस्ट में शहद और दही डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- तैयार मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं।
- इसे 15-20 मिनट तक लगा रहने दें।
- अंत में, इसे गुनगुने पानी से धो लें और थपथपा कर सुखा लें।

● मिताली जैन

अगर आप पूरा दिन खामोश रहें तो आपकी बॉडी पर कैसा दिखेगा असर

एक्सपर्ट से जाने इसके फायदे

कई धर्मों में स्पीच फास्टिंग को परमात्मा तक पहुंचने का रास्ता बताया है। स्पीच फास्टिंग करने से आंतरिक शक्ति में बढ़ोतरी होती है। खामोशी सबसे बेहतर चीज है। ज्यादा बोलना ना सिर्फ लोगों को तकलीफ पहुंचा सकता है बल्कि एनर्जी को भी बर्न करता है। अक्सर लोगों की आदत होती है घर में रहें या फिर दफ्तर में रहें काम करते-करते बोलते रहते हैं। कभी-कभी ज्यादा बात करना दिल को बहलाने जैसा होता है लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो दिन भर बोलते रहते हैं। काम करते हैं तो बोलते हैं, खाली रहते हैं तो बोलते हैं।

कभी आपने सोचा है कि अगर आप पूरा दिन खामोश रहें तो आपकी सेहत पर कैसा असर दिखेगा। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल, मुंबई में डॉ शौनक अजिंक्य, सलाहकार- मनोचिकित्सक ने बताया कि एक दिन की खामोशी का असर आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि स्पीच फास्टिंग करने का सेहत पर कैसा असर दिखता है।

स्पीच फॉस्टिंग करेंगे तो तनाव होगा दूर

स्पीच फास्टिंग करने से आपके वोकल कोर्ड को आराम मिलता है। दिन भर की खामोशी आपका तनाव कम करती है और थकान को दूर करती है। स्पीच फास्टिंग करने से कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन में कमी आती है जिससे बॉडी को आराम मिलता है और सुकून की नींद आती है।

आत्मनिर्भर और जागरूक होते हैं आप

अगर आप पूरा दिन खामोश रहते हैं और बहुत ज्यादा बोलते नहीं है तो आप अधिक आत्म निर्भर और जागरूक बनते हैं। खामोश रहेंगे तो आप दूसरों की बात बेहद ध्यान से सुनेंगे। खामोश रहने से आपके कम्युनिकेशन स्किल में सुधार होगा।

स्प्रिचवल कनेक्शन

कई धर्मों में स्पीच फास्टिंग को परमात्मा तक पहुंचने का रास्ता बताया है। स्पीच फास्टिंग करने से आंतरिक शक्ति में बढ़ोतरी होती है। आप खामोश रहकर अपनी अंतरआत्मा की आवाज को समझ और सुन सकते हैं।

एक दिन स्पीच फास्टिंग करने से बॉडी में कैसा होता है असर

डॉ. अजिंक्य ने कहा पूरे दिन स्पीच फास्टिंग करने से बॉडी को आराम मिलता है। आपके वोकल कोर्ड,गले की मांसपेशियों और चेहरे की मांसपेशियों को आराम मिलता है। लम्बे समय तक खामोश रहने से गहरी सांस लेने से बॉडी को आराम मिलता है और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है। बीपी कंट्रोल रहने से दिल की सेहत दुरुस्त रहती है।

मानसिक स्पष्टता आती है

कम बोलने से ना सिर्फ आपका दिमाग तेज होता है बल्कि आप विकर्षणों के साथ, आपका दिमाग तेज़ और अधिक केंद्रित महसूस कर सकता है। आप अपने और दूसरे दोनों के अशाब्दिक संकेतों के प्रति अधिक अभ्यस्त हो सकते हैं। एक दिन खामोश रहने से आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है।

एक्ट्रेस की तरह रॉयल लुक पाना हैं तो वियर करें ये बनारसी साड़ी

आजकल बनारसी साड़ी का फैशन काफी ट्रेंडिंग में है। अगर आप भी एक्ट्रेस की तरह पाना चाहते हैं रॉयल लुक तो पहने ये बनारसी साड़ी। इन साड़ी में आप बला की खूबसूरत लगेंगी। वहीं ये रॉयल लुक भी देगी। अगर आप भी बनारसी साड़ी पहनने के दौरान रॉयल लुक चाहती हैं तो आप इस लेख में बताई गयी बनारसी साड़ी जरुर वियर करें।

साड़ी हर मौके पर पहनी जाती है। इस वजह से महिलाएं साड़ी वियर करना काफी पसंद करती है। अगर आप भी साड़ी में रॉयल दिखाना चाहती हैं तो इन सेलेब्स का बनारसी साड़ी लुक जरुर ट्राई करें। अगर आप भी बनारसी साड़ी पहनने के दौरान रॉयल लुक चाहती हैं तो आप इस लेख में बताई गयी बनारसी साड़ी जरुर वियर करें।

ब्लू बनारसी साड़ी

अगर आपको भी साड़ी में रॉयल लुक चाहिए तो आप एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की साड़ी लुक से आइडिया ले सकती हैं। एक इवेंट के दौरान दीपिका ने ब्लू कलर की बनारसी साड़ी पहनी थी। इस साड़ी में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत नजर आ रही है। इस साड़ी के साथ हैवी नेक पीस साथ ही सिपंल बन बनाया है। वहीं एक्ट्रेस ने इस ब्लू साड़ी के साथ मिनिमल मेकअप किया है। इस लुक को पाने के लिए आप इस तरह की साड़ी बाजार से खरीद सकती है।

ऑरेंज बनारसी साड़ी

साड़ी में रॉयल लुक पाने के लिए आप ऑरेंज बनारसी साड़ी जरुर ट्राई करें। इस तरह की साड़ी अभिनेत्रा ईशा गुप्ता पहन चुकी है। एक्ट्रेस ने ऑरेंज कलर की बनारसी साड़ी वियर की है।

इस साड़ी में एक्ट्रेस का लुक रॉयल नजर आ रहा है। वहीं इस तरह की साड़ी आपको आसानी से बाजार से मिल जाएंगी चाहें तो आप इसे ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं। इस साड़ी को वियर करने के बाद आप बेहद खूबसूरत नजर आएगी। वहीं आप इस साड़ी के साथ मैचिंग ज्वेलरी वियर कर सकते हैं या फिर गोल्डन कलर नेकपीस। इसके साथ ही आप फुटवियर में हील्स या फिर जुती वियर कर सकती हैं।

ऑफिस स्टाइल को बेहतर बनाने के लिए कैरी करें फ्लेयर्ड पैंट, फॉर्मल लुक में दिखेंगी कमाल

अक्सर हम सभी ऑफिस लुक के लिए फॉर्मल पहनने की सोचते हैं। लेकिन कई बार हमें समझ नहीं आता है कि फॉर्मल के लिए किस तरह के आउटफिट हमारे ऊपर अच्छे लगेंगे। ऐसे में फॉर्मल के लिए हम सभी सबसे पहले सूट ट्राई करते हैं। लेकिन अगर आप ऑफिस लुक के फॉर्मल आउटफिट में कुछ चेंज लाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि आप ऑफिस के लिए फ्लेयर्ड पैंट भी स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपको लुक भी अच्छा मिलेगा और साथ ही आपको कुछ नया ट्राई करने का मौका भी मिल जाएगा।

रफल स्टाइल टॉप

आप ऑफिस के लिए फ्लेयर्ड पैंट के साथ रफल टॉप कैरी कर सकती हैं। आपको अलग-अलग कलर और डिजाइन में इस तरह के टॉप मिल जाएंगे। आप इस तरह की टॉप को जैकेट और कोट के साथ भी पहन सकती हैं। इसमें आपको फॉर्मल लुक भी मिलेगा। आप अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए मिनमल ज्वेलरी भी पहन सकती हैं। बाजार में 200 से 250 रुपये में टॉप खरीद सकती हैं।

टी शर्ट स्टाइल टॉप

आप फ्लेयर्ड पैंट के साख टी शर्ट टॉप भी कैरी कर सकती हैं। इस तरह के टॉप काफी अच्छे लगते हैं और इनको पहनने से फॉर्मल लुक मिलता है। ऐसे में आप जिस कलर की पैंट ले रही हैं, उसी कॉन्ट्रास्ट में टॉप खरीद लें। जिससे कि इसको पहनने पर आपको अच्छा लुक मिल सके। आप चाहें तो नेकलाइन का भी ध्यान रख सकती हैं। बाजार में इस तरह के टॉप 200-250 रुपए के बीच मिल जाएगा।

शर्ट स्टाइल टॉप के साथ पैंट

हांलाकि पैंट के डिजाइन और कलर में आपको कई ऑप्शन मिल जाएंगे। इन पैंट को आप शर्ट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। शर्ट स्टाइल टॉप ऑफिस में अच्छी लगती है, क्योंकि इसको कैरी करने पर आपको डिफरेंट लुक मिलता है। यदि आप किसी मीटिंग आदि में जा रही हैं। तो इसको कोट के साथ भी पहन सकती हैं। बता दें कि मार्केट में आपको 250-500 रुपए में इस तरह की टॉप मिल जाएंगे।

गर्मियों में ग्लास स्किन पाने का एकमात्र तरीका, डाइट में शामिल करें ये हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स , चिकनी और चमकदार हो जाएगी त्वचा

कोरियन ग्लास स्किन आजकल काफी चर्चा में है। बहुत से लोग कोरियन लोगों जैसी स्वस्थ और चमकती त्वचा चाहते हैं। %ग्लास स्किन% यानी चिकनी और चमकदार त्वचा पाने के लिए बहुत पापड़ बेलने पड़ते हैं, वो भी खासकर गर्मियों के महीनों में, जब त्वचा की देखभाल करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। गर्मियों के मौसम के चिपचिपे दिन त्वचा की सारी रंगत छीन लेते हैं, ऐसे में ग्लास स्किन पाने के सपने को कैसे पूरा किया जाए? ऐसा करने का एक तरीका ताज़ा और हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स पीना है। ताज़ा और हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स शरीर में पानी की कमी पूरी करती हैं, जो स्किन की रंगत लौटने में मदद कर सकती है। इसी के साथ ये ड्रिंक्स ग्लास स्किन लुक पाने में भी मदद कर सकती हैं।

खीरे और पुदीने की ड्रिंक- खीरे के स्लाइस को ताज़ी पुदीने की पत्तियों, पानी और थोड़े से नीबू के रस के साथ मिलाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। फिर इसका सेवन करें। खीरे हाइड्रेटिंग होते हैं और इसमें सिलिका होता है, जो त्वचा के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

तरबूज रिफ्रेशर- तरबूज को टुकड़ों में काटें और इसे नारियल के पानी के साथ ग्राइंड कर के जूस बना लें। इसका स्वाद बढ़ाने के लिए आप चाहें तो इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं। बता दें, तरबूज में पानी की मात्रा अधिक होती है। इसी के साथ इसमें विटामिन ए और सी भी होता है, जो त्वचा के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

नारियल पानी स्मूदी- गर्मियों के मौसम में नारियल पानी की डिमांड बढ़ जाती है। ये प्राकृतिक रूप से हाइड्रेट करते है। इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो त्वचा के जलयोजन को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। आप चाहें तो बेरीज, पालक और केले को नारियल पानी में मिलाकर स्मूदी बना सकते हैं और गर्म दिनों में इसका आनंद ले सकते हैं।

ग्रीन टी- ग्रीन टी बनाएं और इसे ठंडा होने दें, फिर इसमें ताजा नींबू का रस और थोड़ा सा शहद मिलाएं। ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। ये एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। नींबू की बात ये त्वचा को विटामिन सी प्रदान करता है। विटामिन सी से त्वचा चमकदार होती है।

एलोवेरा नींबू पानी- ताजा एलोवेरा के पल्प को ग्राइंड कर लें और फिर इसमें नींबू का रस मिलाकर ड्रिंक तैयार कर लें। आप चाहें तो मीठा करने के लिए इसमें स्वाद अनुसार शहद भी मिला सकते हैं। बता दें, एलोवेरा अपने हाइड्रेटिंग और सुखदायक गुणों के लिए जाना जाता है, जो इसे त्वचा के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बनाता है।

बेरी ब्लास्ट स्मूदी- स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी और रास्पबेरी जैसी बेरीज को मुट्ठी भर पालक और बादाम के दूध या दही के साथ ग्राइंड करके ड्रिंक तैयार कर लें। बेरीज एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं, जो गर्मियों के मौसम में त्वचा को नुकसान से बचाने में मदद करेंगी।

अनानास नारियल कूलर- अनानास के टुकड़ों को नारियल के दूध या नारियल पानी और नींबू के रस के साथ मिलाकर ड्रिंक तैयार कर लें। अनानास में एंजाइम होते हैं जो त्वचा की लोच को बढ़ावा दे सकते हैं, जबकि नारियल गर्म दिनों में त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करेगा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मोदी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध किया : अमित शाह

लखनऊ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 में पीएम मोदी के पीएम बनने का सबसे बड़ा कारण उत्तर प्रदेश था। उत्तर प्रदेश ने 2014 में 73 सीटें और 2019 में 65 सीटें दीं और इसलिए पीएम मोदी पूर्ण बहुमत के साथ पीएम बने। उन्होंने कहा कि हमें उन्हें तीसरी बार पीएम बनाना है, इस बार ना 73 चलेंगी ना 65 चलेंगी, इस बार 80 की 80 सीट मोदी की झोली में जाएंगी। भाजपा नेता ने दावा किया कि मोदी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध किया है। मोदी ने गरीबों का कल्याण करने का काम किया है। शाह ने कहा कि मोदी ने 10 साल में देश की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बना दी। आप तीसरी बार मोदी सरकार बना दो, मोदी की गारंटी है, इस बार भारत को हम तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बना देंगे।

प्रधानमंत्री के बयान को लेकर कांग्रेस का पलटवार

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया

बयान भ्रष्टाचारी जेल जाएंगे के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा कटाक्ष किया। रमेश ने कहा कि इस तरह के वादे के साथ, मोदी का मंत्रिमंडल लोकसभा चुनाव के बाद खुद को तिहाड़ जेल में एक सुंदर पुनर्मिलन में पा सकता है। रमेश ने सवाल किया कि जिसे उन्होंने वैध भ्रष्टाचार कहा है, उसकी देखरेख करने वालों को भी गिरफ्तारी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैशटैग #ElectoralBondScam के साथ एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। कांग्रेस नेता ले लिखा कि प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचारियों को जेल भेजने की गारंटी दी है। याद रखें कि #PayPM घोटाले में भ्रष्टाचार के चार तरीक़े देखने को मिले हैं। 1. प्री-पेड: चंदा दो, धंधा लो, 2. पोस्ट पेड: ठेका लो, रिश्वत दो, 3. पोस्ट रेड: ED/IT छापों के माध्यम से हफ़्ता वसूली और 4. फ़र्ज़ी कंपनियां।

सिसोदिया ने चुनाव प्रचार के लिए मांगी अंतरिम जमानत

नईदिल्ली। कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति

घोटाला मामले में सीबीआई और ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए आप नेता मनीष सिसोदिया ने चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत की मांग करते हुए शुक्रवार को अदालत का रुख किया। सीबीआई और ईडी के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा दिन में बाद में सुनवाई के लिए आवेदन पर विचार कर सकती हैं। सीबीआई के साथ-साथ ईडी ने भी आरोप लगाया है कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया गया या कम कर दिया गया और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस बढ़ा दिए गए। जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि लाभार्थियों ने कथित तौर पर अवैध लाभ को आरोपी अधिकारियों तक पहुंचाया और जांच से बचने के लिए अपने खाते की किताबों में गलत प्रविष्टियां कीं।

बसपा ने उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के चुनाव होने में बस कुछ ही दिनों का समय बचा है। ऐसे में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने चुनाव के लिए अपनी चौथी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में आजमगढ़, गोरखपुर, एटा और अन्य जगहों पर उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। आजमगढ़ निर्वाचन क्षेत्र के लिए बसपा के उम्मीदवार के रूप में भीम राजभर चुने गए है। वहीं, बालकृष्ण चौहान को घोसी से टिकट मिला है। इसके अलावा, फैजाबाद से सच्चिदानंद पांडे, एटा से मोहम्मद इरफान, बस्ती से दयाशंकर मिश्र, गोरखपुर से जावेद सिमनानी, चंदौली से सत्येन्द्र कुमार मौर्य और राबर्टसगंज से धनेश्वर गौतम को मैदान में उतारा गया है। इस बीच, बसपा की सर्वोच्च नेता, मायावती, पार्टी के प्रमुख नेताओं आकाश आनंद और सतीश चंद्र मिश्रा के साथ, पार्टी के चुनाव अभियान की पहुंच को बढ़ाते हुए, उत्तर प्रदेश के लगभग 50 जिलों में व्यापक रैलियों का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। मालूम हो कि उत्तर प्रदेश में पहले चतरण का चुनाव 19 अप्रैल को होगा जिसके नतीजे 4 जून को आएंगे।

मोदी को जेल भेजा जाएगा वाले बयान पर मीसा का यू-टर्न

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख

लालू प्रसाद यादव की बेटी और पार्टी की लोकसभा उम्मीदवार मीसा भारती के उस बयान पर शुक्रवार को विवाद खड़ा हो गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा। अब उन्होंने पूरे मामले को शांत करने की कोशिश की है। आज उन्होंने कहा कि मैंने चुनावी बांड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एक टिप्पणी की। मैंने कहा था कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आएगी तो हम जांच कराएंगे और आरोपियों को सजा देंगे। मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। मीडिया बीजेपी का एजेंडा तय कर रहा है। मीसा भारती ने हाल ही में कहा कि अगर विपक्ष के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है, तो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी भाजपा नेताओं को जेल में डाल दिया जाएगा।

उधमपुर में बोले प्रधानमंत्री - वो समय दूर नहीं जब जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा के चुनाव होंगे

जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा मिलेगा: मोदी

उधमपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को उधमपुर दौरे पर थे। यहां उन्होंने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि 10 साल के अंदर-अंदर जम्मू-कश्मीर पूरी तरह से बदल चुका है। सड़क, बिजली, पानी, यात्रा-प्रवाह वो तो है, सबसे बड़ी बात है कि जम्मू-कश्मीर का मन बदला है। लोग कहेंगे मोदी जी, इतना कर लिया। आप चिंता मत कीजिए हम आपके साथ हैं। मेरे जम्मू-कश्मीर के बहनों और भाइयों, आपने पहले इतने बुरे दिन देखे हैं कि आपको ये सब विकास की तरह बहुत बड़ा लग रहा है। लेकिन ये जो मोदी है ना, ये बहुत दूर की सोचता है। अब तक जो हुआ है वो तो ट्रेलर है, ट्रेलर। मुझे तो नए जम्मू-कश्मीर की नई और शानदार तस्वीर बनाने के लिए जुट जाना है। वो समय दूर नहीं जब जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा के चुनाव होंगे। जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा मिलेगा। आप अपने सपनों को अपने विधायकों और अपने मंत्रियों के साथ साझा कर सकेंगे। पीएम ने कहा कि ये कहते थे कि 370 हटी तो आग लग जाएगी, जम्मू कश्मीर हमें छोड़कर चला जाएगा।

लेकिन जम्मू कश्मीर के नौजवानों ने इनको आईना दिखा दिया। अब देखिए, जब उनकी यहां नहीं चली, जम्मू कश्मीर के लोग उनकी असलियत जान गए, तो ये लोग अब जम्मू कश्मीर के बाहर देश के लोगों के बीच भ्रम फैलाने का खेल, खेल रहे हैं। ये कहते हैं कि 370 के हटने से देश को कोई लाभ नहीं हुआ। अब यहां स्कूल नहीं जलाए जाते, बल्कि स्कूल सजाए जाते हैं।

पीएम ने कहा कि अब यहां एम्स बन रहे हैं, आईआईटी बन रहे हैं, आईआईएम बन रहे हैं। अब आधुनिक टनल, आधुनिक चौड़ी सड़कें, शानदार रेल का सफर जम्मू कश्मीर की तकदीर बन रहे हैं। पीएम ने कहा कि ये चुनाव सिर्फ सांसद चुनने का नहीं है, बल्कि ये चुनाव देश में एक मजबूत सरकार बनाने का चुनाव है और सरकार जब मजबूत होती है, तो जमीन पर चुनौतियों के बीच भी, चुनौतियों को चुनौती देते हुए काम करके दिखाती है। दशकों बाद ये पहला चुनाव है, जब आतंकवाद, अलगाववाद, पत्थरबाजी, बंद, हड़ताल, सीमा पार से गोलीबारी, ये चुनाव के मुद्दे ही नहीं हैं।

मोदी विकसित भारत के लिए विकसित जम्मू कश्मीर के निर्माण की गारंटी दे रहा है। लेकिन कांग्रेस, नेशनल

कॉन्फ्रेंस और पीडीपी, जम्मू कश्मीर को फिर उन पुराने दिनों की तरफ ले जाना चाहती हैं। इन परिवार चलित पार्टियों ने जम्मू कश्मीर का जितना नुकसान किया, उतना नुकसान किसी ने नहीं किया है। इन राजनीतिक पार्टियों का मतलब - परिवार की, परिवार द्वारा, परिवार के लिए।

आप याद कीजिए कांग्रेस की कमजोर सरकारों ने शाहपुर कंडी डैम को कैसे दशकों तक लटकाए रखा। जम्मू के किसानों के खेत सूखे थे, गांव अंधेरे में थे। लेकिन हमारे हक का रावी का पानी पाकिस्तान जा रहा था। मोदी ने किसानों को गारंटी दी थी और इसे भी पूरा करके दिखाया है। इससे कठुआ और सांबा के हजारों किसानों को फायदा हुआ है। यही नहीं इस डैम से जो बिजली पैदा होगी, वो जम्मू कश्मीर के घरों को रोशन करेगी। ये चुनाव सिर्फ सांसद चुनने का नहीं है, बल्कि ये चुनाव देश में एक मजबूत सरकार बनाने का चुनाव है। और सरकार जब मजबूत होती है, तो जमीन पर चुनौतियों के बीच भी, चुनौतियों को चुनौती देते हुए काम करके दिखाती है। जम्मू हो या कश्मीर अब यहां रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु आने लगे हैं। ये सपना यहां की अनेक पीढ़ियों ने देखा है और मैं आपको गारंटी देता हूं कि - आपका सपना, मोदी का संकल्प है। आपके सपनों को पूरा करने के लिए हर पल आपके नाम, देश के नाम। विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए 24x7 for 2047, ये मोदी की गारंटी है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस सहित विपक्ष पर जोरदार प्रहार किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह परिवारवादी पार्टियां विकास की भी विरोधी हैं और विरासत की भी विरोधी हैं। कांग्रेस कहती है कि राम मंदिर बीजेपी के लिए चुनावी मुद्दा है। पीएम ने कहा कि राम मंदिर ना चुनाव का मुद्दा था, ना है और ना होगा। राम मंदिर का संघर्ष तो तब से हो रहा था, जब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था।

राम मंदिर का संघर्ष तो 500 साल पुराना है, जब चुनाव का कोई नामोनिशान नहीं था। पीएम ने कहा कि 500 साल के बाद रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर कहा कि 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए इन्हें घर जाकर निमंत्रण दिया। लेकिन, इन लोगों ने राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। पीएम ने कहा कोर्ट के फैसले और कानून के तहत राम मंदिर बना है। और यह मंदिर सरकारी खजाने से नहीं बल्कि देश के लोगों के सहयोग से बना है।

वहीं, पीएम ने कहा कि हमारी सरकार से पहले माता वैष्णो देवी यात्रा हों या अमरनाथ यात्रा, ये सुरक्षित तरीके से कैसे हों इसको लेकर ही चिंता होती थी। लेकिन बीते 10 साल में स्थिति एकदम बदल गई है। आज जम्मू कश्मीर में विकास भी हो रहा है और विश्वास भी बढ़ रहा है। इसलिए आज जम्मू कश्मीर के चप्पे-चप्पे से एक ही गूंज सुनाई दे रही है फिर एक बार मोदी सरकार।

2014 में माता वैष्णो देवी के दर्शन करके आया था और इसी मैदान पर मैंने आपको गारंटी दी थी कि जम्मू कश्मीर की अनेक पीढ़ियों ने जो कुछ सहा है, उससे मुक्ति दिलाऊंगा। आज आपके आशीर्वाद से मोदी ने वो गारंटी पूरी कर दी है।

अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने का जिक्र करते हुए उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को विवादास्पद संवैधानिक प्रावधान वापस लाने की चुनौती दी और कहा कि ''वे ऐसा नहीं कर पाएंगे।'' उन्होंने उधमपुर से भाजपा उम्मीदवार सिंह और जम्मू से पार्टी उम्मीदवार जुगल किशोर के पक्ष में मतदान करने की जनता से अपील की और कहा कि आगामी चुनाव केंद्र में एक मजबूत सरकार प्रदान करने के लिए है जो देश के सामने आने वाली चुनौतियों का डटकर मुकाबला कर सके। सिंह उधमपुर लोकसभा सीट से तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। उधमपुर में 19 अप्रैल को मतदान होना है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने नरेंद्र मोदी पर किया कड़ा प्रहार

प्रधानमंत्री मुद्दों को भटकाने के लिए ध्रुवीकरण कर रहे हैं: केसी वेणुगोपाल

अलाप्पुझा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने बीते गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कड़ा प्रहार करते कहा कि वो आम चुनाव में देश से जुड़े गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। वेणुगोपाल ने कहा, भाजपा के पास लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा जारी न्याय पत्र का कोई जवाब नहीं है। उनके पास हमारी गारंटी पर सवाल उठाने या आलोचना करने का कोई आधार नहीं है। जब भी हम प्रचार अभियान में लोगों के मुद्दे उठाते हैं तो प्रधानमंत्री मोदी चर्चा का ध्रुवीकरण करके जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और एआईसीसी सदस्य ने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) केरल में सभी लोकसभा सीटें जीतेगा, उन्होंने कहा कि देश में अन्य जगहों के लोगों की नब्ज भी इंडिया ब्लॉक के पक्ष में है। केरल के अलप्पुझा से कांग्रेस उम्मीदवार ने आगे दावा किया कि देशभर में बीजेपी की सीटें 200 से भी कम रह जाएंगी। वेणुगोपाल ने कहा, जब से चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हुई है और हमारा अभियान तेजी से आगे बढ़ा है, देश भर में हमारी संभावनाओं में काफी सुधार हुआ है। हमें रिपोर्ट मिल रही है कि कांग्रेस और उसके भारतीय साझेदार देश भर में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अब लोग शुरुआत कर रहे हैं भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के जुमलों को देखकर उन्हें एहसास हो गया है कि केंद्र की सरकार उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है और वर्तमान सरकार के तहत सभी क्षेत्रों के लोग पीड़ित हैं। हमारी गारंटी को लोगों का समर्थन मिल रहा है।

भाजपा के अब की बार, 400 पार के दावे पर वेणुगोपाल ने कहा, कोई यह कैसे कह सकता है कि चुनाव आने से पहले ही हमें इतनी सीटें मिलेंगी? इन्हें पूरे देश में 200 सीटें से अधिक सीटें नहीं मिलेगी। वैसे किसी भी दल का लोकतंत्र में इस तरह की भविष्यवाणियां करना कठिन है। वे चुनावों में लोगों की भूमिका को कम आंकते हैं और उन्हें कम महत्व देते हैं।

चुनाव में पार्टी को लीड कर रहे राहुल गांधी के संबंध में वेणुगोपाल ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में लोगों को उन विचारों की बेहतर समझ हुई है जिनके लिए कांग्रेस सांसद खड़े हैं। उन्होंने कहा कि राहुल वायनाड से 5 लाख से अधिक वोटों के अंतर से दोबारा चुने जाएंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा, देश के सभी भ्रष्ट नेता अब प्रधानमंत्री के साथ हैं और वह विपक्ष के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध का सहारा ले रहे हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य विपक्षी नेताओं को जेल में डालना है। उन्होंने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी पश्चिम बंगाल में विपक्षी वोट शेयर में उल्लेखनीय रूप से सेंध लगाने और राज्य में भाजपा की अनुमानित सीटों की संख्या में कटौती करने के उद्देश्य से लोकसभा चुनाव में उतरेगी। वेणुगोपाल ने कहा, लोकसभा चुनाव में बंगाल में हमारा लक्ष्य भाजपा की अनुमानित सीटों की संख्या को कम करना है। इस सवाल पर कि क्या कांग्रेस राहुल को अमेठी या रायबरेली से भी मैदान में उतारने पर विचार कर रही है, उन्होंने कहा कि पार्टी उचित समय पर निर्णय लेगी।

मालूम हो कि लोकसभा की 543 सीटों के लिए चुनाव 19 अप्रैल से सात चरणों में होंगे। लगभग 96.8 करोड़ लोग 12 लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर आगामी चुनावों में वोट डालने के पात्र हैं। वोटों की गिनती 4 जून को निर्धारित की गई है। केरल में 20 लोकसभा सीटों के लिए आम चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। 2019 के आम चुनावों में, यूडीएफ ने तटीय राज्य की 20 में से 19 सीटें जीतीं, कांग्रेस को 15 सीटें मिलीं, जबकि अन्य गठबंधन में अपने सहयोगियों के पास गईं।

खेल
प्रमुख समाचार

पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला आज

नईदिल्ली। पंजाब किंग्स और राजस्थान

रॉयल्स के बीच शनिवार को आईपीएल का मुकाबला खेला जाएगा। वहीं पिछले मैच में जीत की दहलीज पर पहुंचकर हारी राजस्थान रॉयल्स को शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ रणनीति पर बेहतर अमल करना होगा क्योंकि मेजबान टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद बेहद सक्षम है।

दरअसल, रॉयल्स के पास लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने का सुनहरा मौका था, लेकिन राशिद खान की शानदार गेंदबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने बुधवार को आखिरी गेंद पर जीत दर्ज की। रॉयल्स के लिये अपने गढ जयपुर में हारना किसी झटके से कम नहीं था। वे इसे भुलाकर अब जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेंगे।

दूसरी ओर शिखर धवन की कप्तानी वाली पंजाब टीम ने पांच में से दो मैच जीते और तीन गंवाये हैं। उसके धाकड़ बल्लेबाज चल नहीं पा रहे और शशांक सिंह तथा अभिषेक शर्मा जैसे गुमनाम बल्लेबाजों पर रन बनाने की सारी जिम्मेदारी आ गई है। सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो (पांच मैचों में 81 रन) और मध्यक्रम के बल्लेबाज जितेश शर्मा (पांच मैचों में 77 रन) अपेक्षा के अनुरूप नहीं खेल पाये हैं जिससे टीम को अच्छी शुरूआत नहीं मिल सकी। सैम कुरेन गेंदबाजी में औसत रहे हैं और बल्ले से भी अपनी क्षमता के साथ न्याय नहीं कर पाये हैं। मध्यक्रम में टीम को चोटिल लियाम लिविंगस्टोन की कमी खल रही है। पंजाब के गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहतर रहा है लेकिन पहले गेंदबाजी करने पर उन्होंने काफी रन लुटाये हैं। पिछले तीन मैचों में पंजाब के खिलाफ विरोधी टीम ने 199, 199 और 182 रन बनाये हैं जबकि कैगिसो रबाडा और अर्शदीप सिंह जैसे गेंदबाज टीम में हैं। रॉयल्स के सामने चुनौती अच्छी लय बनाये रखने की भी है क्योंकि टूर्नामेंट में आम तौर पर अच्छी शुरूआत के बाद वे लड़खड़ा जाते हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 793 तो निफ्टी 234 अंक लुढ़का

नईदिल्ली। एशियाई बाजारों के कमजोर रुख के बीच हाल में रिकॉर्ड-तोड़ रैली के बाद मुनाफावसूली के चलते भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 793.25 अंक या 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,244.90 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 27 के शेयर लाल निशान में रहे। दिन के दौरान यह 848.84 अंक या 1.13 प्रतिशत गिरकर 74,189.31 पर आ गया। इसी तरह, एनएसई निफ्टी-50 234.40 अंक या 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,519.40 पर बंद हुआ और इसके 45 घटक निचले स्तर पर बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में सन फार्मा, मारुति, पावर ग्रिड, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख रूप से गिरकर बंद हुए।

भारत की जीडीपी 2024 में 6.1 फीसदी बढ़ेगी : मूडीज

नईदिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था 2024 में 6.1 फीसदी बढ़ेगी, जो 2023 में हुई 7.7 फीसदी की वृद्धि से कम है। मूडीज एनालिटिक्स ने 'एपीएसी आउटलुक: लिसनिंग थ्रू द नॉइज़' शीर्षक वाली अपनी रिपोर्ट में कहा, '' दक्षिण व दक्षिण पूर्व एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में इस साल सबसे मजबूत उत्पादन लाभ देखने को मिलेगा, लेकिन वैश्विक महामारी के बाद देरी से वापसी के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। हमें उम्मीद है कि भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पिछले साल 7.7 फीसदी के बाद 2024 में 6.1 प्रतिशत बढ़ेगी।'' रिपोर्ट में कहा गया कि कुल मिलाकर यह क्षेत्र दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसमें कहा गया कि एशिया प्रशांत अर्थव्यवस्था इस साल 3.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। विश्व अर्थव्यवस्था 2.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को दिया 65000 करोड़ का टेंडर

नई दिल्ली। रक्षा मामलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 65 हजार करोड़ का टेंडर जारी किया है। इसके तहत एचएएल से 97 एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट्स खरीदे जाएंगे। यह भारत सरकार द्वारा स्वदेशी मिलिट्री हार्डवेयर के लिए दिया गया सबसे बड़ा ऑर्डर हो सकता है। रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को टेंडर पर जवाब देने के लिए तीन महीने का समय दिया है। अगर यह डील हो जाती है तो इससे वायुसेना के मिग-21, मिग-23 और मिग-27 जैसे फाइटर जेट्स की जगह भारत में बने एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट्स लेंगे, जो जल्द ही वायुसेना से रिटायर हो जाएंगे। स्वदेशी हथियारों को बढ़ावा देने की दिशा में यह बेहद अहम कदम है। इससे रक्षा क्षेत्र की छोटी और मध्यम वर्ग की कंपनियों के बिजनेस को भी फायदा मिलेगा।

वित्त वर्ष 2023-24 में वाहनों की थोक बिक्री 8.4% बढ़ी

नईदिल्ली। भारत में यात्री वाहनों की थोक

बिक्री वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत बढ़कर 42,18,746 इकाई हो गई। उद्योग निकाय सियाम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2022-23 में कुल यात्री वाहन आपूर्ति 38,90,114 इकाई रही थी। सियाम की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.3 प्रतिशत बढ़कर 1,79,74,365 इकाई रही, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 1,58,62,771 इकाई थी। समीक्षाधीन अवधि में सभी श्रेणियों में वाहन बिक्री 12.5 प्रतिशत बढ़कर 2,38,53,463 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2022-23 में 2,12,04,846 इकाई थी।

सामाजिक-आर्थिक विकास का वाहक बन रहा है मध्यम वर्ग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी भी देश के आर्थिक-सामाजिक विकास में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। यह केवल हमारे देश के संदर्भ में ही नहीं अपितु समूचे विश्व की बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का अध्ययन किया जाएगा तो कारण यही सामने आएगा। सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तरह से श्रमिक वर्ग उभर कर आया तो औद्योगिक क्रांति का ही बाई प्रोडक्ट मध्यम वर्ग का उत्थान माना जा सकता है। आर्थिक विश्लेषकों की माने तो आर्थिक विकास का कोई ग्रोथ इंजन है तो वह मध्यम वर्ग है। ज्यादा दूर नहीं जाए और केवल वर्तमान दशक की शुरुआत बल्कि 2021 की ही बात करें तो देश में 30 फीसद परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आ गए थे। ऐसा माना जा रहा है कि 2031 तक यह आंकड़ा बढ़कर 46 फीसद को छू जाएगा। यानी की इस दशक में बचे साढ़े पांच साल में भी मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में तेजी से सुधार होगा। 2021 में जहां 9.1 करोड़ परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में थे वहीं 2031 तक यह संख्या बढ़कर 16.9 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है। किसी भी देश और उसकी अर्थ व्यवस्था के लिए यह अपने आप में किसी बढ़ी उपलब्धि से कम नहीं आंकी जा सकती। विशेषज्ञों के अनुसार 5 लाख से 38 लाख सालान आय वाले परिवारों को मध्यम आय वर्ग श्रेणी में माना गया है। यह भी समझना होगा कि मध्यम वर्ग का विस्तार का सीधा सीधा अर्थ गरीबी रेखा से लोगों का बाहर आना और बाजारु गतिविधियों में तेजी आने का कारण मध्यम वर्ग ही है। मांग और

आपूर्ति को भी मध्यम वर्ग के संदर्भ में ही देखा और समझा जा सकता है।

मध्यम आय वर्ग में इजाफा होने का मतलब साफ-साफ यह हो जाता है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इसे यों समझा जा सकता है कि मध्यम आय वर्ग या दूसरे अर्थ में हम मध्यम वर्ग की बात करें तो जीवन जीने का कोई आनंद लेता है तो वह मध्यम वर्ग ही है। मध्यम वर्ग के लोग जीवन को जीने में विश्वास रखते हैं भले ही उन्हें ऋणं कृत्वा घृतं पीबेत की मानसिकता के अनुसार जीवन यापन करना पड़ें। यही कारण है कि मध्यम वर्ग दिल खोलकर पैसा खर्च करता है। इसका एक कारण सामाजिक ताने बाने की भाषा में हम कहें तो यह कहा जा सकता है कि बहुत कुछ वह दिखावें के लिए करता है। जीवन यापन की दिखावे की इस प्रतिस्पर्धा में वह वो सब कुछ पाना चाहता है जो उसके परिवार, पड़ोसी, मित्रगण या आसपास के लोगों के पास है। इसमें रहन-सहन, खान-पान, पहनना-ओढ़ना, शिक्षा और इसी तरह की अन्य वस्तुओं/साधनों को प्राप्त करना मध्यम वर्ग का ध्येय रहता है और इसी कारण बाजार में नित नए उत्पादों की मांग बढ़ती है तो देष के लोगों के जीवन स्तर का पता चलता है।

दरअसल मध्यम वर्ग व्हाईट कॉलर का प्रतिनिधित्व करता है। वह इस प्रयास में रहता है कि दिन प्रतिदिन वह अधिक से अधिक साधन जुटाएं, भले ही उसके लिए उसे उधार का सहारा लेना पड़े। यहां यह भी समझ लेना जरुरी हो जाता है कि उच्च आय वर्ग की अपनी समझ व पहुंच होती है। पहली बात तो उच्च आय वर्ग की दायरें में कम लोग है। उनकी पसंद ना पसंद अलग होती है। उनके लिए जो उत्पाद बाजार में आएंगे वो अलग श्रेणी के होंगे। मध्यम वर्ग लगभग उसी दौड़ में दौड़ने का प्रयास करता है। उच्च वर्ग के पास लक्जिरियस चौपहिया वाहन है तो उसकी मांग पहले चरण में चौपहिया वाहन व उसके बाद ज्यों ज्यों वह थोड़ा आगे बढ़ना चाहेगा अपनी पहुंच के सुविधाजनक चौपहिया वाहन पाने की कोशिश में जुट जाएगा। इसी तरह से बाजार की मांग को मध्यम वर्ग ही बढ़ाता है। तस्वीर हमारे सामने हैं। ज्यादा पुरानी बात नहीं दो दशक ही हुए होंगे कि घरों में पंखों की जगह कूलरों ने ली और कूलरों में भी हैसियत अनुसार ब्राण्डेड कंपनियों से लेकर लोकल कंपनियों के कूलरों ने घरों में जगह बनाई।

अब चेहरा-ए-माज़ी भी पहचाना नहीं जाता... यूँ टूट के बिखरा है इतिहास का आईना....?

इतिहास की जानकारी के बिना कुछ लोग वाट्सअप यूनिवर्सिटी के पोस्ट को पढ़ कर ही कुछ भी चर्चा करने लगते हैं? एक चर्चा पहले भी कुछ लोगों ने (हाल ही में मंडी लोस की भाजपा प्रत्याशी फ़िल्मी कलाकार कँगना राणावत ने पहला पीएम नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्यों नहीं...? कहकर नया राग छेड़ दिया है) शुरू की है कि देश के पहले पी एम जवाहर लाल नेहरू नहीं वल्लभ भाई पटेल को होना चाहिए था? तब हुये चुनाव में नेहरू को नहीं पटेल को सारे वोट मिले थे। लेकिन नेहरू ने पटेल को पीएम बनने से रोक दिया? ऐसे लोगों के बारे में कहा जा सकता है कि इतिहास की जानकारी ही नहीं है? इस पर कुछ चर्चा जरुरी है,देश में पहला चुनाव कब हुए...? जवाब आता है 1951-1952 में...पटेलजी की मृत्यु कब हुई..? जवाब आया 1950 में, फिर नेहरू ने पटेल को पीएम बनने से कैसे रोक दिया? इसके बाद लोग चुप हो जाते हैं, उनके पास कहने को कुछ नहीं होता! भारत के पहले आम चुनाव 25 अक्टूबर 1951 से लेकर 21 फरवरी 1952 बीच हुए, बाद में भारत की पहली संवैधानिक सरकार चुनी गई। तब नेहरू देश के पीएम बने, तब तक तो पटेल का निधन हो चुका था।14 अगस्त 1947 की आधी रात (तकनीकी तौर पर 15 अगस्त1947)को संविधान सभा की ओर से चुने गए भारत के गर्वनर जनरल लार्ड माउंटबेटन ने नेहरू को भारत के पहले पीएम पद की शपथ दिलाई, तब वल्लभ भाई पटेल सक्रिय राजनीति में थे,वे नेहरू की सरकार में डिप्टी पीएम,गृह मंत्री बने, 29मार्च 1946 को ब्रिटेन लेबर पार्टी के नेता,वहां के पीएम क्लीमेंट एटली ने भारतीय नेताओं से बातचीत करने कैबिनेट मिशन प्लान भेजा, इन 3 सांसदों सर स्टेफर्ड क्रिप्स, एबी एलेंजडर, पैथिक लारेंस का दल भारत में संविधान की रूपरेखा,संवि धान सभा और अंतरिम सरकार बनाने का प्रस्ताव लेकर आया था भारत की अंतरिम सरकार की रूप रेखा क्या होगी, कौन नेतृत्व करेगा, इस पर माथापच्ची शुरू हो गई! अंतरिम सरकार के प्रस्ताव को ध्यान में रखकर गांधी ने नये कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव कराने कहा। ऐसा माना जा रहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष ही देश के पहले प्रधान मंत्री का दावेदार होगा।तब कांग्रेस अध्यक्ष अबुल कलाम आजाद थे, 1940 से ही कांग्रेसअध्यक्ष थे। अपनी किताब में उन्होंने 1946 में भी अध्यक्ष का चुनाव लड़ने की मंशा को लेकर लिखा था,1946 में कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन गाँधी ने ही उन्हें ऐसा ना करने को कहा था। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में एआई सीसी के सदस्यों से मतदान कराया जाता था इसलिए तय हुआ कि केवल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्षों के मत दान से ही अगला कांग्रेसा ध्यक्ष चुना जाएगा,सरदार पटेल ने नेहरु को अध्यक्ष पद देने का समर्थन किया। वायसराय लॉर्ड वेवल ने 1अगस्त 1946 को कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू को अंतरिम सरकार बनाने का न्योता दिया,2सितंबर 1946 को नेहरू ने 11 अन्य सदस्यों के साथ पद की शपथ ली।तब जो पद नेहरू को मिला उसे पीएम तो नहीं कहा गया, लेकिन उसे राष्ट्राध्यक्ष कहा गया था,4 जुलाई 19 47को ब्रिटिश संसद में ही भारतीय स्वतंत्रता विधेयक पेश किया गया।18 जुलाई को स्वीकृति मिल गई खैर, नेहरू-पटेल के बीचमतभेद हो सकते होंगे,कुछ मुद्दों पर मत भिन्नता भी रही होंगी पर बे-बहस को तूल देकर आखिर कुछ लोग क्या चाहते हैं....?

चुनावः ज्योतिष तोता बंदी, आजाद भी....

तमिलनाडु से एक किस्सा सामने आया जिसने सोश ल मीडिया में धूम मचा दी है। पुलिस ने एक तोते को गिरफ्तार किया था। क्योंकि उसने आनेवाले चुनाव में नेता की जीत की भविष्यवाणी कर दी। तमिलनाडु के कुड्डालोर से पीएमके के उम्मीदवार हैं थंकर बचन। वो अपने इलाके में चुनाव के लिए प्रचार करते घूम रहे थे। एक मंदिर के बाहर से निकले। ज्योतिषी पिंजरे में तोता लिए बैठा था। किसी को भविष्य बताना होता था तो वो तोते को पिंजरे से बाहर निकालते,पिंजरे से बाहर आकर तोता सामने रखे कागज की पोथी के ढेर से एक पोथी चोंच से उठा कर अलग कर देता था, प्रत्याशी तोते से खुश होकर उसे कुछ खाने को देता, तोता खाकर वापस पिंजरे में चला जाता। थोड़ी ही देर में पुलिस वहां पहुँच गई। पुलिस ने ज्योतिष, उसके तोते को पकड़कर थाने ले गई। पुलिस ने ज्योतिष सेल्वराज को भी हड़काया, फिर तोते को कैद में रखने के जुर्म में वन विभाग को भी बुलवा लिया। विभाग ने ज्योतिष से तोता लेकर उसे जंगल में उड़ा दिया।

बस्तर का ही सीएम अभी तक नहीं .....?

छत्तीसगढ़ बनने के पहले श्यामाचरण शुक्ला, मोतीलाल वोरा के सीएम बनने के कारण रायपुर, दुर्ग जिला चर्चा में रहा था तो कई मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष बनने के कारण बिलासपुर जिला भी भारी था। नया छ्ग बनने के बाद पहले सीएम अजीत जोगी बने और बिलासपुर का दब दबा फिर बढ़ गया था, उसके बाद भाजपा के डॉ रमन सिंह लगातार 15 साल सीएम रहे तो दुर्ग संभाग सहित कवर्धा राजनांदगांव जिला चर्चा में रहा। बाद में कांग्रेस की सरकार बनी, दुर्ग जिले के पाटन के भूपेश बघेल सीएम बने तो भी दुर्ग जिले का महत्व बना रहा, उनके मंत्रिमंडल में दमदार मंत्री ताम्रध्वज साहू, रविंद्र चौबे, मो.अकबर, रूद्र गुरु (सभी दुर्ग संभाग के विधा यक थे) भी वहीं के थे। खैर छग में अभी लोस चुनाव में कांग्रेस के तीन भूपेश बघेल राजनांदगांव, ताम्रध्वज साहू महासमुंद, देवेंद्र यादव बिलासपुर और भाजपा की सरोज पांडे को कोरबा लोस से प्रत्याशी बनाने से फिर दुर्ग जिला चर्चा में है। इधर सरगुजा क्षेत्र से पहली बार विष्णुदेव सीएम बने हैं अब सरगुजा भी चर्चा में आ गया है, वैसे यहां से डिप्टी सीएम टीएस बाबा भी बन चुके हैं तो सारंगढ़ से कुछ दिनों के लिये राजा नरेशसिंह भी अविभाजित मप्र के सीएम रह चुके हैं। बस अब बस्तर ही बच जाता है जहां से अभी तक कोई सीएम नहीं बना है.....?

खटटर के बाद बलिराम

की तारीफ...और चर्चा...?

अपने बस्तर की चुनावी सभा में पीएम नरेंद्र मोदी ने बस्तर के जनसंघ,भाजपा के कद्दावर नेता रहे बली राम कश्यप की तारीफ की, उन्हें अपना गुरु भी बताया, साथ-साथ पहले बस्तर के दौरे की बात साझा की, उनके बयान के बाद कश्यप परिवार के केदार कश्यप की चिंता स्वाभाविक है..? मोदी ने हरियाणा में भीएक आमसभा में सीएम मोहन लाल खटटर को मित्र बताया था,उनकी मोटर सायकल के पीछे बैठकर हरियाणा के दौरे की याद साझा की थी और एक-दो दिन बाद ही खटटर सीएम पद से हटा दिये गये थे....?

और अब बस

- *छ्ग में विस चुनाव में जो अति आत्मविश्वास कांग्रेस को था,क्या वही स्थिति लोस चुनाव में भाजपा की है?*
- *22 साल का अग्निवीर रिटायर कर घर भेजा जाएगा और 73 साल का एक बुजुर्ग तीसरी बार सरकार बनाने का मौका देने का अनुरोध कर रहा है....?*
- *डॉ चरणदास महंत के मोदीजी को डिफाल्टर कहने से भाजपाई बौखला गये हैं..?*

साय ने जगदलपुर में किया रोड शो, महेश के लिए मांगा वोट, उमड़ा जनसैलाब

रायपुर/जगदलपुर। जबसे लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई है, तबसे हम लगातार पूरे छत्तीसगढ़ में लोगों के बीच में जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगों का जो स्नेह है, जो प्यार है, जो उत्साह है, देखते ही बनता है। हर जगह कार्यकर्ताओं के साथ-साथ मतदाताओं में भी भारी उत्साह है। हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति सबका विश्वास बढ़ा है। छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे देश का हर एक बच्चा आज हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी को जानता है, मानता है। उक्त बातें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जगदलपुर में आयोजित भाजपा के रोड शो के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने कहा आप सब लोगों ने पिछले विधानसभा चुनाव में मोदी जी पर विश्वास किया, मोदी जी की गारंटी पर विश्वास किया, हमें सरकार पर बिठाए। मां दंतेश्वरी और आप सभी के आशीर्वाद से मोदी की गारंटी में हमारी पार्टी का छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता से जो वादा था, अधिकांश वादों को हमने 3 महीने में ही पूरा किया है, चाहे वो किसानों को ?3100 प्रति क्विंटल धान का कीमत देने की बात हो, या 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदने की बात हो या 2 साल का बकाया बोनस 12 लाख से अधिक किसानों को ?3716 करोड़ देने की बात हो। महतारी वंदन योजना में विवाहित माताओं-बहनों को हम दो किश्त दे चुके हैं, अभी 3 अप्रैल को ही हमने दूसरी किश्त दी है और हर महीने पहले सप्ताह में ही हम किश्त की राशि भेजेंगे। श्रीराममलला दर्शन योजना की शुरुआत हम कर चुके हैं। इस तरह की बहुत सारी योजनाएं जो मोदी की गारंटी में हमारी पार्टी का वादा था, वो सबको पूरा किए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा आज रोड शो में एयरपोर्ट से लेकर सड़कों के दोनों तरफ विशेषकर हमारी माताओं के विश्वास तो देखते बनता है। माताओं ने जिस उत्साह से आरती की थाल सजाकर स्वागत किया, शायद ये महतारी वंदन योजना का असर है। उन्होंने कहा जिस तरह से पिछले 5 साल छत्तीसगढ़ की जनता धोखा खाई, कांग्रेस बड़े-बड़े वादे कर एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई। अभी फिर धोखा देने वाले हैं, 1 लाख रु साल में देने का फार्म भरवा रहे हैं। समझ में नहीं आता है कि कहां से देंगे ! छत्तीसगढ़ में तो हमारी सरकार है, केंद्र में कहीं से भी लगता नहीं है कि उनकी सरकार बनेगी। कुल मिलाकर यह धोखा है। साय ने कहा हमारे बस्तर संभाग में आदिवासी बंधुओं को भड़काया जा रहा है कि केंद्र और राज्य दोनों में भाजपा की सरकार बन जाएगी तो आदिवासी आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। इस तरह से भ्रम फैलाया जा रहा है। श्री साय ने कहा आपके लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय प्रत्याशी श्री महेश कश्यप जी, जो आप सभी के बीच के हैं, कोई परिचय के मोहताज़ नहीं हैं, सेवा करते रहे हैं। आप सभी से यही आग्रह होगा कि आप सबका आशीर्वाद आने वाले 19 अप्रैल को लोकतंत्र में बड़ी ताकत अपने मत को कमल छाप में बटन दबाकर महेश कश्यप जी को लोकसभा में भेजें, और श्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं ताकि हमारा देश पुनः विश्वगुरु बने, सोने की चिड़िया कहलाये। गांव, गरीब, किसान मजदूर सबका भला हो, हम विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

मोदी लहर में कांग्रेस के लोस प्रत्याशियों की जमानत न जब्त हो जाए-भाजपा

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी ने 3 दिन पहले कांग्रेस के नाराज नेताओं को मनाने के लिए संपर्क और संवाद समिति का गठन किया है। अब इस समिति ने सभी 11 लोकसभा क्षेत्रों में कांग्रेस के नियुक्त नेता जाएंगे और नाराज चल रहे कांग्रेसियों को मनाने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस अब अपना वजूद बचाने में लगी है कि क्योंकि कांग्रेस को डर है कि कहीं उसके लोकसभा प्रत्याशियों की जमानत जब्त न हो जाए। जिसे भांपकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में आनन फानन छत्तीसगढ़ में संपर्क और संवाद समिति का गठन किया गया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की संवाद समिति को पता है कि छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी प्रचंड लहर चल रही है। ऐसे में अगर नाराज कांग्रेसी कार्यकर्ता और नेताओं ने साथ नहीं दिया तो छत्तीसगढ़ से भी पार्टी का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। इससे घबराई हुई कांग्रेस के नेताओं की नींद हराम हो गई है। क्योंकि शीर्ष नेतृत्व ने कांग्रेस के पुराने नेताओं को चेतावनी दी है कि अगर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा तो उनका पार्टी में कैरियर खत्म हो जाएगा। कांग्रेसी नेता भूपेश सरकार के दौरान हुए विकास कार्यों में हुए भ्रष्टचार और घोटालों के चलते जनता के बीच जाने से डर रहे हैं। इससे कांग्रेस नेताओं को अपनी हार दिखनी लगी है। इसके चलते उनकी जुबान से पीएम मोदी और बीजेपी को लेकर अनर्गल प्रलाप ही निकल रहे हैं। कांग्रेस नेताओं की नाराजगी बड़ी वजह कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के न्याय पत्र है। क्योंकि इस न्याय पत्र ऊपर से झूठ का पुलिंदा और अंदर से राष्ट्र विरोधी चीजें शामिल है। कांग्रेस की बनाई हुई संवाद समिति जनता के बीच और नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने जाएंगे। भाजपा ने कहा, जब लोकसभा चुनाव चुनाव सिर पर है तो कांग्रेस को यह युक्ति सूझी है। कांग्रेस अब इस फैसले के चलते जनता के बीच हंसी और उपहास की पात्र बन रही है। पांच साल छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी की ?सरकार रही सारे बड़े नेता सत्ता की मलाई जमकर खाईं ।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

सभी कांग्रेसी छत्तीसगढ़ आते ही भूलन कांदा पर पांव रख देते हैं

रायपुर। मंत्री केदार कश्यप को च्यवनप्राश खिलाने के बयान पर तीखा प्रहार करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, कांग्रेसी छत्तीसगढ़ आते ही भूलन कांदा पर पांव रख देते हैं उन्हें कुछ याद नहीं रहता ।राधिका खेड़ा जी बताएं खुद को देशभक्त पार्टी बताने वाली कांग्रेस ने आखिर देश का बंटवारा क्यों किया? देश में इमरजेंसी क्यों लगाई? जम्मू कश्मीर को 370 धारा लगाकर भारत से अलग क्यों रखा? एक ही देश में दो कानून क्यों लागू किए? कांग्रेस की सरकार रहते क्यों हर शहर आतंकियों का अड्डा बना रहता था? श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कौन नहीं जानता कि हाल ही पंजाब में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब मोदीजी की हत्या की साज़िश रची गई थी। जिस तरह से संकरे रास्ते पर उन्हे घेरा गया था और जिस तरह की साज़िश थी, उसका एनिमेटेड वीडियो भी यूट्यूब पर पहले से उपलब्ध था। राधिका जी को अपने नेताओं के बयान के लिए माफी मांगनी चाहिये थी। छत्तीसगढ़ में एक के बाद एक उनके नेताओं द्वारा हिंसा के बयान देना महज़ संयोग नहीं हो सकता। श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कांग्रेस का हिंसा से पुराना नाता है। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हज़ारों सिखों की हत्या करने और उसे बड़ा पेड़ गिरने पर धरती हिलने की बात भूल गई।

चुनाव में कांग्रेस को आती है गरीबी दूर करने की याद

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के राजस्थान में एक चुनावी सभा में एक झटके में देश से गरीबी मिटाने वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले 55 सालों तक देश में सत्ता रही कांग्रेस को चुनाव में गरीबों की याद आती है। इतिहास गवाह है कभी भी कांग्रेस ने देश से गरीबी हटाने कोई काम नहीं किया बल्कि गरीबों को हटाओं का नारा देती रही । वोट बैंक की राजनीति करने वाले कांग्रेसियों ने देश को दोनों हाथों से लूटा है । उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सीधे पूछा है कि देश से गरीबी मिटाने के लिए क्या उनके हाथ अलादीन का चिराग लग गया है ? या फिर दिन में सपने देख रहे हैं ? राहुल गांधी के पास देश को लेकर कोई विजन ही नहीं है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेस शासन काल में गरीब और गरीब होते गए। उनके लिए कोई ठोस कार्य योजना आखिर क्यों कांग्रेस नहीं बना पाई । कांग्रेस नहीं चाहती है कि देश से गरीबी हटे बल्कि वह तो गरीबों को ही हटाना चाहती है। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी केवल जुमलेबाजी करते हुए देश की जनता को बहकाने का प्रयास कर रहे हैं । राहुल गांधी को खुद नहीं पता होता है कि वो क्या कह रहे हैं ।

भाजपा विधायक रिकेश के खिलाफ चुनाव आयोग में किया शिकायत

रायपुर। भाजपा विधायक रिकेश सेन के द्वारा दिनांक 06 अप्रैल को अपने विधानसभा क्षेत्र वैशाली नगर में चुनावी सभा में बस्तर लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा के विरुद्ध अनर्गल, अस्तय वक्तव्य देने और सोशल मीडिया में उसे अपलोड करने की शिकायत कांग्रेस ने चुनाव आयोग से किया। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान समय में सम्पूर्ण भारत में आदर्श आचार संहिता लागू है ऐसी स्थिति में भाजपा विधायक श्री रिकेश सेन के द्वारा दिनांक 06 अप्रैल 2024 को अपने विधानसभा क्षेत्र वैशाली नगर के चुनावी सभा में बस्तर लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी श्री कवासी लखमा के विरूद्ध अनर्गल/असत्य वक्तव्य देने और सोशल मीडिया में उसे अपलोड करना आदर्श आचार संहिता का घोर उल्लंघन है। जिसका प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग आपत्ति/शिकायत करती है। एनआईए के द्वारा पिछले 11 वर्षों से झीरम घाटी घटना की जांच कर रही है और आज दिनांक तक कोटा के कांग्रेस विधायक और बस्तर लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी श्री कवासी लखमा के विरूद्ध झुठा और निराधार आरोप भाजपा के प्रतिनिधि और वैशाली नगर के विधायक श्री रिकेश सेन के द्वारा जो असत्य और घृणित आरोप लगाया गया है वह बहुत ही निंदनीय है तथा आदर्श आचार संहिता का घोर उल्लंघन है.

भाजपा ने प्रमाणित बीजों के दाम में वृद्धि कर किसानों पर वज्रपात किया

रायपुर। प्रमाणित बीजों के दाम में की गई वृद्धि को वापस लेने की मांग करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने प्रमाणित बीजों के दाम में वृद्धि करना भाजपा का किसान विरोधी चरित्र है। भाजपा सरकार ने प्रमाणित बीजों के दाम में 600 रु से लेकर 4600 रु तक की वृद्धि कर महंगाई से पीड़ित किसानों के ऊपर वज्रपात किया है. प्रमाणित बीजों के दाम में हुई वृद्धि से कृषि लागत मूल्य में वृद्धि होगी किसानों की आय कम होगी। किसान पहले से ही डीजल, रासायनिक खाद, कीटनाशक और कृषि यंत्रों के महंगे दामों से हताश और परेशान है. किसान कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं उनके उपज का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है. भाजपा की सरकार ने किसानों को वादा अनुसार समर्थन मूल्य नहीं दिया ना ही किसानों के आमदनी बढ़ाया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को कर्ज मुक्त करने उनकी आय बढ़ाने और उन्हें महंगाई से राहत देने के लिए केंद्र में सरकार बनने पर किसान न्याय की घोषणा की है. एमएसपी को कानूनी दर्जा मिलेगी। किसानों को कर्ज मुक्त करने के लिए आयोग का गठन होगा। किसानों को जीएसटी मुक्त उत्पाद मिलेंगे।

राज्य में डबल इंजन की सरकार फेल - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार फेल हो गयी है। तीन महीनों में ही भाजपा की विष्णु देव सरकार अलोकप्रिय हो गयी। सरकार जनता के हित में एक भी निर्णय नहीं ले पाई। सरकार में बैठे हुये लोग सरकारी धौंस दिखा कर भयादोहन में लगे है। जनता परेशान है। कानून व्यवस्था बदहाल हो गयी। जनकल्याणकारी योजनायें दम तोड़ चुकी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रिमोट कंट्रोल सरकार है विष्णुदेव सरकार। छत्तीसगढ़ सरकार केंद्र शासित सरकार बन गयी है। सरकार के सारे फैसले पीएमओ से लिये जा रहे है। महिलाओं के प्रति अपराधों में बढ़ोतरी हो गयी, पोटाकेबिन में बच्ची की जलकर मौत, अबोध बच्ची मां बनी, नारायणपुर में मासूम बच्चियों से स्कूल में छेड़खानी। बलात्कार, सामूहिक बलात्कार की घटनायें बढ़ गयी। लूट, अपराध, डकैती, चाकूबाजी की घटनायें बढ़ गयी। अपराध और अपराधी बेलगाम हो चुके है। महतारी वंदन में माताओं, बहनों से धोखा, दूसरी किस्त अब तक नहीं मिला। 18 लाख आवास देने की बात कहा लेकिन एक भी आवासहीन के खाते में पैसा नहीं आया।

विकास उपाध्याय ने किया सिमगा ब्लॉक का दौरा, कहा-

मनरेगा मजदूरों से की मुलाकात सरकार बनने पर 400 प्रतिदिन मिलेगी मजदूरी

रायपुर। रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय अपने चुनावी दौरे के चलते भाटापारा के सिमगा ब्लॉक पहुंचे जहां उन्होंने विभिन्न गांव में पहुंचकर जनसंपर्क किया। इस दौरान वह मनरेगा के तहत कार्य कर रहे मजदूरों से मुलाकात की। विकास उपाध्याय ने मजदूरों से चर्चा करते हुए कहा कि पूर्व में कांग्रेस की यूपीए सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी के तहत यह योजना बनाई थी जिसके माध्यम से ग्रामीणों को 100 दिनों तक रोजगार मिल सके । वर्तमान में आज 220 रुपए प्रतिदिन की दर से मजदूरों को भुगतान किया जा रहा है। मजदूरों की मेहनत को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी ने को प्रतिदिन ?400 का भुगतान किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने सभा के मध्याम से महिलाओं को महालक्ष्मी नारी न्याय गारंटी की जानकारी भी दी। विकास उपाध्याय ने कहा कि देश में बढ़ती हुई महंगाई के कारण आज हर घर की महिला परेशान है जिसको ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी ने नारी न्याय गारंटी की घोषणा की है जिसके तहत हर महिला को ?8333 प्रतिमाह उनको दिया जाएगा। इस अवसर पर महिलाओं से नारी न्याय गारंटी का पंजीयन फॉर्म भी भराया गया। विकास उपाध्याय ने सिमगा ब्लॉक के ग्राम धोबनी तुलसी तोरा चक्रवाय चोरहा नवागांव चंदिया पथरा करहुल शिमगा बनसांकरा बैकोनी चंदेरी चौरेगा दरचुरा विश्रामपुर गणेशपुर मनोहारा कोलिया रोहरा बुचीपार डोंगरिया रिंगनी केसदा मे जनसंपर्क किया। इस दौरान उनके साथ विधायक इंद्र साव हीतेंद्र ठाकुर सुशील शर्मा सुनील महेश्वरी प्रमोद तिवारी राम बिलास साहू के के नायक हीरेन कोसले शैली भाटिया रमेश धृतलहरे भागवत सोनकर सुनीता यादव गंगा ओगरे कोमल टंडन अभिनव यदु कुबेर यदु पप्पू सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्रमिक न्याय गारंटी की घोषणा की है। जिसके तहत केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर मनरेगा मजदूरों

राशन पर भाजपा की लूट, अब मिलेगा सिर्फ 5 किलो चावल - भूपेश बघेल

रायपुर। राजनांदगांव लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार को भी आड़े हाथों लिया। इस दौरान भूपेश बघेल ने कांग्रेस के शासनकाल का राशनकार्ड और वर्तमान भाजपा सरकार का राशनकार्ड दिखाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने जनता के राशन पर डाका डाला है। भूपेश ने कहा कि हमारे राशन कार्ड पर स्पष्ट रूप से दर्ज है कि परिवार में तीन या तीन से अधिक सदस्य होने पर 35 किलो चावल प्रतिमाह मिलेगा, साथ ही 5 से अधिक सदस्य होने पर प्रति सदस्य 7 किलो चावल प्रतिमाह मिलेगा। लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार ने आते ही जनता से राशन छीनने का सिलसिला शुरू कर दिया है। वर्तमान सरकार ने राशन कार्ड पर स्पष्ट रूप से लिख दिया है कि अब महज़ पांच किलो चावल प्रति सदस्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि जनता के राशन की कटौती करने वाली राज्य की भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि छत्तीसगढ़ की जनता के मुंह से निवाला छीनकर यह चावल किसे दिया जाएगा? अब तक तो छत्तीसगढ़ की जनता के संसाधनों, जल-जंगल-जमीन पर तो भाजपा की नज़र थी ही लेकिन अब जनता का चावल भी छीनकर सेठों के गोदाम भरे जाने की योजना है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.